THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 110 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.6 2082 बुधवार, 16 जुलाई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बिहार वोटर लिस्ट से 30 लाख नाम कटेंगे

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में वोटर लिस्ट बनाने और उसे अपडेट करने का काम अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। चुनाव आयोग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक राज्य के 7 करोड़ 89 लाख 69 हजार 844 मतदाताओं में से अब तक 6 करोड़ 60 लाख 67 हजार 208 लोगों ने अपना फॉर्म भर दिया है। ये कुल का 88.18 प्रतिशत है। यानी अब सिर्फ 11.82 प्रतिशत मतदाताओं का ही फॉर्म भरना बाकी रह गया है। आयोग ने बताया कि घर-घर जाकर दो बार बीएलओ ने सर्वे किया। इसमें पता चला कि 1.59 प्रतिशत यानी 10 लाख 50 हजार 468 वोटर्स की मौत हो चुकी है। वहीं, 2.2 प्रतिशत यानी करीब 14 लाख 53 हजार 478 लोग बीएलओ को मिले ही नहीं। बताया गया कि वो हमेशा के लिए दूसरी जगह चले गए हैं।

18 दिन बाद लौटे शुभांशु

> स्पेसक्राफ्ट की लैंडिंग कैलिफोर्निया के तट पर हुई
> पहली बार कोई भारतीय आईएसएस गया था

कैलिफोर्निया, 15 जुलाई (एजेंसियां)। शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट स्पेस स्टेशन में 18 दिन रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। करीब 23 घंटे के सफर के बाद ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट की आज यानी 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर लैंडिंग हुई। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। चारों एस्ट्रोनॉट एक दिन पहले शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए थे। सभी एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे आईएसएस पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे ये रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी।

शुभांशु की वापसी पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का उनकी ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा से पृथ्वी पर वापसी के लिए स्वागत करता हूं। शुभांशु ने अपने समर्पण, साहस से अरबों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपनी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन- गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

मां बोलीं-शब्दों में बयान नहीं कर सकती ये खुशी

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय सेना के ग्रुप कैप्टन लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अपना मिशन पूरा कर वापस लौट आए हैं। मंगलवार को अपराह्न तीन बजे उनका यान कैलीफोर्निया के तट पर उतरा। अंतरिक्ष यान के सकुशल लैंड करते ही उनके माता-पिता भावुक हो गए। उन्होंने इस दौरान लैंडिंग का सजीव प्रसारण देखा। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में पहले से ही इसके लिए इंतजाम किए गए थे। शुभांशु की मां आशा देवी और पिता शंभू दयाल शुक्ला भावुक हो गए। मां बोलीं ये हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण है। बहन शुचि मिश्रा ने कहा, वो वापस आ गए हैं।

गोल्डन टेंपल को फिर बम से उड़ाने की धमकी : 24 घंटे में दूसरा ई-मेल मिला

अमृतसर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में गोल्डन टेंपल को लगातार दूसरे दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ई-मेल पर मिली है। आरोपी ने दावा किया है कि पाइपों में आरडीएक्स भर दिया गया है, जिससे गोल्डन टेंपल के अंदर धमाके किए जाएंगे।

हालांकि, सुरक्षा कारणों से न तो मेल और ना ही उसमें लिखे गए शब्दों को सार्वजनिक किया गया है। जांच के लिए डॉग और बम स्कायड पहुंचा। वहीं, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और अमृतसर पुलिस भी अलर्ट हो गई है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं।

हर आने-जाने वाले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इससे पहले सोमवार को मेल पर ही गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

सेना पर टिप्पणी का मामला

लखनऊ कोर्ट में राहुल गांधी ने किया समर्पण

> सुनवाई के बाद मिल गई जमानत

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सेना पर टिप्पणी मामले में दर्ज केस की सुनवाई मंगलवार को लखनऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। कोर्ट में आत्मसमर्पण करने के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम ने राहुल को हिरासत में लिया। इसके बाद जमानत अर्जी पर सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के बाद 20-20 हजार की दो मुचलकों पर उन्हें जमानत दे दी गई। यह मुकदमा उन पर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में मुकदमा चल रहा है।

एमपी-एमएलए विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मानहानि मामले में दायर शिकायत का संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को आरोपी के रूप में तलब किया है। कांग्रेस नेता ने समन के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में याचिका दायर की थी लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली।

बता दें कि यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर ने दायर की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी।

शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा।

लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

ईडी की बड़ी कार्रवाई : 'डब्बा ट्रेडिंग' और ऑनलाइन सट्टेबाजी रैकेट पर छापेमारी, करोड़ों की नकदी बरामद

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का एक बड़ा एक्शन सामने आया है। इसके तहत ईडी ने मंगलवार को मुंबई में अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े नेटवर्क पर छापेमारी की, जिसके जरिए करोड़ों रुपये का लेन-देन किया जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने चार जगहों से करीब 3.3 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी, कीमती घड़ियां, गहने, विदेशी मुद्रा और महंगी गाड़ियां जब्त की हैं। साथ ही ये अधिकारियों ने ये भी बताया कि छापेमारी अभी भी जारी है। बता दें कि डब्बा ट्रेडिंग शेयर बाजार में एक अवैध और बिना लाइसेंस वाली ट्रेडिंग प्रणाली है, जिसमें लेन-देन का कोई रिकॉर्ड स्टॉक एक्सचेंज में दर्ज नहीं होता। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि वीमनी, वीएम ट्रेडिंग, स्टैंडर्ड ट्रेड्स लिमिटेड, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, लोटसबुक, 11स्टार्स और गेमबेटलीग जैसे कई ऑनलाइन ट्रेडिंग और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म इस रैकेट में शामिल हो सकते हैं।

जयशंकर ने बीजिंग में शी जिनपिंग से मुलाकात की

राष्ट्रपति मुर्मू-पीएम मोदी की तरफ से दिया मैसेज, 5 साल बाद चीन पहुंचे विदेश मंत्री

बीजिंग, 15 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। न्यूज एजेंसी के मुताबिक जयशंकर ने राष्ट्रपति जिनपिंग को भारत-चीन के बीच रिश्तों में हुई प्रगति के बारे में बताया। बीते 5 साल में पहली बार है जब जयशंकर चीन पहुंचे हैं। जयशंकर ने जिनपिंग से मुलाकात से जुड़ी एक तस्वीर भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की है। जयशंकर ने लिखा है- आज सुबह बीजिंग में एससीओ के विदेश मंत्रियों के साथ मैंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शी जिनपिंग का अभिवादन किया। जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन पहुंचे हैं। इससे पहले जयशंकर ने विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी। इस बैठक में उन्होंने दोनों देशों के बीच स्थिर और रचनात्मक संबंध बनाने की जरूरत पर जोर दिया। जयशंकर ने कहा कि सीमा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, लोगों के बीच संपर्क को सामान्य बनाना चाहिए और व्यापार में आ रही रुकावटों को हटाने पर काम करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि आपसी सम्मान और समझदारी के आधार पर भारत-चीन संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ सकते हैं। बीजिंग में हुई बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से व्यापार और पर्यटन को लेकर भी अहम मुद्दे उठाए।

2 लेक्चर्स पर छात्रा से गैंगरेप का आरोप : नोट्स के बहाने फ्रैंडशिप की, फिर दुष्कर्म किया

> दोस्त भी वारदात में शामिल, तीनों अरेस्ट

बेंगलुरू, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरू में एक प्राइवेट कॉलेज के दो लेक्चर और उसके दोस्त को एक छात्रा के साथ गैंगरेप के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। बेंगलुरू पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के बाद फिजिक्स लेक्चरार नरेंद्र, बायोलॉजी लेक्चरार संदीप और उसके दोस्त अनूप के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, नरेंद्र ने छात्रा को नोट्स देने के बहाने बेंगलुरू बुलाया और अपने दोस्त अनूप के घर ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद संदीप ने नरेंद्र के साथ पीड़िता की वीडियो क्लिप बनाया है। इसके बाद पीड़ित को ब्लैकमेल किया। कई दिनों तक दुष्कर्म किया। तीसरा आरोपी अनूप भी छात्रा को उसके कमरे में आने की सीसीटीवी फुटेज होने का दावा करके धमकाता था। आखिर में परेशान होकर छात्रा ने अपने माता-पिता को आपबीती सुनाई, जिसके बाद महिला आयोग की मदद से मराठाहल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

'पुराने वोटरों की दोबारा न पहचान कराएं'

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग से टीडीपी ने की बड़ी मांग

नई दिल्ली, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) ने मंगलवार को चुनाव आयोग (ईसी) से अपील की कि आंध्र प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के लिए पर्याप्त समय दिया जाए और यह प्रक्रिया किसी बड़े चुनाव से छह महीने पहले तक न कराई जाए। टीडीपी ने कहा कि जो लोग पहले से ही ताजा वोटर लिस्ट में शामिल हैं, उन्हें दोबारा अपनी पहचान या पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

यह मांग ऐसे समय में आई है जब बिहार में इसी तरह की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है। वहां विपक्षी दलों ने आरोप लगाए हैं कि चुनाव से ठीक पहले की जा रही इस प्रक्रिया में नए वोटरों पर सबूत देने की जिम्मेदारी डाल दी गई है, जिससे भ्रम और असंतोष फैल रहा है।

टीडीपी ने चुनाव आयोग से क्या कहा :

विशेष सघन पुनरीक्षण का मकसद साफ हो- टीडीपी ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य केवल वोटर लिस्ट में सुधार और नए नाम जोड़ना होना चाहिए, न कि नागरिकता की जांच। इसके लिए फील्ड अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं।

> 'नाम दर्ज है तो मान्यता है' का सिद्धांत लागू हो : अगर कोई व्यक्ति पहले से वोटर लिस्ट में दर्ज है, तो उसे दोबारा अपनी पात्रता साबित करने की जरूरत नहीं होनी चाहिए, जब तक कोई ठोस वजह न हो। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए पार्टी ने कहा कि नाम हटाने से पहले जांच जरूरी है और सबूत देने की जिम्मेदारी वोटर की नहीं, बल्कि अधिकारी या आपत्ति करने वाले की होनी चाहिए।

> वक्त से पहले एसआईआर की शुरूआत हो : चूंकि आंध्र प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव 2029 में है, इसलिए विशेष सघन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को जल्द शुरू किया जाए, ताकि पर्याप्त समय मिल सके और पारदर्शी तरीके से काम हो सके।

> माइग्रेशन को ध्यान में रखा जाए : राज्य में बड़ी संख्या में लोग खासकर ग्रामीण और तटीय इलाकों से अन्य जगहों पर जाते हैं। ऐसे में मोबाइल बीएलओ टीमें लगाई जाएं और अस्थायी पते वाले लोगों को भी वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए।

> नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी हो : अगर किसी का नाम हटाना है, तो उसका कारण साफ बताया जाए और उस व्यक्ति को जवाब देने का मौका दिया जाए। हर साल सीएजी के तहत तीसरे पक्ष द्वारा वोटर लिस्ट का ऑडिट हो। एआई टूल्स का इस्तेमाल कर डुप्लीकेट नामों को रीयल टाइम में पकड़ा जाए। ईपीआईसी कार्ड की डुप्लीकेसी खत्म करने के लिए आधार कार्ड का इस्तेमाल किया जाए और एक व्यक्ति को एक यूनिक वोटर आईडी दी जाए।

उत्तराखंड में 150 मीटर गहरी खाई में गिरी जीप

पिथौरागढ़ में बच्ची समेत 8 की मौत, 13 लोग सवार थे

पिथौरागढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में मंगलवार शाम पिथौरागढ़ जिले में एक मैक्स जीप बेकाबू होकर 150 मीटर गहरी नदी में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक स्कूली बच्ची समेत 4 महिलाएं हैं। जबकि 5 घायल हुए हैं।

हादसा सोनी पुल के पास हुआ। जीप मुवानी से बकटा जा रही थी। जिसमें 13 लोग सवार थे। सूचना पाकर प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ, पुलिस और अन्य रेस्क्यू टीमों ने घायलों को नदी से बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल भिजवाया। मृतक बोकटा क्षेत्र के निवासी हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। सभी का मुवानी पीएचसी में इलाज चल रहा है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अमेरिका ने भारत को दूसरा जीई-404 इंजन सौंपा

इन्हें तेजस एलसीए मार्क-1ए में लगाया जाएगा, दिसंबर तक 12 इंजन भारत पहुंचेंगे

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत को दूसरा जीई-404 इंजन सौंपा है। यह इंजन तेजस लड़ाकू विमान (एलसीए मार्क 1ए) में लगाया जाएगा। इसे तेजस बना रही सरकारी कंपनी एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड) को सौंपा गया है। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, एचएएल को इस साल के आखिर तक ऐसे 12 इंजन मिल जाएंगे। इनका इस्तेमाल एलसीए मार्क 1ए फाइटर जेट्स में किया जाएगा। भारतीय वायुसेना ने तेजस मार्क 1ए के 83 विमान ऑर्डर किए हैं जो कि 2028 तक डिलीवर किए जाने हैं। वहीं, 97 और विमानों की खरीद का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद अब अंतिम दौर में है।

एचएएल ने कहा था-वायुसेना को जल्द तेजस की डिलीवरी मिलेगी :

हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड (एचएएल) ने 12 फरवरी को कहा था कि हम जल्द ही वायुसेना को तेजस की डिलीवरी शुरू कर देंगे। एचएएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने कहा कि डिलिवरी में देरी के पीछे इंडस्ट्री को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था, लेकिन यह देरी तकनीकी खामी की वजह से हुई है। अब इसे दूर कर लिया गया है। फरवरी में ही बेंगलुरू एयर शो के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने तेजस की डिलीवरी पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि वायुसेना को 40 फाइटर जेट्स अभी तक नहीं मिले। रिपोर्ट में कहा गया कि वायुसेना प्रमुख ने एचएएल के अधिकारियों से कहा था कि मुझे इस कंपनी पर भरोसा नहीं है।

एचएएल को 2028 तक देने हैं 83 तेजस :

एचएएल को 2021 में भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस मार्क-1ए बनाने के लिए 46,898 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट मिला था। कंपनी के पास 2024 से 2028 के बीच 83 एयरक्राफ्ट की डिलीवरी करने का समय है। भारतीय वायुसेना तेजस के एलसीए वैरिएंट से अपनी मौजूदा एमआईजी सीरीज के विमानों को बदलने की तैयारी में है। एलसीए मार्क-1ए विमान एमआईजी-21, एमआईजी-23 और एमआईजी-27 को रिप्लेस करेगा। एलसीए मार्क-1ए के 65 प्रतिशत से ज्यादा उपकरण भारत में बने हैं।

मणिपुर में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद जब्त

सेना-पुलिस का 5 जिलों में सर्च ऑपरेशन एक हफ्ते में 10 उग्रवादी भी पकड़े गए

इंफाल, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर में सेना और पुलिस ने मंगवार सुबह जॉइंट ऑपरेशन में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद जब्त किए। ये ऑपरेशन इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, थौबल, काकचिंग और विष्णुपुर में चलाया गया। सुरक्षाबलों की राज्य में पिछले एक हफ्ते से सर्चिंग जारी है। इससे पहले 7 जुलाई से 14 जुलाई तक चलाए गए ऑपरेशन में 10 उग्रवादियों को पकड़ा गया था। ये सर्चिंग पांच जिलों में की गई थी। इस दौरान सेना ने 35 हथियार, 11 इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और गोला-बारूद भी बरामद किया। राज्य में हथियारों की बरामदगी का यह एक महीने में दूसरा बड़ा मामला है। इससे पहले 15 जून को 328 हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए थे। इनमें सेल्फ लोडिंग राइफल्स (एसएलआर) और इंसास जैसी राइफलें शामिल थीं। सेना और पुलिस ने 26 मई से 5 जून के बीच सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान कांगपोकपी, थौबल, काकचिंग, तेंगनौपाल, बिष्णुपुर, जिरीबाम, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम में जिलों में खुफिया इनपुट के आधार पर छापेमारी हुई।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की मौत की सजा टली

> दोनों देशों के धर्मगुरुओं ने की बातचीत > हत्या के मामले में आज गोली मारी जानी थी

सना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। यमन में मौत की सजा पाने वाली केरल की नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा फिलहाल टाल दी गई है। उसे 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जानी थी। न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टिविस्ट ग्रुप और प्रभावशाली धार्मिक नेताओं ने इस0 मामले में दखल दिया, जिसके बाद निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित कर दी गई है। इससे पहले निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर भी कई कोशिशें की गई थीं। खबर यह भी है कि पीड़ित का परिवार अभी तक क्षमादान या ब्लड मनी स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुआ है।

भारत और यमन के धर्मगुरुओं की बातचीत जारी :

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यमन से चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज बातचीत कर रहे हैं। बातचीत में यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक के भाई भी शामिल हैं। शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कंथापुरम के ग्रैंड मुफ्ती एपी अबूबकर मुसलियार और यमन से चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज इस मसले पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक के भाई भी शामिल हैं। यमन शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया। ऐसा भी पहली बार हुआ है जब पीड़ित परिवार का कोई करीबी सदस्य बातचीत को तैयार हुआ है। यह बातचीत शरिया कानून के तहत हो रही है, जो पीड़ित परिवार को दोषी को बिना किसी शर्त के या फिर ब्लड मनी के बदले में माफ करने का कानूनी अधिकार देता है।

निमिषा पर यमन के नागरिक की हत्या का केस :

भारतीय नर्स निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था।

भारत के पास यमन में स्थायी राजनयिक मिशन (दूतावास) नहीं है। 2015 में राजनीतिक अस्थिरता के कारण राजधानी सना में भारतीय दूतावास बंद कर दिया गया था और इसे जिबूती में ट्रांसफर कर दिया गया था। भारत सरकार यमन सरकार से मुख्य रूप से 'नॉन-रेजिडेंट राजदूत' के जरिए बात करती है। फिलहाल भारत सरकार रियाद में मौजूद राजदूत के जरिए बातचीत कर रही है।

'शुक्लाजी की जगह दलित ओबीसी को भेजा जा सकता था'

> कांग्रेस नेता उदित राज का बेतुका बयान

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। एक्सिओम-4 मिशन को पूरा करके अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से वापस लौट रहे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने बेतुका बयान किया। कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि पहले राकेश शर्मा अंतरिक्ष में गए थे, तब एससी-एसटी और ओबीबी इतने पढ़े लिखे नहीं थे। अब किसी दलित, ओबीसी को भी शुभांशु शुक्ला की जगह भेजा जा सकता था।

कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वे सुरक्षित लौटें। उन्होंने वहां जो ज्ञान अर्जित किया है, उसे यहां बिखेरें। लोग उससे लाभान्वित हों। यह मानवता के लिए लाभकारी है। कांग्रेस नेता बोले कि पहले जो राकेश शर्मा भेजे गए थे, उस समय एससी-एसटी, ओबीसी इतने पढ़े-लिखे नहीं थे। इस बार मुझे लगता है कि दलित को भेजने की बारी थी... ऐसा नहीं है कि नासा ने कोई परीक्षा ली और फिर चयन हो गया। किसी दलित, ओबीसी को भी शुभांशु शुक्ला की जगह भेजा जा सकता था। शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 25 जून को तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए। अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचने वाले शुभांशु शुक्ला पहले भारतीय हैं। शुभांशु ने आईएसएस पर 18 दिन बिताए और इस दौरान वहां कई रिसर्च कार्य किए। शुभांशु शुक्ला की मंगलवार को धरती पर वापसी हुई।

अहमदाबाद हादसे के 4 हफ्ते पहले ब्रिटेन की चेतावनी

कहा था-बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच चेक करें, जरूरत हो तो रिपेयर करें या बदलें

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बोइंग विमानों के रखरखाव को लेकर ब्रिटेन की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएए) ने मंगलवार को नया खुलासा किया। सीएए ने बताया कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के चार हफ्ते पहले बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच को लेकर को लेकर अलर्ट जारी किया था।

सीएए ने15 मई को एयरलाइनों को निर्देश दिए थे कि वे अमेरिका की फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के निर्देशों का पालन करें। एफएए ने अपने निर्देश में बोइंग 737, 757, 767, 777 और 787 विमानों में फ्यूल शटऑफ वॉल्व एक्ट्यूएटर्स को संभावित खतरा बताया था। सीएए ने ब्रिटेन आने वाली सभी एयरलाइनों को आदेश भी दिया था कि वे इन वॉल्व्स की जांच करें, जरूरत हो तो बदलें या रिपेयर करें और रोजाना जांच को अनिवार्य रूप से करें।

वहीं, प्राइमरी रिपोर्ट में सामने आया है कि प्लेन के फ्यूल स्विच बंद होने की वजह से अहमदाबाद हादसा हुआ था। दरअसल, 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक

मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी।

डीजीसीए का आदेश-सभी बोइंग विमानों के फ्यूल स्विच जांचें

भारत में रजिस्टर्ड सभी बोइंग विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच होगी। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एयरलाइंस को सोमवार को आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि जांच 21 जुलाई तक पूरी कर ली जाए। डीजीसीए ने बोइंग के सभी एयरलाइन ऑपरेटरों को सलाह दी है कि वे जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सौंपें। यह फैसला अहमदाबाद प्लेन क्रैश की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद लिया गया है, यह रिपोर्ट एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इनवेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को जारी की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश के दौरान फ्यूल कंट्रोल स्विच, रन से कटऑफ और फिर वापस रन में बदल जाने के कारण इंजनों को ईंधन मिलना बंद हो गया था। एतिहाद समेत कुछ विदेशी एयरलाइनों ने अपने ड्रीमलाइनर्स की जांच पहले ही शुरू कर दी है। यह एक महत्वपूर्ण सेफ्टी डिवाइस है, जो जरूरत पड़ने पर इंजन में ईंधन की सप्लाई रोकता है। इसका इस्तेमाल इंजन में आग लगने, आपात लैंडिंग या रखरखाव के दौरान किया जाता है।

स्पाइसजेट फ्लाइट में पैसेंजर्स की कॉकपिट में घुसने की कोशिश

हंगामे के बाद दोनों को उतारा, दिल्ली से मुंबई जा रहा विमान 7 घंटे देरी से उड़ा

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली से मुंबई जा रही स्पाइसजेट की फ्लाइट (एसजी-9282) में सोमवार को दो पैसेंजर्स ने कॉकपिट में घुसने की कोशिश की। एयरलाइन कंपनी के अनुसार क्रू मेंबर्स, पायलट और दूसरे यात्रियों के समझाने के बाद भी दोनों सीट पर नहीं बैठे। फ्लाइट टेकऑफ के लिए रनवे पर आगे बढ़ रहा था तब यह घटना हुई। इसके बाद फ्लाइट को वापस पार्किंग बे पर लाया गया। दोनों पैसेंजर्स को सीआईएसएफ को सौंप दिया गया। हंगामे की वजह से दोपहर 12:30 बजे की फ्लाइट करीब 7 घंटे की देरी से रात 7:21 बजे उड़ी।

ओडिशा सेक्शुअल हैरेसमेंट केस में छात्रा की मौत

राहुल बोले-बेटियां जल रहीं, पीएम चुप; केंद्रीय मंत्री प्रधान बोले-कांग्रेस राजनीतिक रोटियां सेंक रही

भुवनेश्वर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर स्थित फकीर मोहन ऑटोनॉमस कॉलेज में खुद को आग लगाने वाली 20 साल की स्टूडेंट ने सोमवार देर रात दम तोड़ दिया। छात्रा 95 फीसदी झुलस चुकी थी और पिछले 3 दिनों से भुवनेश्वर के एआईआईएमएस में जिंदगी की जंग लड़ रही थी। छात्रा की मौत के बाद लोकसभा में कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-मोदी जी, ओडिशा हो या मणिपुर-देश की बेटियां जल रही हैं, दम तोड़ रही हैं।

और आप? खामोश बने बैठे हैं। देश को आपकी चुप्पी नहीं, जवाब चाहिए। राहुल के इस बयान को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओछी राजनीति करार दिया। प्रधान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है।

छात्रा के शव का अंतिम संस्कार

मृतका के पिता बोले-हमें मुआवजा नहीं बेटी चाहिए; 17 जुलाई को ओडिशा बंद

बालासोर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा के शव का मंगलवार को बालासोर में उसके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान पूरा गांव गम में डूबा रहा। जिले भर के सैकड़ों लोगों ने छात्रा को श्रद्धांजलि दी। वहीं मृतका के पिता ने सरकार के मुआवजे को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि हमें मुआवजा नहीं बेटी चाहिए। उधर, छात्रा की मौत को लेकर कांग्रेस ने 17 जुलाई को ओडिशा बंद का एलान किया है। बालासोर स्थित फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था।

छात्रा के शव का मंगलवार को उसके गांव में अंतिम संस्कार किया गया। छात्रा के चचेरे भाई ने उसकी चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान भाजपा बालासोर सांसद प्रताप सारंगी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी समेत हजारों लोगों ने छात्रा को श्रद्धांजलि दी। स्थानीय लोगों ने न्याय के लिए लड़ते हुए और कॉलेज के शिक्षक की कथित मांग को न मानने वाली बहादुर छात्रा को अश्रुपूर्ण अंतिम विदाई दी।

खबरे जरा हटके

भारत के रहस्यमयी योगी, जिनकी उम्र ने विज्ञान को भी किया हैरान

भारत सनातन काल से ही ऋषि मुनियों और तपस्वियों का देश रहा है. यहां की धरा पर दिव्या और महान संतों ने अवतार लिया है. चीन की शक्तियां और चमत्कार लोगों को हैरान कर जाते थे. ऐसे ही एक दिव्य महात्मा देवराहा बाबा हुआ करते थे, जिनकी लंबी उम्र हमेशा रहस्य बनी रही. अलग-अलग मतों के अनुसार बाबा की उम्र ढाई सौ से 500 साल तक मानी जाती है. सिद्ध योगी देवराहा बाबा को लेकर कहा जाता है कि उन्होंने दो बार अपने जीर्ण-शीर्ण शरीर का तप और योग के बल पर कायाकल्प किया था.

बाबा के शिष्य और अनुयायियों की बात करें, तो इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री रहे जवाहरलाल नेहरू से लेकर लाल बहादुर शास्त्री इंदिरा गांधी जैसे नामचीन नाम शामिल है. यही नहीं बाबा जानवर पशु पक्षियों की भाषा को समझते थे और उनसे उन्हें की भाषा में बात उन्हें काबू कर लेते थे. बाबा हमेशा लकड़ी की बनी मचान पर बैठी रहते थे. यहां पर कभी कुछ होता नहीं था, लेकिन वह हजारों लाखों भक्तों के लिए अपने हाथ से प्रसाद देते थे वृंदावन की प्रतिकृति के रूप में सागर में बना मंदिर 19 जून 1990 को उन्होंने वृंदावन में अपना शरीर त्यागा था इसके बाद वहां पर उनका आश्रम और मंदिर है ठीक वृंदावन की प्रतिकृति के रूप में सागर में भी बाबा का मंदिर बनवाया गया है. जहां पर दिव्य अनुभूति होती है गुरु पूर्णिमा के अवसर पर यहां पर वृंदावन धाम गोरेलाल कुंज के महंत श्री 1008 किशोर दास जू महाराज विराजमान है, जहां देश भर से उनके भक्त और शिष्य पहुंच रहे हैं.

गुरु पूर्णिमा पर हो रहा भव्य आयोजन

सेवादार अनिल तिवारी बताते हैं कि बाबा की उम्र कितनी है. यह ना तो उन्होंने कभी बताई और ना ही कोई पता कर पाया पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों ने उनको देखा, इससे अनुमान लगाया जाता है कि उनकी उम्र 350 साल से अधिक रही है और वह साक्षात युगल सरकार के रूप रहे हैं. लोगों ने उन्हें हमेशा एक जैसा ही देखा और वह खुद कहते थे कि बच्चा बहुत दिन से हम यहां पर हैं उन्हें अपनी उम्र का कोई भान नहीं था, और ऐसा बताया जाता है कि दो बार उन्होंने अपने शरीर को चैतन्य कर समाज के बीच आए और समाज सुधार का काम किया.

चीन में मधुमक्खियों को मिल रही मिलिट्री ट्रेनिंग-धरती की तरफ आ रहा एलियन स्पेसशिप

क्या आपने कभी सोचा है कि मधुमक्खियां युद्ध भी लड़ सकती हैं? चीनी वैज्ञानिक इन दिनों मधुमक्खियों को मिलिट्री ट्रेनिंग देकर युद्ध के लिए तैयार कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि एलियन का एक स्पेसशिप धरती की तरफ बढ़ रहा है।

चीन के बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों ने मधुमक्खियों को कंट्रोल करने के लिए सबसे छोटा ब्रेन कंट्रोलर बनाया है। इसका वजन सिर्फ 74 मिलीग्राम है। इस डिवाइस को मधुमक्खी की पीठ पर लगाया जाता है, फिर पिन को दिमाग में लगाकर इलेक्ट्रिक पल्स से डायरेक्शन कंट्रोल किया जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि 10 में से 9 बार मधुमक्खी ने सही रिस्पॉन्स दिया। ये मधुमक्खियां इंसानों के बनाए मिनी ड्रोन से बढ़िया काम करती हैं। साथ ही ये मिलिट्री के सीक्रेट ऑपरेशन में भी ज्यादा इफेक्टिव होंगी। फिलहाल बैटरी को लेकर काम किया जा रहा। छोटे साइज का होने के चलते यह डिवाइस ज्यादा समय तक नहीं चल पाता।

7 साल तक न किराया दिया, न घर छोड़ा...जब दरवाजा खुला तो मिले 3,000 बीयर के खाली डिब्बे!

ब्रिटेन के नुनीटन में रहने वाले 58 वर्षीय सैंड्रा और उनके 70 वर्षीय पति क्रिस ने 2018 में अपने दो बेडरूम वाले फ्लैट को एक पुराने दोस्त को किराए पर दिया. दोस्त मुश्किल वक्त से गुजर रहा था और टेंट में रह रहा था, इसलिए दया कर उसे सिर्फ £30 (करीब साढ़े 3 हजार रुपये) प्रति हफ्ते पर रहने दिया. लेकिन ये अच्छा काम 7 साल की मुसीबत बन गया.

फ्लैट में 3,000 बीयर के डिब्बे और पेशाब से भरे कंटेनर

जब इस साल जनवरी में वह किरायेदार आखिरकार घर छोड़कर गया और जून में मकान मालिकों को फ्लैट की चाबी मिली, तब उनके होश उड़ गए. हर कमरे में हजारों बीयर के खाली डिब्बे थे, कुछ तो पेशाब से भरे हुए. गंदगी इतनी थी कि फर्नीचर का भी पता नहीं चल रहा था. घर में जगह-जगह खाली खाने के डिब्बे और इंसानी मल के बैग तक पड़े मिले. इस भयानक किरायेदार ने फ्लैट को इतना नुकसान पहुंचाया कि दीवारें, फर्श, फर्नीचर, बाथरूम और किचन सब कुछ तबाह हो गया. क्रिस जो कैंसर से जूझ रहे हैं और अब रिटायर हो चुके हैं. उन्होंने कहा, ये नज़ारा अमानवीय था, मैं और मेरी पत्नी इसे संभालने की हालत में नहीं हैं.

सिर्फ एक बार दिया किराया

सैंड्रा ने बताया कि किराएदार ने वादा किया था कि वह दीवारें रंगने में मदद करेगा और छोटा-मोटा किराया देगा. लेकिन उसने सात साल में सिर्फ एक बार भुगतान किया और हर बार बहाने बनाता रहा. सैंड्रा ने कहा, हमने कभी उसे किरायेदार नहीं माना, हम उसे दोस्त समझते रहे. पर उसने हमारी भलाई का फायदा उठाया.

इंसानियत का फायदा, दोस्ती की सजा

क्रिस और सैंड्रा को अब अफसोस है कि उन्होंने इंसानियत दिखाकर ऐसा व्यक्ति घर में रखा. उन्होंने कहा, हम सिर्फ मदद करना चाहते थे, लेकिन अब हम ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. वह हर बार कानून की बात करता रहा और हम उसके बहानों में उलझते रहे.

कांवड़ यात्रा पथ पर दुकानों में अनिवार्य क्यूआर कोड मामले में अदालत सख्त

यूपी से 22 तक मांगा जवाब

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कांवड़ यात्रा मार्ग पर बनी दुकानों पर क्यूआर कोड लगाने और दुकान मालिकों की पहचान उजागर करने के उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। साथ ही 22 जुलाई तक जवाब मांगा है।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा एवं अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल भी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश द्वारा जारी कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के निर्देशों पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान 25 जून को यूपी सरकार द्वारा जारी निर्देश का हवाला देते हुए शिक्षाविद् अपूर्वानंद झा ने कहा कि नए निर्देश के तहत कांवड़ मार्ग पर बने सभी भोजनालयों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करना अनिवार्य है।

इससे दुकान मालिकों के नाम और पहचान का पता चले। इससे दोबारा वही भेदभाव किया जा रहा है, जिसे पहले इस अदालत ने रोका था। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार का निर्देश, जिसमें स्टॉल मालिकों को कानूनी लाइसेंस आवश्यकताओं के तहत धार्मिक और जातिगत पहचान का खुलासा करने के लिए कहा गया है, दुकान, ढाबा और रेस्तरां मालिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

श्रावण मास का महत्व

श्रावण मास के दौरान शिवलिंगों का जलाभिषेक करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा से पवित्र जल लेकर विभिन्न स्थानों से कांवड़ लेकर आते हैं। कई श्रद्धालु इस महीने में मांसाहार से परहेज करते हैं। कई लोग तो प्याज और लहसुन वाला भोजन भी नहीं खाते।

एमपी के कार्टूनिस्ट को सुप्रीम संरक्षण

> नाराज अदालत ने कहा-लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। आरएसएस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित कार्टून साझा करने वाले कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने संरक्षण दिया। कोर्ट ने आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर नाराजगी भी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा।

आरोपी कार्टूनिस्ट को मंगलवार को दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान करते हुए जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि यदि वह सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करना जारी रखते हैं, तो राज्य कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। जस्टिस धूलिया ने कहा कि हम इस मामले में चाहे जो भी करें, लेकिन यह निश्चित रूप से मामला है कि भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया जा रहा है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है।

क्या है मामला

हेमंत मालवीय की तरफ से वरिष्ठ वकील वृंदा ग्रोवर सुप्रीम कोर्ट में पेश हुईं। वृंदा ग्रोवर ने कहा कि 'यह मामला बेशक अरुचिकर और खराब है, लेकिन यह अपराध नहीं है? यह निंदनीय हो सकता है, लेकिन यह अपराध नहीं है।' इस पर पीठ ने कहा कि यह बेशक अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन है। हेमंत ग्रोवर ने साल 2021 में कोरोना महामारी के दौरान ये आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर पोस्ट किए थे। इनके खिलाफ संघ कार्यकर्ता और वकील विनय जोशी ने इंदौर के लसूड़िया थाने में मई माह में शिकायत दर्ज कराई। विनय जोशी ने आरोप लगाया कि हेमंत मालवीय ने कार्टून के जरिए हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है और सांप्रदायिक सद्भाव को भी बिगाड़ने की कोशिश की। जोशी ने आरोप लगाया कि कार्टूनिस्ट ने भगवान शिव, पीएम मोदी, आरएसएस को लेकर आपत्तिजनक कार्टून, वीडियो और फोटोग्राफ पर आपत्ति जताई और हिंदू धर्म और संघ की छवि बिगाड़ने का आरोप लगाया। पुलिस ने मालवीय के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

इस पर हेमंत मालवीय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की, लेकिन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी। मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि ऐसी चीजें लगातार हो रही हैं।

पंजाब विधानसभा में 'बेअदबी विरोधी विधेयक 2025' पेश

> हरपाल सिंह चीमा बोले-जरूर होगा पास

चंडीगढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मंगलवार को धार्मिक ग्रंथों के अपमान से जुड़ा बेअदबी विरोधी विधेयक 2025 सदन में पेश किया गया। इस विधेयक को लेकर पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि सभी विपक्षी दल इस बिल को पास कराने के लिए सकारात्मक भूमिका निभाएंगे।

पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, आज सदन में बहस के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। हम विधेयक पर चर्चा करेंगे और मुझे पूरी उम्मीद है कि सभी विपक्षी दल सकारात्मक भूमिका निभाएंगे, ताकि यह विधेयक पारित हो सके। यह बिल तीन करोड़ पंजाबियों के लिए बहुत बड़ी उम्मीद है। बहुत लंबे अरसे से ये बिल लटका हुआ था। कभी कांग्रेस ने तो कभी भाजपा ने बेअदबी विरोधी विधेयक से जुड़ा गलत बिल बनाया था, क्योंकि वे बेअदबी करने वाले लोगों को बचाना चाहते थे। इसलिए हम इस बिल को लेकर आए हैं। मुझे उम्मीद है कि ये बिल सदन से पास हो जाएगा। हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि इस बिल में 10 साल और अधिक से अधिक उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, इसमें 5 से 10 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही जो बेअदबी करने का प्रयास करेगा, उसे 3 से 5 साल तक की सजा मिलेगी और उनके लिए तीन लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।

पंजाब के मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद ने कहा, मैं मुख्यमंत्री भगवंत मान का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिनकी दृढ़ सोच और संकल्प के कारण आज विधानसभा में यह विधेयक पेश किया गया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी हमारे धार्मिक ग्रंथों के प्रति कोई अनादर या दुर्व्यवहार न कर सके।

चाहे वह 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब' हो, 'भगवद गीता' हो या 'बाइबिल' या फिर 'कुरान' हो, उनकी मर्यादा और इज्जत को कायम रखने के लिए इस बिल को सदन में पेश किया गया है।

अब अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र बनेगी राजधानी, युवाओं के लिए सुनहरा अवसर

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। यदि आप दिल्ली को एक पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित कर सकते हैं तो यह आपके लिए पैसा कमाने का एक शानदार अवसर हो सकता है। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि वह दिल्ली को एक शानदार पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित करने वाले युवाओं को हर महीने 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता देगी। एक साल के इस प्रोग्राम के अंत में युवाओं को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। इस योजना का लाभ उठाने वाले युवाओं की उम्र 35 वर्ष से कम होनी चाहिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी है कि सरकार दिल्ली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। इसके लिए वह पर्यटन में रुचि रखने वाले युवाओं की मदद लेगी। जो युवा डिजिटल मीडिया का उपयोग करने में दक्ष हों, सोशल मीडिया के माध्यम से दिल्ली का लोगों के बीच प्रचार कर सकते हों, उन्हें दिल्ली पर्यटन का प्रचार करने के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी।

ओवैसी की पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की मांग वाली याचिका

सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई, जिसमें हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम का पंजीकरण रद्द करने की मांग की गई। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी और साथ ही उन्हें नई याचिका दायर करने की भी अनुमति दी, जिसमें देश में राजनीतिक पार्टियों के मामले में संशोधन की मांग की जाएगी।

याचिकाकर्ता का दावा-पार्टी धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत का उल्लंघन करती है

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी एआईएमआईएम का चुनाव आयोग में पंजीकरण रद्द करने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में तिरुपति नरसिम्हा मुरारी नामक व्यक्ति ने याचिका दायर की थी।

याचिका में आरोप लगाया गया कि एआईएमआईएम ने अपने उद्देश्य में बताया है कि यह पार्टी मुस्लिम समुदाय की सेवा करना चाहती है। ऐसे में इस पार्टी को जनप्रतिनिधि कानून की धारा 29ए के तहत मान्यता नहीं दी जा सकती क्योंकि यह देश के धर्मनिरपेक्षता सिद्धांत का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन अदालत में पेश हुए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 16 जुलाई, 2025 3

सुविचार

अपनी इच्छाओं को अपने भीतर समेटना भी खुद को छलने जैसा है

तेलंगाना का लक्ष्य जीवन विज्ञान में वैश्विक नेतृत्व हासिल करना है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना को जीवन विज्ञान का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता से काम कर रही है। अपने विस्तार के तहत, आईचोर बायोलॉजिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने मेडचल-मलकाजगिरी जिले के जीनोम वैली में 1.75 लाख वर्ग फुट में फैली एक नई अत्याधुनिक सुविधा स्थापित की है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंत्री श्रीधर बाबू के साथ मंगलवार को इस सुविधा की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना के जीवन विज्ञान क्षेत्र ने 23 प्रतिशत की प्रभावशाली चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 14 प्रतिशत से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, यह क्षेत्र वर्तमान में तेलंगाना के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 2.5 प्रतिशत से 3 प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि राष्ट्रीय

औसत 1.5 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में राज्य के नेतृत्व को दर्शाता है।

सीबीआरई ग्लोबल लाइफ साइंसेज एटलस 2025 के अनुसार, हैदराबाद ने बोस्टन, सैन फ्रांसिस्को, कैम्ब्रिज और टोक्यो के साथ दुनिया के अग्रणी जीवन विज्ञान समूहों में स्थान प्राप्त किया है। हैदराबाद इस सूची में शामिल होने वाला पहला भारतीय शहर है, जो अत्यंत गर्व का क्षण है और सरकार की प्रगतिशील पहलों का प्रमाण है। श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना एक मजबूत जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए एक वैश्विक मॉडल के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण को गति देने के लिए हैदराबाद-नागपुर और हैदराबाद-बेंगलुरू गलियारों में समर्पित फार्मा गाँव स्थापित करने की योजनाएं चल रही हैं।

मंत्री ने कहा, राज्य अगली पीढ़ी के जैव-निर्माण, कोशिका और जीन थेरेपी, एआई-संचालित निदान, औषधि नवाचार, दुर्लभ रोग अनुसंधान, स्थिरता के लिए हरित रसायन विज्ञान और जैव-अनुबंध अनुसंधान एवं विनिर्माण सेवाओं (सीआरएएमएस) पर गहन रूप से केंद्रित है, जिसका लक्ष्य तेलंगाना को वैश्विक जीवन विज्ञान नवाचार में अग्रणी बनाना है। आईसीएचओआर के साथ आज की उपलब्धि उस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो 800 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगी। हम नवाचार को प्राथमिकता दे रहे हैं। मैं वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं से सरकार के साथ हाथ मिलाने का आग्रह करता हूं। आपको नीति, बुनियादी ढांचे और अन्य क्षेत्रों में समर्थन मिलेगा।

रागतलापल्ली में देखा गया तेंदुआ

वनकर्मियों ने जारी किया अलर्ट

राजन्ना-सिरसिल्ला, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लारेड्डीपेट मंडल के रागतलापल्ली के बाहरी इलाके में सोमवार को एक तेंदुआ देखा गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, रागतलापल्ली के एक किसान रायम सुरेश ने अपने खेतों में तेंदुआ देखा। हमेशा की तरह, सुरेश अपने खेतों में पानी का स्तर देखने गया था। जब वह खेतों के किनारे टहल रहा था, तभी उससे कुछ ही मीटर की दूरी पर एक तेंदुआ दहाड़ा। अपने सामने जंगली जानवर को देखकर सुरेश चौंक गया और मौके से भागकर दूसरे किसानों को सूचना दी। वन क्षेत्राधिकारी श्रीहरिप्रसाद अपने कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और जंगली जानवर के पैरों के निशानों की जांच की। एफआरओ ने आसपास के गांवों के किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि तेंदुआ इलाके में घूम रहा है। किसानों को समूहों में घूमने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि अकेले खेतों में जाना ठीक नहीं है।

प्राथमिक सहकारी समितियों को वन स्टॉप सेंटर बनाना चाहिए : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने आज शहर के प्रो. जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय में एनसीडीसी और सहकारी संघ (311 एफपीओ) द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि सहकारी ऋण समितियों को वर्तमान आवश्यकताओं और कृषि क्षेत्र में हो रहे बदलावों के अनुरूप अपना दृष्टिकोण बदलना चाहिए। उन्हें केवल एक या दो सेवाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि किसानों से संबंधित सभी सेवाओं के डिज़ाइन में योगदान देना चाहिए। वित्तीय समृद्धि प्राप्त करने के अलावा, वे किसानों के लिए भी लाभकारी हो सकती हैं। इस अवसर पर, उन्होंने तेलंगाना स्थित मुलकानूर सहकारी ऋण समिति (जो देश भर में सहकारी क्षेत्र में एक आदर्श बन गई है) की सफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि सहकारी समितियां अपनी ज़िम्मेदारियों को नैतिक और ईमानदारी से निभाएं और समाज के विकास में योगदान दें, तो हमारे तेलंगाना राज्य में मुलकानूर जैसी और भी सहकारी समितियों के उभरने के अवसर होंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा 10,000 कृषक उत्पादक संघों के गठन को प्रोत्साहित करने के संदर्भ में, राज्य सरकार मौजूदा प्राथमिक सहकारी ऋण समितियों को 'कृषक उत्पादक संघों' में परिवर्तित करने और उन्हें अधिक वित्तीय सहायता प्रदान करने का विचार लेकर आई है। तदनुसार, 'राष्ट्रीय सहकारी

विकास निगम' के सहयोग से, पृथक तेलंगाना सहकारी संघ को एक क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन के रूप में नामित किया गया है और इसके माध्यम से, राज्य में 311 सहकारी ऋण समितियों को एफपीओ के रूप में चुना गया है।

311 एफपीओ को 15 लाख रुपये प्रत्येक का इक्विटी अनुदान और 18 लाख रुपये की प्रबंधन लागत (कुल 33 लाख रुपये) यानी लगभग 167.93 करोड़ रुपये (सीबीबीओ द्वारा दिए गए 21 लाख रुपये/एफपीओ के साथ 40 लाख रुपये) मंजूर किए गए हैं। आज, 9 करोड़ 85 लाख 40 हजार रुपये (प्रति पैक्स) की पहली किश्त जारी की गई है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, ऋण गारंटी योजना के अंतर्गत प्रत्येक एफपीओ के लिए 2 करोड़ रुपये तक की ऋण गारंटी सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर है। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सदस्य की ज़िम्मेदारी है कि वह इन समितियों का लाभ उठाकर आगे बढ़े। इस अवसर पर, मेडचल ज़िले और कुछ ज़िलों में सहकारी ऋण समितियों द्वारा प्राप्त सफलताओं का उल्लेख करते हुए, राव ने कहा कि रंगारेड्डी ज़िले के आसपास के क्षेत्रों में सब्जियों और फलों की खेती को बढ़ावा देना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक सहकारी समिति को कृषि में उर्वरकों और रसायनों के उपयोग को कम करने और किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करने की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने किसानों से एक ऐसा व्यवसाय मॉडल तैयार करने का आग्रह किया जो किसानों की सभी ज़रूरतों, जैसे मिट्टी के नमूने, बीज, मशीनरी, उर्वरक, भंडारण, प्रसंस्करण, विपणन, डेयरी, मुर्गी पालन आदि, को पूरा करे। साथ ही, समिति की बैठकों में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सेवाएं आमंत्रित करें, उनकी सलाह और सुझाव प्राप्त करें और समिति के विकास में योगदान दें।

पति-पत्नी के बीच विवाद के कारण रिश्तेदारों में झड़प, एक की मौत

पेद्दापल्ली, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां सुल्तानाबाद मंडल के सुगलमपल्ली गांव में मंगलवार को वैवाहिक विवाद को लेकर हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति और उसकी पत्नी के बीच चल रहे घरेलू कलह को सुलझाने के लिए उनके रिश्तेदार इकट्ठा हुए थे। लेकिन जब बातचीत गरमागरम बहस में बदल गई, तो महिला के परिवार वालों ने पति के परिवार पर चाकुओं और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। परिणामस्वरूप, मोटा मल्लेश नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को करीमनगर अस्पताल ले जाया गया। तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मौके पर पहुंच गई है।

कस्तूरबा स्कूल में छात्रा ने की आत्महत्या

सूर्यापेट, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के नदीगुडेम मंडल में कस्तूरबा गांधी गर्ल्स स्कूल में सुबह दसवीं कक्षा की छात्रा तनुषा महालक्ष्मी की आत्महत्या से मौत हो गई। मुनगाला मंडल के कलाकोवा गांव की रहने वाली छात्रा ने कथित तौर पर स्कूल परिसर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूत्रों के अनुसार, तनुषा के पिता सोमवार शाम को स्कूल में उससे मिलने आए थे। उसके इस कदम के पीछे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। घटनास्थल पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। स्थानीय पुलिस ने संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर लिया है। स्कूल प्रबंधन ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

यह घटना चिंता का विषय है, क्योंकि यह घटना यदाद्री भुवनगिरी जिले के तूप्रानपेट में बीसी गर्ल्स गुरुकुल स्कूल में कक्षा पांच की छात्रा संध्या की आत्महत्या और मंचेरियल जिले के केजीबीवी नासपुर में नौवीं कक्षा की छात्रा मधु लिखिता द्वारा आत्महत्या के प्रयास के तुरंत बाद हुई है। पिछले 19 महीनों में गुरुकुल स्कूलों में 90 से ज़्यादा छात्रों की मौत की ख़बरें हैं। छात्रावासों में छात्रों की बढ़ती मौतों के लिए छात्रावासों की ख़राब स्थिति जैसे कारक ज़िम्मेदार हैं।

निजी अस्पतालों ने बाह्य रोगी और आपातकालीन सेवाओं का किया बहिष्कार

महबूबनगर, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजी अस्पताल प्रबंधन एक मरीज के परिजनों और रिश्तेदारों द्वारा डॉक्टर पर किए गए हमले के विरोध में जिले में बाह्य रोगी और आपातकालीन सेवाओं का बहिष्कार कर रहे हैं। मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। नारायणपेट के बोनपल्ली तांडा निवासी 60 वर्षीय देवम्मा को किडनी की बीमारी के कारण रविवार को महबूबनगर के यूनाइटेड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परीक्षण करने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने मरीज के परिजनों को बताया कि सर्जरी करनी होगी और उनसे एक लाख रुपये जमा करने को कहा। मरीज़ों ने रकम जमा कर दी और सोमवार सुबह अस्पताल प्रबंधन ने तीमारदारों से कुछ और पैसे जमा करने को कहा। इस पर परिजनों ने प्रबंधन से आग्रह किया कि वे सर्जरी के बाद और अस्पताल से छुट्टी मिलने पर यह रकम जमा कर देंगे।

प्रबंधन चाहता था कि परिवार के सदस्य घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर करें जिसमें यह कहा जाए कि वे रोगी की स्थिति और उपचार से जुड़े संभावित जोखिमों को समझते हैं। शक बढ़ने पर, परिवार के सदस्यों ने अस्पताल प्रबंधन से देवम्मा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जब तक डॉक्टर उन्हें मरीज़ की स्थिति के बारे में नहीं बताते, वे अतिरिक्त राशि नहीं देंगे। अस्पताल प्रबंधन के रवैये और देवम्मा की मौत के लिए उन्हें ज़िम्मेदार ठहराते हुए, परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने सोमवार रात डॉ. राममोहन पर हमला कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने प्रबंधन के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। घटना की सूचना मिलते ही, द्वितीय नगर पुलिस अस्पताल पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। उन्होंने परिजनों को शांत किया और कानून का उल्लंघन न करने की सलाह दी। खबरों के अनुसार, घटना के विरोध में निजी अस्पताल प्रबंधन ने बाह्य रोगी और आपातकालीन सेवाओं का बहिष्कार कर दिया है।

बीजेपी को सत्ता में लाने में बुद्धिजीवियों को भूमिका निभानी चाहिए : भाजपा अध्यक्ष

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। समाज में जागरूकता पैदा करने में बुद्धिजीवियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए, तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने आज उनसे आह्वान किया कि वे अपने अनुभव और ज्ञान का उपयोग तेलंगाना में आगामी चुनावों में भाजपा को सत्ता में लाने के एकमात्र उद्देश्य से करें। नलगोंडा और सूर्यपेट ज़िलों के अपने समापन दौरे के दूसरे दिन कोडाद में एक बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित करते हुए, रामचंदर राव ने बुद्धिजीवियों के मंच से लोगों में जागरूकता पैदा करने की ज़िम्मेदारी लेने का आग्रह किया ताकि तेलंगाना में अगले चुनावों में भाजपा को "विकासशील तेलंगाना" के लिए सत्ता में लाया जा सके। कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार डेढ़ साल के शासन के बाद भी वादों को पूरा करने में कोई रुचि या ध्यान नहीं दिखा रही है। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अपने वादों को पूरा करने में आनाकानी करने और लोगों को गुमराह करके राज्य को कर्ज में

डुबाने का आरोप भी लगाया। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी अव्यवहारिक नौ गारंटियों और अन्य वादों से लोगों को धोखा दिया है। बीआरएस पार्टी के नेताओं के खिलाफ उनके 10 साल के शासनकाल में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं में कथित संलिप्तता के मामलों की धीमी जांच पर कटाक्ष करते हुए, उन्होंने कहा कि जांच की गति स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि सत्तारूढ़ दल और बीआरएस पार्टी के बीच एक मौन सहमति थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में पिछले 11 वर्षों में हुए विकास पर प्रकाश डालते हुए, रामचंदर राव ने कहा कि देश ने सभी मोर्चों पर विकास किया है। उन्होंने कहा, "सबका साथ, सबका विकास" के नारे के साथ मोदी सरकार न केवल पूरे देश में लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर रही है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व ने भारत को दुनिया में एक वैश्विक शक्ति भी बनाया है। रामचंदर राव ने सूर्यपेट जिले के अपने दूसरे दिन के दौरे की शुरूआत अपने पैतृक गांव नल्लाबंदला गुडेम में एक स्थानीय मंदिर में दर्शन करने के बाद की। उन्होंने साईंबाबा मंदिर के दर्शन किए और कोडाद के लिए रवाना हुए जहां किसानों, किसान मोर्चा, पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। राव ने हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले श्रीकांत चारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

एनटीबी स्टार्ट-अप्स के लिए परामर्श बैठक आयोजित

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड (एनटीबी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने ए-आइडिया-एनएएआरएम के सहयोग से मंगलवार को एनएएआरएम में हितधारकों और स्टार्ट-अप्स के लिए परामर्श बैठक आयोजित की। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की सचिव एन. भवानी श्री ने देश में हल्दी क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और समावेशिता को बढ़ावा देने के एनटीबी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि परामर्श सत्रों की यह श्रृंखला किसानों, स्टार्ट-अप्स, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के नेताओं की जमीनी स्तर की अंतर्दृष्टि के आधार पर बोर्ड के लिए एक पंचवर्षीय रणनीतिक रोडमैप तैयार करने के लिए आयोजित की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि प्रगति जारी है, लेकिन एनटीबी को हितधारकों की आकांक्षाओं और मांगों को पूरा करने और इस उत्पाद के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए समय चाहिए। अपने अध्यक्षीय भाषण में, ए-आइडिया के अध्यक्ष और आईसीएआर-एनएएआरएम के कार्यवाहक निदेशक, डॉ. गोपाल लाल ने प्रतिभागियों से हल्दी की मूल्य श्रृंखला को मज़बूत करने और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सहयोग करने, विचार-विमर्श करने और व्यावहारिक समाधान प्रस्तावित करने का आग्रह किया। उन्होंने अनुभवी नवप्रवर्तकों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों के साथ जुड़कर उद्यमियों को मिलने वाले अपार लाभ पर ज़ोर दिया। ए-आइडिया के सीईओ और आईसीएआर-एनएएआरएम में शिक्षा प्रणाली प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख, डॉ.एस. सेंथिल विनयगम ने उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की और नवीन विचारों का समर्थन करने और उन्हें प्रभावशाली परिणामों में बदलने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस परामर्श में 136 हितधारकों को एक हाइब्रिड प्रारूप में शामिल किया गया, जिसमें 20 स्टार्टअप और उद्यमी, वैज्ञानिक और शिक्षाविद, एनआईपीएचएम, एनआईपीईआर, आईआईपीएम, आईआईआरआर और राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के प्रतिनिधि, साथ ही एमएसएमई, फिक्की, सीआईआई, एसोचैम और अन्य उद्योग संघों के अधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह, गैर सरकारी संगठन, निर्यातक, इनक्यूबेटर और एक्सेलरेटर, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), एसबीआई, पीएनबी, यूबीआई, एनएबीकिसान और केनरा बैंक सहित वित्तीय संस्थान तथा मसाला बोर्ड, एपीडा, सीएसआईआर-सीआईएमएपी और सार्वजनिक नीति संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

बीआरएस विधायक ने कालेश्वरम, कल्याण दावों पर रेवंत को दी चुनौती

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक जी जगदीश रेड्डी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना, राशन कार्ड और कांग्रेस के चुनावी वादों पर जनता को गुमराह करने का तीखा हमला किया। उन्होंने सूर्यापेट जिले के तुंगतुर्थी में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के हालिया दावों को खारिज कर दिया। तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि गोदावरी नदी को जानबूझकर सुखाया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री या उनके मंत्रियों को कन्नेपल्ली पंप हाउस में खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने सरकार से तीन दिनों के लिए इस परियोजना को बीआरएस को सौंपने की मांग की।

उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, हम कन्नेपल्ली पंपहाउस चालू करेंगे, पानी उठाएंगे और उसे चालू वानाकालम सीज़न की सिंचाई के लिए जलाशयों तक पहुंचाएंगे। अगर हम या वे गलत साबित हुए, तो किसान हमें थप्पड़ मारें। राशन कार्डों के मुद्दे पर पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जुलाई 2021 में

तत्कालीन कांग्रेस विधायक भट्टी विक्रमार्क ने राशन कार्ड वितरण के बारे में ट्वीट किया था। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी (जो उस समय बीआरएस सांसद थे) ने अखबारों में इसका विज्ञापन दिया था। के चंद्रशेखर राव के शासन में लगभग 6.47 लाख राशन कार्ड वितरित किए गए थे।

उन्होंने पूर्ववर्ती नलगोंडा ज़िले में फ्लोरोसिस संकट के लिए कांग्रेस-तेदेपा सरकारों को ज़िम्मेदार ठहराया, जिसमें दो लाख लोगों की जान चली गई थी। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस के शासनकाल में हर घर में सुरक्षित पेयजल पहुंचाया गया और ताज़ा सिंचाई सुविधाओं के कारण धान का उत्पादन 3 लाख टन से बढ़कर 40 लाख टन हो गया। मुख्यमंत्री द्वारा उनके खिलाफ की गई टिप्पणी पर जगदीश रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी की राजनीति सड़क स्तर के नाटक तक गिर गई है, जिसमें वह हर भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि चुनावी वादों को पूरा करने के बजाय, रेवंत रेड्डी व्यक्तिगत अपमान में लिप्त हैं क्योंकि उनके पास बोलने के लिए कोई ठोस आधार नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल अपने गुरु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू द्वारा बनकाचेरला परियोजना पर भेजी गई स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं रेवंत रेड्डी के स्तर तक नहीं गिरूंगा। मैंने साबित कर दिया है कि उनका हर बयान झूठ है। रेवंत चंद्रबाबू नायुडू के आदेशों के आगे झुक जाते हैं और अपने गुरु को खुश करने के लिए तेलंगाना के हितों की बलि देने को तैयार हैं।

नियुक्तियों में तेजी के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र की नेतृत्व टीम ने किया हैदराबाद का दौरा

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी वाइज़ ने हैदराबाद में अपने नए फुल-स्टैक कार्यालय के उद्घाटन का जश्न मनाया और इस उपलब्धि के लिए एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अपने नेतृत्व को शहर में मौजूद रहने का निमंत्रण दिया। अप्रैल में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के बाद से, हैदराबाद में इंजीनियरिंग, संचालन और जन-सहयोगी कार्यों में कार्यरत 70 लोगों की टीम बन गई है।

कंपनी अगले कुछ वर्षों में हैदराबाद में उत्पाद, इंजीनियरिंग, संचालन आदि क्षेत्रों में सैकड़ों और पदों पर नियुक्तियां जारी रखेगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्थानीय टीम, दुनिया के धन के परिवहन और प्रबंधन, भारत के लिए उत्पादों और सुविधाओं के निर्माण और कंपनी के वैश्विक रोडमैप में योगदान देने के लिए नेटवर्क बनने के वाइज़ के मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

भारत लंबे समय से वाइज़ के लिए एक प्रमुख विकास बाजार रहा है। कंपनी ने बताया कि उसने सबसे पहले 2013 में प्रवासी भारतीयों के लिए आंतरिक धन प्रेषण को बढ़ावा देना शुरू किया था, और 2021 में देश से बिजली की गति से धन हस्तांतरण शुरू किया।

वाइज़ में एशिया-प्रशांत क्षेत्र की इंजीनियरिंग प्रमुख स्मृति रवि ने कहा, वाइज़ में, हम अपने ग्राहकों को सर्वोपरि रखते हैं, जिसका अर्थ है कि वाइज़ में हम जो कुछ भी बनाते हैं वह ग्राहकों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया जाता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र की नेतृत्व टीम के साथ मिलकर, हमें इस हफ़्ते अपने ग्राहकों से सीधे बात करके उनकी अनूठी सीमा-पार भुगतान ज़रूरतों को समझने में बहुत फ़ायदा हुआ है। हम हैदराबाद में अपनी बढ़ती टीम के साथ इन जानकारियों को साकार करने और वैश्विक मुद्रा प्रवाह के भविष्य को आकार देने में मदद करने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

पूर्व तट रेलवे

सामग्रियों की आपूर्ति

(1) निविदा सं. 30256206, दिनांक: 07.07.2025

कार्य का नाम : इलेक्ट्रिक लोको शेड / विशाखापट्टनम में BTI निर्मित तीन फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ट्रैक्शन कन्वर्टर स्पेयर्स का सेट, प्रत्येक सेट संलग्न अनुलग्नक-A के अनुसार है। (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 01 सेट।

(2) निविदा सं. 30256207, दिनांक: 08.07.2025

कार्य का नाम : निम्नलिखित सेट विवरण के अनुसार BHEL निर्मित 3 फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ट्रैक्शन कन्वर्टर स्पेयर्स का सेट: (1) BHEL सामग्री कोड सं. ED69240DC1AA के MDL 69240DC1AA 2102-DCU - 08 संख्यक, (2) BHEL सामग्री कोड सं. ED69240V11AA के MDL 69240V11AA 2203-VIU - 04 संख्यक, (वारंटी अवधि : डिलीवरी की तिथि के बाद से 30 महीने)। TPI एजेन्सी द्वारा निरीक्षण, मात्रा : 01 सेट।

द्रष्टव्य : सामग्री 90 दिन के भीतर आपूर्ति की जानी चाहिए (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा खुलने की तिथि एवं समय : दिनांक 06.08.2025 को 1500 बजे (निविदा सं. 1 हेतु) एवं 07.08.2025 को 1500 बजे (निविदा सं. 2 हेतु)।

संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-355/Q/2025-26

छांगुर का एक और राज खुला

गुर्गों की ट्रेनिंग के लिए दुबई से बुलाता था ट्रेनर देवताओं के खिलाफ करता था बडा काम

बलरामपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पीर को लेकर एक और राज खुला है। छांगुर धर्मांतरण के लिए गुर्गों की ट्रेनिंग दिलवाने के लिए दुबई से कट्टर मौलाना बुलाता था। कट्टर मौलाना गुर्गों को ट्रेनिंग देते थे। छांगुर ने किलेनुमा कोठी के प्रथम तल पर तहखाने की तरह कक्ष बनवाए थे। अवैध धर्मांतरण के आरोप में एटीएस की ओर से गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पीर अपने गुर्गों को प्रशिक्षण दिलाने के लिए दुबई से कट्टर मौलाना बुलाता था। उनके साथ नेपाल में सक्रिय दावत-ए-इस्लामी की टीम भी होती थी।

प्रशिक्षण के लिए ही उसने दो आलीशान कोठियों का निर्माण कराया था, जिसमें तहखाने की तरह कक्ष बनाए गए थे। मुहिम को अंजाम देने के लिए प्रदेश के कट्टर नामी मौलाना से संपर्क भी साधा था। आने वाले दिनों में कोठी के 20 कक्षों में नियमित तकरीर कराने की तैयारी थी। छांगुर ने हिंदू श्रमिकों और गरीब परिवारों को पैसे का लालच देकर धर्म परिवर्तन करने की मुहिम का मजबूत जाल बुना था। शिजर- ए- तयब्बा किताब भी इसी उद्देश्य से लिखी गई थी, जिससे लोग आसानी से इस्लाम को समझ सकें और दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में मान सकें। अगली कड़ी में हिंदू देवी-देवताओं के प्रति कैसे घृणा भरी जाए और वेशभूषा कैसी हो, इसकी समझ को विकसित करने की तैयारी थी। मधपुर में कोठी का निर्माण वर्ष 2022 में शुरू हुआ था, अभी निर्माण पूरी तरह हो नहीं सका था।

कोठी का निर्माण कराने वाले वसीउद्दीन ने बताया कि कोठी को अभी अलग नहीं कराया था। पिलर पर पूरी कोठी खड़ी की गई थी, जिससे छांगुर अपने हिसाब से कमरों में बांट सके। उन्होंने बताया कि निर्माण के समय ही उन्हें आभास हो गया था कि कुछ गलत कार्य के लिए ही कोठी बनाई जा रही है, लेकिन छांगुर ने उन्हें बताया था कि वह विद्यालय खोलना चाहता था। इसके बाद कहा कि अस्पताल भी खोलेगा। इस तरह वह झूठ ही बोलता रहा। अब वह कोठी तो गिर गई है, लेकिन अब भी कुछ भाग शेष रह गया है। इस तरह छांगुर की योजना बड़ी घातक थी।

गोंडा में भी एटीएस करेगी छांगुर के अड्डे की पड़ताल

उतरौला के छांगुर की गोंडा में भी जड़ें गहरी हो गई थीं। धानेपुर क्षेत्र के रेतवागाड़ा में उसकी पैठ बताई जा रही है। एटीएस को रेतवागाड़ा के रमजान की तलाश है, जिससे छांगुर के अन्य सहयोगियों का पता चल सके। अयोध्या के करीब होने के कारण छांगुर गोंडा में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा था। इसके लिए रेतवागाड़ा के रमजान को सहयोगी बनाया था और उसके जरिए वजीरगंज व नवाबगंज तक प्रभाव जमा रहा था। एटीएस जानकारी जुटाने में लगी है। ऐसे में कभी भी एटीएस के कदम गोंडा की ओर बढ़ सकते हैं।

मंत्री ओपी राजभर को गोली मारने की मिली धमकी

करणी सेना के जिलाध्यक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बलिया, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सोशल मीडिया पर गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष अंशु राजभर के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रसड़ा कोतवाली को शिकायत देकर करणी सेना के जिलाध्यक्ष पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर के पुत्र और सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सोशल मीडिया के जरिये गोली मारने की धमकी दी जा रही है। करणी सेना बलिया के नाम की फेसबुक आईडी से सुभासपा प्रमुख एवं मंत्री को धमकी दी गई है। तत्काल ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ करणी सेना के जिलाध्यक्ष कमलेश सिंह ने कहा कि मंत्री को फर्जी आईडी से धमकी दी गई है।

500 नहीं दिए तो कानपुर पुलिस ने कारोबारी को लूटा

आंख पर डंडा मारा, गाड़ी से खींचकर पीटा; 11 सिपाही सस्पेंड

कानपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में अलीगढ़ के पशु व्यापारी से लूट करने वाले 11 पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। पुलिस कर्मियों ने बर्रा हाईवे पर अलीगढ़ निवासी पशु व्यापारी से मारपीट की थी। 500-500 रुपए नहीं देने पर व्यापारी की आंख पर डंडा मारा। फिर गाड़ी से खींचकर जमकर पीटा। गाड़ी में रखे 10 हजार रुपए लूट लिए।

ये सभी सिपाही पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) में तैनात हैं। एडीसीपी साउथ की जांच में सभी दोषी मिले। रिपोर्ट के आधार पर सभी को सस्पेंड किया गया है। अलीगढ़ निवासी पशु व्यापारी मो. उजैर शनिवार को सरसौल से मवेशियों को खरीद कर रामादेवी-भौंती हाईवे से जा रहे थे। लक्ष्मण उर्फ लकी पिकअप चला रहा था। आरोप है कि हाईवे पर बर्रा कट फ्लाईओवर पर चकेरी की पीआरवी 7058 के सिपाहियों ने गाड़ी को रोक लिया।

तभी हनुमंत विहार थाने की पीआरवी 6504 और 7055 भी आ गईं। तीनों पीआरवी के पुलिसकर्मियों ने धमकी दी। कहा- गाड़ी लेकर जाना है, तो प्रति पुलिसकर्मी 500-500 रुपए देने होंगे। व्यापारी ने पैसे देने से मना किया तो सिपाहियों ने मो. उजैर और लक्ष्मण को गाड़ी से बाहर खींच लिया। पैसे नहीं देने पर डंडे और लात-घूसों से जमकर पीटा। चालक की आंख में डंडा मार दिया। इसके बाद गाड़ी में रखे 10 हजार रुपए लूट लिए। फिर बर्रा पुलिस ने पिकअप जब्त कर ली। पीड़ितों पर पशु क्रूरता का मुकदमा दर्ज कर लिया। घायल व्यापारी ने अपना एक वीडियो बनाकर वायरल किया। जिसमें उसने पुलिस पर रुपए लूटने और मारपीट का आरोप लगाया। इस वीडियो का पुलिस कमिश्नर ने संज्ञान लिया। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने मामले की जांच एडीसीपी साउथ योगेश कुमार व डॉयल-112 प्रभारी को सौंपी।

पत्नी को कुल्हाड़ी से गला काटकर मार डाला

गोपालगंज, 15 जुलाई (एजेंसियां)। गोपालगंज में मामूली झगड़ा को लेकर पति ने पत्नी को कुल्हाड़ी से गर्दन काटकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मृतक महिला की पहचान विजयीपुर थाना क्षेत्र के भोजौली खुर्द गांव के अजय चौरसिया की 50 वर्षीय विमला देवी के रूप में हुई है।

घटना मंगलवार के सुबह की है। मृतका के छोटा लड़का अनिकेत चौरसिया ने अपने पिता अजय चौरसिया के विरुद्ध हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। मृतका के लड़के ने बताया कि मां और पिता में शाम को किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। खाना खाकर लड़का घर के बाहर बरामदे में सो गया। मंगलवार की सुबह देखा तो उसकी मां का शव बिछावन पर खून से लथपथ पड़ा हुआ है। मां का शव देखकर लड़का चिल्लाने लगा।

आरसीबी के बॉलर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज, 15 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा- आपको एक दिन, दो दिन के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है। मगर 5 साल के रिश्ते में किसी को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता। यौन उत्पीड़न की एफआईआर के खिलाफ यश दयाल ने याचिका दाखिल की थी। मंगलवार को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व अनिल कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने इस मामले में विपक्षी पार्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। क्रिकेटर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक दोनों की मुलाकात लगभग पांच साल पहले हुई थी। 27 साल के दयाल के खिलाफ 6 जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

तालाब में नहाने गईं तीन बच्चियों की डूबकर मौत गांव में मचा कोहराम; परिजन हुए बेसुध

कैमूर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मोहनिया प्रखंड के सकरौली गांव में मंगलवार को तालाब में नहाने गईं तीन बच्चियों की डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से गांव में कोहराम मच गया है। जानकारी के अनुसार गांव की पांच बच्चियां बकरी चराने के लिए निकली थीं। इसी दौरान हल्की बारिश होने लगी तो वे पास के तालाब में नहाने चली गईं। नहाने के दौरान तीन बच्चियां गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। उनके साथ मौजूद दो बच्चियों ने शोर मचाया और गांव में सूचना दी, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। ग्रामीणों ने तालाब से तीनों को बाहर निकाला, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। डूबकर जान गंवाने वाली बच्चियों की पहचान जीतन राम की 11 वर्षीय पुत्री उषा कुमारी, भोरिक राम की 10 वर्षीय पुत्री महिमा कुमारी और स्व. सुरेंद्र पासी की 10 वर्षीय पुत्री सुनीता कुमारी के रूप में हुई है।

18 युवतियों को प्रेमजाल में फंसाने के आरोपी नावेद का खुलेगा काला चिट्ठा

> जांच के लिए तीन टीमें गठित

शाहजहांपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में पहचान छिपाकर युवती के साथ दुष्कर्म करने व धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने वाले आरोपी नावेद उर्फ कासिफ पठान की गिरफ्तारी के बाद पुलिस घटना की तह तक जाएगी। एसपी ने जांच के लिए एसओजी व सर्विलांस सेल समेत तीन टीमों को लगाया है। टीमें आरोपी के मोबाइल, सोशल मीडिया व कॉल डिटेल की पड़ताल करेगी। आरोपी के मोबाइल में मिले फोटो की पड़ताल भी होगी।

चौक कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी युवती शनिवार की शाम को चौक कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि दो साल पूर्व शिवा वर्मा नाम के युवक से सोशल मीडिया के जरिये संपर्क हुआ था। उसने तिलक और कलावा बांध अपना धर्म छिपाकर शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। हिडेन कैमरे से वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने लगा।

आरोपी के फोन से खुला राज

वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए मोहल्ला सिंजई स्थित कमरे में उससे शारीरिक संबंध बनाता रहा। 11 जुलाई को आरोपी का फोन देखने पर राज खुला कि वह शिवा वर्मा न

होकर नावेद उर्फ कासिफ पठान है। उसके मोबाइल में कई लड़कियों के अश्लील वीडियो मिले हैं। गर्भवती होने पर नावेद, उसके भाई कैफ, पिता आलम, मां उजमा, बहन समन ने गर्भ गिराने का दबाव बनाया। नावेद ने पेट पर लात मार दी। जिससे गर्भ गिर गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शेष की तलाश की जा रही है।

एसपी ने मामले की गहनता से जांच के लिए एसओजी, सर्विलांस सेल समेत तीन टीमों का गठन कर दिया है। इंस्पेक्टर अश्वनी सिंह ने बताया कि जांच में जो भी साक्ष्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। आरोपी के साथ लड़कियों के फोटो मिलने में अभी तक किसी लड़की की शिकायत नहीं आई है। मामले की विवेचना इंस्पेक्टर अपराध पवन कुमार को दी गई है।

नावेद पर गैंगस्टर लगाने की मांग

हिंदू जागरण मंच ने प्रदर्शन करते हुए कलक्ट्रेट गेट पर छांगुर बाबा का पुतला फूंका। इस बीच मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को दिया। महानगर अध्यक्ष राजेश अवस्थी ने ज्ञापन में बताया कि जलालुदीन उर्फ छांगुर बाबा धर्मांतरण करने वाला सरगना है। उस पर रासुका की कार्रवाई की जाए। धर्मांतरण कार्यों में संलिप्तों की अवैध संपत्ति जब्त की जाए। उन्होंने बताया कि चौक कोतवाली में नावेद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिसके चंगुल में 18 अन्य हिंदू लड़कियां मजबूरी में फंसी हुई हैं। जिनके अश्लील वीडियो आरोपी के पास हैं। वह धर्मांतरण के लिए धमका रहा है। जिसकी जांच कराई जाए। नावेद के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की जाए। एनआईए से जांच कराई जाए। ज्ञापन देने वालों में गोविंद मिश्रा, अंकुल शुक्ला, धर्मेन्द्र पाल, अभय, आलोक, दुर्गेश, अभय राज, रामनरेश वर्मा, राजेन्द्र आदि मौजूद रहे।

कोर्ट में शादी कर पिता को दे रही थी झांसा, बेटी के प्रेमी ने कराई थी पटना में वकील की हत्या

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पटना के चर्चित अधिवक्ता जितेंद्र कुमार मेहता की हत्या के सनसनीखेज मामले का पटना पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार वकील की बड़ी बेटी के प्रेमी ने ही अपने साथी अपराधियों के साथ मिलकर उनकी हत्या करवाई थी।

क्या है पूरा मामला

13 जुलाई रविवार को पटना के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र में 58 वर्षीय अधिवक्ता जितेंद्र कुमार मेहता को अपराधियों ने दिनदहाड़े गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल मेहता को अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के 24 घंटे बाद पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज तथा वैज्ञानिक तरीके से जांच कर मामले की गुत्थी सुलझाई। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक अधिवक्ता की बड़ी बेटी का प्रेम संबंध सोनू कुमार नामक युवक से था। एसएसपी कर्तिकेय शर्मा ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बताया कि जितेंद्र मेहता इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। इसके बावजूद दोनों ने 2022 में कोर्ट मैरिज कर ली थी लेकिन पिता इस विवाह को स्वीकार नहीं कर रहे थे। जांच में यह भी पता चला कि सोनू पहले से शादीशुदा था और उसका एक बच्चा भी है। वह एसी रिपेयरिंग का काम करता था।

हत्या की साजिश ऐसे रची गई

एसएसपी के मुताबिक पिता के विरोध से तंग आकर सोनू ने जितेंद्र मेहता को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। सोनू को लगा कि जब तक मेहता जीवित रहेंगे, उसका संबंध आगे नहीं बढ़ पाएगा। साजिश में सोनू के साथ आकाश और मो. अली ने भी सहयोग किया। इन लोगों ने दो शूटर आदित्य कुमार और निरंजन कुमार की व्यवस्था की। हत्या के लिए डेढ़ लाख रुपये की सुपारी तय हुई जिसमें दस हजार रुपये एडवांस दिए गए थे, बाकी रकम घटना के बाद देने की बात थी।

समय से दो घंटे पहले कॉलेज पहुंच गई थी छात्रा, अकेली बैठी थी-हमला कर किसी ने काट दी हाथ की नस

अलीगढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के टीकाराम कन्या महाविद्यालय में सुबह बीएससी की छात्रा सपना सिंह पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर कलाई की नस काट दी। परिजनों ने लहूलुहान मिली छात्रा को जेएन मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। घटना के विरोध में कॉलेज परिसर में पांच घंटे तक जमकर हंगामा किया।

उसके बाद रामघाट रोड पर जाम कर हंगामा किया। इस दौरान प्राचार्या को उनके ही कक्ष में बंधक बनाने की कोशिश की। मूल रूप से बुलंदशहर डिबाई की सपना (21) क्वार्सी के तिकोना नगला में अपनी बुआ के घर रहती है। वह टीआर कॉलेज से बीएससी अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रही है। सपना एनसीसी की वरिष्ठ कैडेट भी है। जून में हुईं गर्मियों की छुट्टियों के बाद सोमवार को पहले दिन

कॉलेज खुला। निर्धारित समय 9 बजे है मगर छात्रा अपने फुफेरे भाई संग बाइक पर सुबह 7:09 बजे कॉलेज पहुंच गई। फुफेरा भाई उसे कॉलेज में छोड़कर अपने विद्यालय चला गया। वरिष्ठ कैडेट होने के नाते कॉलेज के एनसीसी कार्यालय की चाभी उसी के पास थी। इसलिए वह एनसीसी कार्यालय खोलकर उसी में बैठ गई। कुछ देर बाद उसने अपने फूफा को खुद की तबीयत खराब होने की खबर दी फिर बेहोश हो गई। सूचना पर उसके परिजन व फुफेरा भाई आदि पहुंच गए। उन्होंने छात्रा को बेहोश पड़ा पाया। वहां उसकी दायीं कलाई की नस कटी हुई थी। काफी खून बह चुका था। यह देख आनन-फानन उसे मेडिकल कॉलेज ले लाया गया। शुरुआती बातचीत में उसने खुद पर हमले की बात कही। इधर, खबर पर कॉलेज प्राचार्या सहित पूरा स्टाफ, क्वार्सी पुलिस, फॉरेंसिक टीम, सीओ तृतीय आदि भी पहुंच गए। कुछ ही देर में परिजन व एबीवीपी कार्यकर्ता कॉलेज में एकत्रित हो गए। उन्होंने कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल उठाते हुए जमकर हंगामा किया। दोपहर एक बजे तक चला हंगामा किसी तरह पुलिस कार्रवाई के आश्वासन व अधिकारियों के समझाने पर शांत हुआ। बाद में पुलिस ने छात्रा से बातचीत के आधार पर उसके फूफा राजेंद्र प्रसाद की तहरीर पर अज्ञात लोगों पर हमले का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के कारणों व हमलावरों को लेकर जांच में जुट गई है।

पीलीभीत में ससुरालवालों ने दामाद को दी तालिबानी सजा

> पहले बेल्ट से पीटा-फिर पेड़ से बांधा

पीलीभीत, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में एक शख्स को बेरहमी से पीटा गया। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक मौलाना व उसके परिवार के लोग शख्स को जमीन पर गिराकर पीटते दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित हाथ जोड़कर रहम की भीख मांगता है, लेकिन आरोपी उस पर तरस नहीं खाते। पीड़ित का नाम मोहम्मद यामीन है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामला अमरिया थाना क्षेत्र के बरा मझलिया गांव का बताया जा रहा है। पीड़ित शख्स को पीटने वाले उसके ससुर व ससुरालवाले बताए गए हैं। बताया गया है कि पीड़ित शख्स के नशे का आदी है। इसके कारण उसकी पत्नी परेशान रहती है। इस पर ससुरालवालों ने दामाद को घर बुलाकर बेल्ट से बेरहमी से पीटा। उसको पेड़ से बांधकर भी पीटा गया। चार मिनट के वीडियो में ससुराल पक्ष की तालिबानी सजा साफ दिख रही है। फिलहाल मामले में कोई शिकायत नहीं की गई है। वायरल वीडिया के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

लड़कियों को बेचने वाला गैंग : दिल्ली में टेलर से डीलर बना मोहर्रम

होटल और रेस्टोरेंट में काम का देते थे ऑफर

गोरखपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर बेचने का काम आरोपी मोहर्रम उर्फ राहुल ने दिल्ली से शुरू किया था। पुलिस के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क कई जिलों में फैला हुआ है। गरीब घर की लड़कियों को झांसा देकर गिरोह राजस्थान और हरियाणा में बेचता था। महराजगंज जिले के निचलौल थाना क्षेत्र के बूढाडीह का रहने वाला सरगना मोहर्रम उर्फ राहुल दिल्ली से ही गिरोह को संचालित करता था। पिपराइच पुलिस ने अब तक इस गिरोह से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें खोराबार की रहने वाली महिला राधा भी शामिल है। दो अन्य गुर्गों की तलाश में पुलिस की दो टीमें लगी हैं। इसमें सहजनवां इलाके की एक महिला और दिल्ली के एक युवक शामिल है।

पुलिस के अनुसार, मोहर्रम उर्फ राहुल दिल्ली में सिलाई का काम करता था। उसके साथ में कुछ अन्य लोग भी थे, जो लड़कियों को झांसे में लेकर आते थे। अपना धर्म छिपाकर वह लड़कियों को झांसे में लेता था। दिल्ली में एक दलाल था, जो राजस्थान और हरियाणा में लड़कियों का सौदा करता था। उसी के जरिये डील फाइनल होती थी। छह माह पहले मोहर्रम घर आ गया था। इसके बाद यहीं से गिरोह को संचालित करने लगा। आगरा का सन्नी सिंह भी राधा से शादी के बाद खोराबार इलाके में किराये का कमरा लेकर रहता था। यहीं से लड़कियों को अपने जाल में फंसाते थे।

होटल और रेस्टोरेंट में काम का देते थे ऑफर

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोहर्रम उर्फ राहुल और उसके गिरोह के गुर्गे लड़कियों को दिल्ली में नौकरी का झांसा देते थे। इनका निशाना गरीब लड़कियां रहती थीं। इनको होटल और रेस्टोरेंट में नौकरी का ऑफर देते थे। भोली-भाली लड़कियां परिवार की स्थिति सुधारने के ख्वाब देखती थीं। इसी वजह से वे उनके झांसे में आ जाती थीं। अब तक तीन लड़कियों को बेचे जाने की पुष्टि हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार इस गिरोह ने बड़ी संख्या में लड़कियों का सौदा किया है।

ऐसे खुला था मामला

लड़कियों की खरीद-फरोख्त की जानकारी पुलिस को तब हुई जब पिपराइच क्षेत्र के एक गांव की महिला ने 15 वर्षीय बेटी के 15 मार्च से लापता होने के संबंध में चार जुलाई को थाने में राधा निवासी जंगल रामगढ़ उर्फ चंवरी, खोराबार के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

किशोरी को राजस्थान में 1.80 लाख रुपये में बेचा

पुलिस ने लापता किशोरी को 11 जुलाई को उनौला रेलवे स्टेशन के पास खोज निकाला। किशोरी ने पुलिस को बताया कि उसे राजस्थान में 1.80 लाख रुपये में बेच दिया गया था। किसी तरह बचते-बचाते गोरखपुर आई। किशोरी के बयान पर पिपराइच पुलिस ने खोराबार में किराए का कमरा लेकर रह रहे सन्नी और उसकी पत्नी राधा के बारे में जानकारी जुटाई।

बिहार में छोटे उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर मिलेगी सीएनजी-पीएनजी

डिप्टी सीएम ने दी पूरी जानकारी

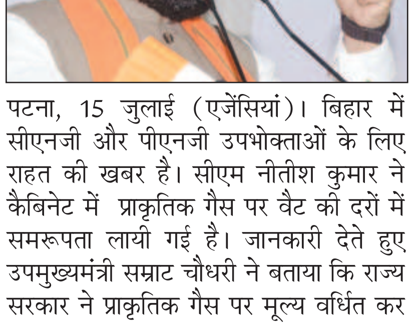

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। सीएम नीतीश कुमार ने कैबिनेट में प्राकृतिक गैस पर वैट की दरों में समरूपता लायी गई है। जानकारी देते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक गैस पर मूल्य वर्धित कर यानी वैट की दरों में समरूपता लाने और छोटे उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अहम निर्णय लिया है। इसके तहत सीएनजी और पीएनजी की घरेलू एवं वाणिज्यिक बिक्री पर कर-दर समान करने के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद से स्वीकृति प्रदान की गई है। हालांकि, इसके मूल्य में कितनी कमी आएगी? इसकी जानकारी अब तक नहीं मिली है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पूर्व में केवल शहरी गैस वितरण नेटवर्क से 50,000 एससीएमडी प्रतिदिन तक की बिक्री पर कर घटाया गया था। हालांकि, गेल द्वारा पाइपलाइन के जरिए गैस आपूर्ति करने और सीमा पार करने की स्थिति में अन्य सीजीडी इकाइयों को पुरानी 20 फीसदी की दर पर ही टैक्स चुकाना पड़ रहा था, जिससे उपभोक्ताओं तक राहत नहीं पहुंच रही थी। इस विषमता को समाप्त करने और उपभोक्ताओं को सीधा लाभ दिलाने के उद्देश्य से अधिसूचना की शर्तों में आवश्यक संशोधन किया गया है। सम्राट चौधरी ने कहा कि इससे गेल और अन्य सीजीडी कंपनियां समान दर पर कर चुकाकर उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर सीएनजी और पीएनजी उपलब्ध करा सकेंगी। सरकार का मानना है कि वैट दर में समानता से न केवल उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी बल्कि प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में भी यह एक बड़ा कदम होगा।

'संजय दत्त एके-47 के बारे में बताते तो दंगा रुक सकता था

> उज्ज्वल निकम का 1993 ब्लास्ट पर बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई बम धमाकों की सुनवाई में विशेष सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम ने एक बड़ा दावा किया है उनका कहना है कि अगर अभिनेता संजय दत्त ने एके-47 से भरी वैन की जानकारी पुलिस को दी होती, तो साल 1993 के मुंबई बम धमाके रोके जा सकते थे। इस हमले में 267 लोगों की जान गई थी और देश की सबसे बड़ी आतंकी घटनाओं में से एक के रूप में इसे याद किया जाता है।

उज्ज्वल निकम अब राष्ट्रपति की सिफारिश पर राज्यसभा में जा रहे हैं, ऐसे में उन्होंने ये एनडीटीवी के एक इंटरव्यू में कहा कि संजय दत्त ने हथियार रखने का अपराध तो किया था, लेकिन उन्होंने कभी एके-47 का इस्तेमाल नहीं किया। उनका इरादा आतंक फैलाना नहीं था, बल्कि वह सिर्फ हथियारों की तरफ आकर्षित थे। निकम ने कहा कि उसने कानून की नजर में अपराध किया, लेकिन वह एक सीधा-सादा आदमी है। मैंने उसे निर्दोष माना।

संजय दत्त ने यहां की चूक

निकम ने बताया कि धमाके से कुछ दिन पहले ही अबू सलेम संजय दत्त के घर एक वैन लेकर आया था, जिसमें ग्रेनेड और एके-47 जैसे हथियार थे। संजय दत्त ने कुछ हथियार लिए, फिर लौटाकर केवल एक एके-47 अपने पास रख ली। अगर उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी होती, तो जांच शुरू होती और शायद 12 मार्च, 1993 के धमाके टल जाते।

कोर्ट ने टाडा से बरी किया

साल 1993 के मामले में अदालत ने संजय दत्त को आतंकवाद विरोधी कानून टाडा से तो बरी कर दिया था, लेकिन आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाया। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उनकी छह साल की सजा घटाकर पांच साल कर दी थी। उन्होंने यह सजा पुणे की यरवदा जेल में पूरी की।

कोर्ट में निकम और संजय दत्त की बातचीत का खुलासा

निकम ने पहली बार उस बातचीत का खुलासा किया, जो उन्होंने संजय दत्त से कोर्ट में की थी। उन्होंने कहा कि सजा सुनाए जाने के बाद संजय दत्त का हावभाव बदल गया था और वह सदमे में आ गए थे। निकम ने उन्हें समझाया कि संजय, ऐसा मत करो। मीडिया देख रहा है। तुम अभिनेता हो। अगर डरे दिखे, तो लोग तुम्हें दोषी मानेंगे। अपील का विकल्प है। संजय ने जवाब दिया यस सर, यस सर।

अजमल कसाब पर निकम का 'बिरयानी' बयान

26/11 हमले के दोषी पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब पर भी निकम ने बड़ा केस लड़ा था। उस समय उनके बिरयानी वाले बयान ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अब निकम ने कहा कि कसाब ने सच में बिरयानी की मांग की थी, लेकिन इस मुद्दे को बाद में राजनीतिक रंग दे दिया गया। लंबे समय तक देश के अहम मामलों में वकालत कर चुके उज्ज्वल निकम अब राजनीति में कदम रख रहे हैं। राष्ट्रपति की सिफारिश पर उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है।

सरहद लांघ भारत पहुंचा पाकिस्तानी नागरिक, न वीजा न कोई दस्तावेज, बीएसएफ ने पकड़ा

गुरदासपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर क्रास कर पाकिस्तानी नागरिक भारत आ पहुंचा। हालांकि उसे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पकड़ लिया और उससे पूछताछ की जा रही है। पाकिस्तानी नागरिक का नाम तनवीर कलान है। तनवीर के पास न कोई वीजा है और न ही कोई ऐसा दस्तावेज जिससे वह भारत आ सके। पंजाब के गुरदासपुर सीमावर्ती इलाके में बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तानी नागरिक को बिना वीजा और परमिशन के भारत में प्रवेश होने के आरोप में काबू किया है।

यह कार्रवाई चौकी नंबर 58, बटालियन बीएसएफ द्वारा बीओपी चौतरां पोस्ट पर की गई। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान तनवीर कलान पुत्र टरीगर निवासी देनकला शक्करगढ़ (नारोवाल) पाकिस्तान के रूप में हुई है। उसने कोई भी अधिकारिक परमिशन के बिना भारत-पाक सीमा पार की। इसके तहत उस पर 3-34-20 आईपी एक्ट और 14ए फारेन एक्सचेंज (रेगुलेशन) एक्ट 1973 के तहत मामला दर्ज किया गया है। तनवीर को भारत वाली साइड में संदिग्थ हालात में काबू किया गया।

भूस्खलन से 220 सड़कें बाधित, मानसून में अब तक 105 लोगों की गई जान

शिमला, 15 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई भागों में झमाझम बारिश का दौर लगातार जारी है। बीते 24 घंटों के दौरान जुब्बड़हट्टी में 56.0, काहू 39.5, बिलासपुर 30.8, स्लापड़ 30.1, कसौली 28.0, धर्मपुर 24.2, कुफरी 23.0, बग्गी 22.8, मुरारी देवी 21.8, पच्छाद 19.1, करसोग 19.0, शिमला 18.8 व जोत में 17.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

वहीं शिमला के कसुम्पटी में देवदार का एक पेड़ भवन की छत पर गिर गया। इससे भवन की छत टूट गई है। हालांकि कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। सूचना मिलने के बाद प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। रामनगर में सड़क किनारे खड़ी गाड़ी पर एक बड़ा पत्थर गिर गया। इससे गाड़ी का सामने वाला शीशा टूट गया।

नालागढ़ में चिकनी खड्ड में फंसे दो कामगारों को सुरक्षित निकाला

सोलन जिले के नालागढ़ के कंगनवाल के समीप चिकनी खड्ड में फंसे दो कामगारों को सुरक्षित बचा लिया गया। जानकारी के अनुसार दो कामगार बहादुर व सतनाम सिंह मंगलवार सुबह ड्यूटी पर जा रहे थे और अचानक चिकनी खड्ड में जलस्तर बढ़ गया। इससे दोनों बीच खड्ड में फंस गए। कामगारों ने शेर मचाया। इसके बाद गांव के लोग आए। अधिवक्ता विजय सिंह, अनिल कुमार व टेंक चंद खड्ड में उतरे और नजदीक जाकर रस्सी से दोनों कामगारों को बाहर निकाला। दोनों कामगार सुरक्षित बाहर आने से अपनी ड्यूटी पर चले गए।

राज्य में इतने दिन बरसेंगे बादल

उधर, राज्य में आपदा के 16वें दिन बाद भी मंगलवार सुबह 10:00 बजे तक 220 बाधित रहीं। इसके अतिरिक्त 67 बिजली ट्रांसफार्मर व 153 जल आपूर्ति योजनाएं प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा 160 सड़कें अभी भी आपदा प्रभावित मंडी जिले में ठप हैं। जिले में 133 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से राज्य के कई भागों में 21 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहने का पूर्वानुमान जताया गया है। इस दौरान कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का येलो अलर्ट है।

बरसात में दो माह के लिए साहसिक गतिविधियां बंद

प्रदेश भर 15 जुलाई से 15 सितंबर तक साहसिक गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंध के दौरान साहसिक गतिविधियों के संचालन पर पर्यटन विभाग की ओर से कार्रवाई की जाएगी। बरसात में हर साल दो माह के लिए साहसिक गतिविधियां बंद रहती हैं। पर्यटकों को पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, वाटर स्पोर्ट्स सहित अन्य गतिविधियों के लिए दो माह का इंतजार करना पड़ेगा।

1235 कच्चे-पक्के मकान, दुकानें क्षतिग्रस्त

इस मानसून सीजन में 20 जून से 14 अगस्त तक राज्य में बादल फटने, बाढ़, भूस्खलन सहित अन्य कारणों से 105 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 184 लोग घायल हुए हैं। अभी भी 35 लोग लापता हैं। 44 लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई है। मानसून सीजन में अब तक करीब 1235 कच्चे-पक्के मकानों, दुकानों को क्षति पहुंची है। 798 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। 953 पालतु पशुओं व 21,500 पोल्ट्री पक्षियों की मौत हुई है। नुकसान का कुल आंकड़ा 78,667.36 लाख रुपये पहुंच चुका है।

अरविंद केजरीवाल ने गंगाराम अस्पताल में शिबू सोरेन की सेहत का जाना हाल

सीएम हेमंत से की मुलाकात

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को सर गंगाराम अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन का हाल जाना। साथ ही झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने पूर्व सीएम शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली स्थित सर गंगा राम अस्पताल जाकर झारखंड के मुख्यमंत्री और मित्र हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उनके पिता एवं झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का हालचाल जाना। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्द स्वस्थ होकर घर लौटें। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का स्वास्थ्य खराब चल रहा है। वे दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती हैं। चिकित्सकों के अनुसार, ब्रेन स्ट्रोक के कारण उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। फिलहाल उन्हें आईसीयू में रखा गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। आईसीयू में केवल सीमित लोगों को ही उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी अस्पताल में मौजूद हैं।

पानीपत के इसराना तहसील में एंटी करप्शन ब्यूरो की रेड तहसीलदार के रीडर को 25 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

पानीपत, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पानीपत के इसराना तहसील में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और विजिलेंस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसीलदार के रीडर इंद्रजीत को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मांडी गांव के निवासी नवीन की शिकायत पर की गई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि तहसीलदार का रीडर इंद्रजीत जमीन के तकसीम (बंटवारे) के मामले को निपटाने के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था।

जानकारी के अनुसार, नवीन ने एसीबी को शिकायत दर्ज कराई थी कि इंद्रजीत ने तकसीम के मामले में प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की पुष्टि के बाद, एसीबी और विजिलेंस की संयुक्त टीम ने जाल बिछाया और आज इंद्रजीत को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

भारत में 5 साल में 65 फ्लाइट्स के इंजन बंद

हवा में और टेकऑफ के दौरान शटडाउन हुआ; 17 महीने में 11 मेडे कॉल, आरटीआई के आंकड़े

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में पिछले पांच साल में 65 फ्लाइट्स में उड़ान के दौरान हवा में या टेकऑफ करते समय इंजन बंद (शटडाउन) हुए। वहीं, 1 जनवरी, 2024 से 31 मई, 2025 के बीच 11 फ्लाइट्स से 'मेडे' कॉल आई। इनमें तकनीकी गड़बड़ियों की सूचना के साथ इमरजेंसी लैंडिंग की मांग की गई। इनमें से चार फ्लाइट्स ने तकनीकी खराबी के कारण हैदराबाद में लैंडिंग की।

जानकारी टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) से सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगे गए आंकड़ों से सामने आई है। आंकड़ों से पता चलता है कि हर महीने कम से कम एक विमान का इंजन बंद हुआ। हालांकि, सभी मामलों में पायलट एक ही इंजन से विमान को नजदीकी एयरपोर्ट तक पहुंचाने में सफल रहे। इस आरटीआई रिपोर्ट में 12 जून दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर और 19 जून को इंडिगो की गुवाहाटी-चेन्नई फ्लाइट शामिल नहीं है। फ्यूल कम होने की वजह से इंडिगो फ्लाइट डायवर्ट कर दी गई थी। अहमदाबाद हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट 12 जुलाई को आई थी। इससे पता चला कि टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए।

6.63 लाख फर्जी समग्र आईडी का खुलासा

इंदौर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेशभर में समग्र आईडी की केवाईसी और आधार से लिंकिंग के दौरान बड़ा घोटाला सामने आया है। इंदौर नगर निगम की रिपोर्ट में 6.63 लाख फर्जी समग्र आईडी की पुष्टि हुई है। इस पर पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इससे करोड़ों का घोटाला हुआ है। उन्होंने मांग की है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदेश सरकार ने सभी जिलों के कलेक्टरों को 7.21 लाख फर्जी समग्र आईडी की जांच और उन्हें पोर्टल से हटाने का आदेश दिया है। इसी क्रम में इंदौर नगर निगम ने रिपोर्ट जारी कर बताया कि शहर के 22 झोन में 6.63 लाख फर्जी समग्र आईडी पाई गई हैं। निगम ने इस काम के लिए हर झोन में प्रभारी भी नियुक्त किए हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा ने इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।

गेटवे ऑफ इंडिया पर जेटी निर्माण को हाईकोर्ट की हरी झंडी, पर्यावरण का भी रखा जाएगा खास ध्यान

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई के प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया पर एक नया यात्री जेटी और टर्मिनल बनाने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने यह मंजूरी कुछ शर्तों के साथ दी है ताकि पर्यावरण का संतुलन बना रहे और यात्री सुविधाएं बेहतर की जा सकें। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति संदीप मर्णे की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की इस नीति को सही ठहराते हुए कहा कि यह परियोजना सतत विकास के सिद्धांतों पर आधारित है। कोर्ट ने साफ किया कि यह निर्णय मनमाना, अव्यावहारिक या बिना सोच-विचार का नहीं है। हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि विकास की दिशा में आगे बढ़ना तब तक पर्यावरण के लिए नुकसानदेह नहीं है जब तक वह नियमन और विवेक के साथ किया जाए। इस परियोजना में एम्फीथिएटर, फूड कोर्ट, कैफे, पार्किंग स्थल, टिकट काउंटर और वीआईपी वेटिंग एरिया शामिल हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एम्फीथिएटर का उपयोग केवल यात्रियों के बैठने के लिए होगा, न कि किसी मनोरंजन कार्यक्रम के लिए। साथ ही, प्रस्तावित रेस्तरां और कैफे में केवल पानी और पैक किया हुआ भोजन परोसा जाएगा, न कि डाइनिंग सुविधा दी जाएगी।

पुणे पोर्श मामले के आरोपी पर किशोर की तरह मुकदमा चलेगा, जुवेनाइल बोर्ड का फैसला

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पुणे पोर्श कार हादसे के मामले में आरोपी पर किशोर की तरह मुकदमा चलेगा। किशोर न्याय बोर्ड ने मंगलवार को यह आदेश दिया। 17 वर्षी आरोपी ने बीते साल पुणे में तेज रफ्तार कार से दो लोगों को कुचल दिया था, जिससे दोनों की मौत हो गई थी। यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में रहा था।

लग्जरी कार से मोटरसाइकिल सवार दो युवाओं को टक्कर मारने का आरोप

बीते साल 19 मई को पुणे के कल्याणी नगर इलाके में आरोपी किशोर ने अपनी तेज रफ्तार पोर्श कार से मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो आईटी पेशेवर अनीश अवधिया और उसकी दोस्त अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई थी। पुणे पुलिस ने पिछले साल आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की मांग की थी, क्योंकि उसने एक जघन्य कृत्य किया था। आरोपी पक्ष की तरफ से सबूतों से छेड़छाड़ करने की भी कोशिश की गई थी। हालांकि 25 जून, 2024 को, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने लड़के को रिहा करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि किशोर न्याय बोर्ड द्वारा आरोपी को सुधार गृह भेजने का आदेश अवैध था और किशोरों से संबंधित कानून का पूरी तरह से पालन किया जाना चाहिए। अब किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी को बड़ी राहत देते हुए उस पर किशोर की तरह मुकदमा चलाने का आदेश दिया। बचाव पक्ष के वकील ने बताया कि किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी लड़के को वयस्क मानने की पुलिस की याचिका खारिज कर दी। सड़क हादसे के बाद आरोपी किशोर को तुरंत ही जमानत मिल गई थी। पुलिस ने आरोपी नाबालिग को सड़क सुरक्षा पर 300 शब्दों का निबंध लिखने की शर्त पर तुरंत जमानत दे दी थी, जिसने विवाद खड़ा कर दिया था।

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के मामले में समय रैना समेत पांच लोगों को अगली सुनवाई में होना होगा पेश

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली । दिव्यांगों और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे व्यक्तियों का मजाक उड़ाने के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन समय रैना, विपुल गोयल सहित पांच लोगों को तलब किया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की बेंच ने की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई में भी इन सभी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। हालांकि, कॉमेडियन सोनाली ठक्कर को व्यक्तिगत समस्याओं को देखते हुए ऑनलाइन पेश होने की अनुमति दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने बताया कि मुंबई पुलिस और सभी आरोपितों ने अपने-अपने हलफनामे दाखिल कर दिए हैं। फिलहाल कोर्ट ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया है।

साथ ही कोर्ट ने समय रैना समेत पांच कॉमेडियन को चेतावनी दी कि अगर अगली सुनवाई में वह पेश नहीं होते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। बता दें कि समय रैना, विपुल गोयल, निशांत जगदीश तंवर, सोनाली ठक्कर और बलराज परमजीत सिंह घई को कोर्ट ने 5 मई को समन जारी कर पेश होने का आदेश दिया था।

बता दें कि 'इंडिया गॉट लेटेंट' मामले में पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया की याचिका पर सुनवाई के दौरान एक आवेदन दाखिल किया गया था। इस आवेदन को स्पाइनल मस्क्युलर अट्रोफी नाम की समस्या के मरीजों की सहायता करने वाली संस्था क्योर एसएमए ने दाखिल किया था। इसमें उन्होंने समय रैना और विपुन गोयल के कुछ वीडियो की शिकायत की थी और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था।

संस्था का आरोप है कि समय रैना ने 'दैट कॉमेडी क्लब' में स्टैंडअप में कहा था- 'देखो, चैरिटी अच्छी बात है, करनी चाहिए। मैं एक चैरिटी देख रहा था, जिसमें एक दो महीने का बच्चा है, जिसे कुछ तो क्रेजी हो गया था। इलाज के लिए उसे 16 करोड़ रुपए का इंजेक्शन चाहिए था।' समय ने शो में बैठी एक महिला से सवाल किया- 'मैम, आप बताइए...अगर आप वो मां होतीं और आपके बैंक में 16 करोड़ रुपए आ जाते, तो एक बार तो अपने पति को देखकर बोलती ना कि महंगाई बढ़ रही है और कोई गारंटी नहीं है कि वो बच्चा उस इंजेक्शन के बाद भी बचेगा। मर भी तो सकता है। सोचो इंजेक्शन के बाद मर गया। उससे भी खराब सोचो कि 16 करोड़ के इंजेक्शन के बाद बच्चा बच गया, फिर बड़ा होकर बोले कि मैं पोएट बनना चाहता हूं।'

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन समुद्र के नीचे 21किमी टनल तैयार

मुंबई में बीकेसी और ठाणे के बीच बनी; रूट पर जापान की नेक्स्ट जनरेशन ई10 ट्रेन चलेगी

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की शुरुआती 21km टनल बनकर तैयार हो गई है। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह टनल घनसोली के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) और शिलफाटा के ठाणे के बीच बनी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी फोटो भी शेयर की हैं।

इसके अलावा प्रोजेक्ट के तहत 310 किलोमीटर का वायाडक्ट (ऊंचा पुल) भी बन गया है। पटरियां बिछाने, ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर, स्टेशन और पुलों का निर्माण तेजी से चल रहा है। महाराष्ट्र में काम तेजी से पूरा हो रहा है। ट्रेन संचालन और कंट्रोल सिस्टम के लिए उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। मुंबई-अहमदाबाद रूट पर जापान की नेक्स्ट जनरेशन E10 शिंकानसेन बुलेट ट्रेन चलेगी। जापान फिलहाल E10 मॉडल पर काम कर रहा है। यह बुलेट ट्रेन मौजूदा E3 और E5 की तुलना में काफी तेज और मॉडर्न होगा। E10 को दोनों देशों यानी भारत और जापान में एक साथ ट्रैक पर उतारने पर सहमति बनी है।

2017 में रखी गई थी प्रोजेक्ट की नींव

देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में इस प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया था। दोनों शहरों के बीच 508 किमी का सफर बुलेट ट्रेन तीन घंटे में तय करेगी। अभी दुरंतो से इतने सफर में साढ़े पांच घंटे में तय करती है। वहीं, नॉर्मल ट्रेन से सात-आठ घंटे लगते हैं। मुंबई-अहमदाबाद रूट पर बुलेट ट्रेन की मैक्सिमम स्पीड 350 km/h होगी। प्रोजेक्ट की कॉस्ट 1.08 लाख करोड़ रुपए है।

रूट पर 12 स्टेशन मुंबई, ठाणे, विरार, भोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती हो सकते हैं। इनमें मुंबई स्टेशन अंडरग्राउंड होगा।

जीरो वाइब्रेशन और बिना शोर वाली ट्रेनें

E5 शिंकानसेन हायाबूसा

बनी: 2011 : **टॉप स्पीड:** 320 km/hr

डिजाइन हवा का चीरने के लिए 15 मी. लंबी एयरोडायनामिक नोज।

सुविधा फर्स्ट क्लास कोच। बाइब्रेशन और शोर नहीं।

ब्रेकिंग भूकंप या इमरजेंसी में बिना जर्क रुकती है।

कोच: 253 मी. लंबी एल्यूमीनियम मिक्स मिश्रित धातु से बना। 10 कोच, 731 यात्री बैठ सकेंगे।

E3 शिंकानसेन सीरीज

बनी: 1997 में। मिनी शिंकानसेन भी कहते हैं। **टॉप स्पीड:** 275 km/hr

डिजाइन संकरी और साधारण पटरियों पर भी चल सकती है।

सुविधा राइड क्वालिटी, कई सेफ्टी फीचर्स। लागत कम।

ताकत शक्तिशाली मोटर्स, हाई एक्सलेरेशन और फिशिएंसी।

कोच: 253 मी. लंबी ट्रेन में 6 या 7 कोच होते हैं। इनमें कुल 350 यात्री बैठ सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 16 जुलाई - 2025

बदलाव की आहट

नरेंद्र मोदी सरकार में 13 जुलाई को राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया गया तो किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि यह पीएम मोदी की एक रणनीति है। इसके जरिए वे राजनीति में बदलाव के संकेत भी दे रहे हैं। मनोनीत राज्यसभा सांसद इतिहासकार मीनाक्षी जैन, आरएसएस के सी. सदानंदन मास्टर, 26/11 हमले के विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम और पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला शामिल हैं। इन चार लोगों की नियुक्ति के बाद मोदी सरकार की विचारधारा को लेकर चर्चाओं का दौर थम नहीं रहा है। समझते हैं चुने गए इन चार सदस्यों को लेकर सरकार की क्या रणनीति है। मनोनीत किए गए चारों लोग अलग-अलग क्षेत्र और दिशाओं से आते हैं। मीनाक्षी जैन, देश का दिल दिल्ली से आती हैं तो हर्षवर्धन श्रृंगला का होम टाउन दार्जिलिंग (पूर्व) में है। उज्ज्वल देवराव निकम मुंबई (पश्चिम) के रहने वाले हैं और सी. सदानंदन मास्टर केरल (दक्षिण) के रहने वाले हैं। देश के चारों दिशाओं के लोगों को राज्यसभा के लिए मनोनीत करने का मतलब मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में चुनावों या सदन में शक्ति परीक्षण के बजाय देश में अपनी विचारधारा को और मजबूत करना चाह रही है। इन चारों को मनोनीत कर स्पष्ट संकेत दे दिया है कि वह शिक्षा, संस्कृति, विदेश नीति जैसे क्षेत्रों में अपनी विचारधारा को बढ़ावा देना चाहते हैं। राजनीतिक परिदृश्य से देखा जाए तो इस ग्रुप में कोई बड़ी हस्ती नहीं, कोई सिंगर या फिर ओलंपिक खिलाड़ी भी नहीं है। देश के जाने माने वकीलों की लिस्ट में शुमार उज्ज्वल निकम का जन्म 30 मार्च 1953 को महाराष्ट्र के जलगांव में मराठी परिवार में हुआ था। राज्यसभा की सदस्यता का सम्मान उनके लंबे और बेहतरीन कानूनी करियर के लिए मिला है। उज्ज्वल 26/11 हमले के विशेष सरकारी वकील थे। उन्होंने आतंकवाद और बड़े अपराधों के मामलों में आरोपियों को सजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसी तरह 1984 बैच के आईएफएस अधिकारी रहे हर्षवर्धन विदेश सचिव के पद पर रह चुके हैं। अमेरिका और थाईलैंड में भारत के राजदूत, बांग्लादेश में उच्चायुक्त रह चुके हैं। 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक के रूप में उनकी भूमिका की तारीफ पीएम मोदी ने भी की थी। बता दें हर्षवर्धन लोकसभा चुनावों में दार्जिलिंग से स्थानीय उम्मीदवार के रूप में भी लोकप्रिय विकल्प के रूप में उभरे थे, लेकिन उनकी उम्मीदवारी के बारे में विरोध के स्वर भी उभरे थे। हर्षवर्धन के जरिए बीजेपी के सियासी समीकरण को भी दुरुस्त किया जा सकता है। राज्यसभा के लिए नामित किए गए वरिष्ठ समाजसेवी सी. सदानंदन मास्टर केरल (दक्षिण) के रहने वाले हैं। राजनीतिक दलों द्वारा काफी प्रताड़ना का सामना भी उन्हें करना पड़ा है। सामाजिक क्षेत्र में उनकी पकड काफी अच्छी मानी जाती है जिसका लाभ केरल विधानसभा चुनाव मेंबीजेपी को मिल सकता है। दिल्ली से आने वाली मीनाक्षी जैन की इतिहास की किताबें हिंदू विचारधारा के लिए काफी मुफीद मानी जाती हैं। उनकी 'सती', 'राम और अयोध्या', और 'फ्लाइट ऑफ डीइटीज' जैसी किताबें काफी लोकप्रिय हैं। उन्हें 2020 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। मनोनयन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सदानंदन मास्टर को बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'हिंसा और धमकी राष्ट्रीय विकास के प्रति उनके हौसले को नहीं डिगा सकी। एक शिक्षक और समाज सेवक के रूप में उनके प्रयास बेहद सराहनीय हैं। देखा जाए तो इस मनोनयन के जरिए मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल का इरादे जाहिर कर दिए हैं कि राज्यसभा सिर्फ चुनाव हारे हुए या बूढ़े हो चुके नेताओं के लिए नहीं। मोदी सरकार द्वारा इन सदस्यों की नियुक्ति का मतलब है वह भारत को कैसे देखती है और कैसे चलाना चाहती है।

चिंताजनक है नदियों का मौन

डा.वेदप्रकाश

नदियां बोलती हैं। उनका कल कल- छल छल स्वर और निरंतर प्रवाह उनकी जीवंतता का प्रमाण है। भारतीय ज्ञान परंपरा के आदि ग्रंथ ऋग्वेद के 33वें सूक्त में ऋषि विश्वामित्र और नदी का संवाद है। जहां नदियों को गायों और घोड़े के सदृश शब्द करती व दौड़ती वर्णित किया गया है। वहां कहा गया है कि नदियां सबका उपकार करने वाली होती हैं और कभी जल से हीन नहीं होती। वहां ऋषि द्वारा नदी पार करने हेतु प्रार्थना भी है। इसी प्रकार 75वें सूक्त में- इमं मे गंड्गे यमुने सरस्वति...के माध्यम से विभिन्न नदियों का महत्व और शोभा वर्णित है। आदिकाव्य रामायण और रामचरितमानस में भी विभिन्न प्रसंगों में नदियों से संवाद एवं स्तुति मिलती है। सुंदरकांड में प्रभु श्रीराम समुद्र से प्रार्थना, पूजन व संवाद करते हैं।

नदियों का सतत प्रवाह अथवा गतिशीलता मानव चेतना को साहस प्रदान करता रहा है। हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, काशी,प्रयागराज और गंगासागर आदि अनेक तीर्थ नदियों से ही बने हैं। नदियों के किनारे ही सभ्यता एवं संस्कृति विकसित हुई हैं। ध्यान रहे नदियां हैं तो प्रकृति है, संस्कृति है, संतति है, वर्तमान है और भविष्य भी इन्हीं से होगा। कहीं बीहड़ जंगलों से तो कहीं कठोर पर्वत श्रेणियों से निकलती नदियां उनकी संघर्ष यात्रा के प्रमाण हैं। गंगा,यमुना, सरस्वती, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र, गोमती, घाघरा, गंडक, कोसी, चंबल, बागमती, सिंधु , झेलम, चेनाब,रावी, व्यास, सतलुज, नर्मदा, ताप्ती, वैतरणी, कृष्णा,कावेरी, लूनी, माच्छू , बनास, साबरमती, काली, पेरियार आदि देश की छोटी बड़ी सैकड़ों नदियां बड़े भू भाग को सींचने के साथ-साथ जीवन की रेखाएं भी हैं। अनेक नदियां पर्वत, मैदान, हिम क्षेत्र और मरुस्थल में भी जीवनदायिनी बनकर बहती हैं। विभिन्न नदियों पर बने बड़े बांध जहां विद्युत उत्पादन के बड़े स्रोत हैं तो वहीं कृषि आवश्यकताओं हेतु नहरों से जल का फैलाव भी करते हैं। आज दर्जनों नदियां मर चुकी हैं, दर्जनों भिन्न-भिन्न प्रकार के प्रदूषण के कारण बदहाली का शिकार हैं और जो बची हैं उनमें भी पानी का स्तर लगातार कम हो रहा है। कुल मिलाकर नदियां मौन होती जा रही हैं, क्या नदियों का यह मौन मनुष्य सहित समूची जीव सृष्टि के लिए चिंताजनक नहीं है?

भारत विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। ऐसे में औद्योगिक, कृषि, पेयजल एवं खाद्यान्न हेतु जल की कमी और नदियों पर मंडराता संकट बड़ी चुनौती के रूप में सामने खड़ा है। गंगा और यमुना जैसी देश की बड़ी नदियों के किनारे अनेक औद्योगिक इकाइयां हैं। साथ ही मछली पालन के रूप में भी आजीविका के बड़े अवसर हैं लेकिन यदि नदियां मौन होती जाएगी तो इससे इन पर निर्भर लोगों को आर्थिक संकट के साथ-साथ विस्थापन भी झेलना पड़ेगा। यमुना नदी के संबंध में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की एक रिपोर्ट बताती है कि नदी के न्यूनतम बहाव के लिए जितना पानी होना चाहिए उसका आधा भी फिलहाल नहीं है। दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों एवं महानगरों में घरेलू कचरा, सीवेज और औद्योगिक दूषित जल सीधे नदियों में गिर रहा है। राजधानी दिल्ली में 28 औपचारिक औद्योगिक क्षेत्र हैं जिनमें से केवल 17 कॉमन एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट यानी सीईटी से जुड़े हैं। 11 के लिए कोई ट्रीटमेंट प्लांट है ही नहीं। जब राष्ट्रीय राजधानी की यह दशा है तो देश के अन्य औद्योगिक महानगरों की स्थिति सहज ही समझी जा सकती है। नदियों के स्वतंत्र प्रवाह में अतिक्रमण और अवैध खनन भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है। अप्रैल 2025 में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने देहरादून की विभिन्न नदियों, नालों और खालों से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया है। समाचारों के अनुसार देहरादून में 100 एकड़, विकासनगर में 140 एकड़, ऋषिकेश में 15 एकड़ और डोईवाला में 15 एकड़ नदियों की भूमि पर अतिक्रमण है। विगत में सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली में यमुना नदी को अतिक्रमण मुक्त करने का आदेश दे चुका है। देश के अन्य प्रदेशों में नदी क्षेत्र के अतिक्रमण की स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। समाचार यह भी बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया की 87 प्रतिशत नदियां गर्म हो रही हैं और 70 प्रतिशत नदियों में आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। मौसम का चक्र बदल रहा है। दुनियाभर में नदियों का आकार भी सिकुड़ रहा है। ध्यान रहे नदियों की बदहाली और उनका मौन होना नदी के अंदर और आसपास की पारिस्थितिकी को भी गहरे प्रभावित करता है। घातक रसायनों एवं प्रदूषण के कारण नदी जीवन के लिए आवश्यक मछली, कछुए और अन्य जीवों की संख्या भी लगातार घट रही है और नदी क्षेत्र के प्रकृति-पर्यावरण में भी बदलाव देखे जा सकते हैं। मार्च 2025 के वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के एक अध्ययन से यह सामने आया है कि नदियां कार्बन डाइआक्साइड को अवशोषित करने के साथ ही उसे वातावरण में वापस छोड़ने का काम भी कर रही है... नदियों के पानी में ठहराव और प्रदूषण के कारण यदि उसका तापमान बढ़ता है तो उसमें गैसों का उत्सर्जन और तेज होगा। प्रदूषण वाले भाग पर कचरे से मिथेन गैस भी निकलती है जो कार्बन डाइआक्साइड से 21 गुना अधिक खतरनाक है।

मानसून के मौसम में नदियों में जल की अधिकता होती है। यह जल नदियों को नवजीवन प्रदान करने के साथ-साथ समूचे नदी क्षेत्र को जल से भरता है। जिससे वहां भिन्न-भिन्न प्रकार की वनस्पतियां पोषित होती हैं और आसपास के क्षेत्र में भूजल का स्तर भी संतुलित रहता है। यह नदियों का रौद्र रूप नहीं है अपितु नदी क्षेत्र में मनुष्य का अनुचित हस्तक्षेप हो रहा है इसलिए दुर्घटनाएं भी बढ़ रही हैं। क्या यह हस्तक्षेप अनुचित नहीं है?

ध्यान रहे नदियां अपने उद्गम से फिर किसी संगम अथवा सागर तक की यात्रा में समूची जीव सृष्टि के लिए जल एवं खाद्यान्न पैदा करती हैं। समूचा जलचक्र नदियों एवं सागर के द्वारा ही पूरा होता है। क्या नदियों का मौन होना समूचे जलचक्र को प्रभावित नहीं करेगा? नदियों के पुनर्जीवन एवं संरक्षण-संवर्धन हेतु आज यह आवश्यक है कि समुचित रणनीति बनाते हुए नदियों की प्रकृति को समझकर प्रबंधन किया जाए। नदियों की स्थिति को गंभीर एवं प्रमुखता की श्रेणी में रखते हुए उससे संबंधित नौकरशाही की जिम्मेदारी तय की जाए। यह सत्य है कि पर्याप्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और औद्योगिक क्षेत्र में समुचित व्यवस्था न होने के जिम्मेदार नौकरशाह हैं। बिना सरकारी और नौकरशाही सहयोग के नदी और जल स्रोतों पर अतिक्रमण और खनन संभव नहीं है। संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्य हमें नदी, झीलों एवं जल स्रोतों के संरक्षण-संवर्धन हेतु दायित्व देते हैं। क्या हम संविधान की भावना के अनुरूप काम कर रहे हैं? मार्च 2017 में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने गंगा और यमुना नदियों के विषय में अपना फैसला देते हुए कहा- गंगा और यमुना नदियां अपना अस्तित्व खोने के खतरे में हैं और इसलिए उन्हें अधिकारों के साथ कानूनी इकाई घोषित किया गया है। लेकिन यह विडंबना ही है कि कुछ समय बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी। आज हमें यह समझना होगा कि गंगा और यमुना जैसी बड़ी नदियां भारत की बड़ी आबादी के अस्तित्व, उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। अनादि काल से ये नदियां मनुष्य को शारीरिक, आध्यात्मिक और भिन्न-भिन्न प्रकार का पोषण प्रदान करती रही हैं। आज जब ये जीवनदायिनी नदियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं, भयंकर प्रदूषण की चपेट में हैं तब यह आवश्यक है कि इन्हें कानूनी इकाई घोषित किया जाए। सरकारों के साथ-साथ समाज भी इनके संरक्षण-संवर्धन हेतु अपना दायित्व समझे,जिससे इन्हें मौन होने से बचाया जा सके क्योंकि नदियों का मौन होना समूची जीव सृष्टि के अंत की ओर बढ़ना है।

छांगुर गैंग : धर्म के जाल में राष्ट्र के दुश्मन

सुरेश गांधी

यूपी के बलरामपुर से उठा धर्मांतरण का एक संगठित और सुनियोजित षड्यंत्र आज न सिर्फ पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर रहा है, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने के विरुद्ध छेड़ी गई एक सुनियोजित लड़ाई का प्रतीक बनकर उभरा है। यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, एक वैचारिक हमला है, जिसमें विदेशी धन, कट्टरपंथी सोच और निरीह गरीबों की मजबूरी को एक हथियार बनाया गया। नाम है, 'छांगुर बाबा', असली नाम जमालुद्दीन। यह वही चेहरा है, जिसने स्वयं को पहले हिंदू संत के रूप में प्रस्तुत किया, फिर "सूफी संत", और आखिरकार इस्लामिक एजेंट की तरह 'ग़ज़वा-ए-हिन्द' की ज़हरीली बुनियाद डालने में जुट गया। धर्मांतरण का यह रैकेट न केवल सामाजिक ढांचे को तोड़ रहा है, बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रविरोधी एजेंडे का भी हिस्सा बन चुका है। छांगुर बाबा का नेटवर्क यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, दिल्ली, राजस्थान, और महाराष्ट्र तक फैला है। उसके माध्यम से भोले-भाले दलितों, आदिवासियों और निर्धन वर्ग को चमत्कार, तंत्र-मंत्र और झूठे इलाज के बहाने मजहबी जाल में फंसाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद हिन्दू रीति-रिवाजों का त्याग और नव इस्लामी पहचान की कठोर सीख दी गई। ये कार्य अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, फंडिंग, और विचारधारा के साथ हो रहे थे। यह सब दर्शाता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था।

मुस्लिम समुदाय की ओर से विदेशों से भारी फंडिंग होती रही, जिसका प्रयोग मस्जिदों, मदरसों, और कन्वर्ज़न केंद्रों को खड़ा करने में हुआ। इस कार्य में विदेशी एनजीओ, पाकिस्तानी फंडिंग नेटवर्क, और खाड़ी देशों से जुड़ी संस्थाओं की भूमिका जांच के घेरे में है। "ग़ज़वा-ए-हिन्द" वह कट्टर इस्लामी अवधारणा है, जिसमें भारत को इस्लामी शासन के अधीन लाने का सपना पाले बैठे आतंकी गुट बार-बार इसे अपना लक्ष्य बताते रहे हैं। छांगुर गैंग इसी ज़हर को 'धर्मगुरु' की आड़ में बोता रहा। धर्मांतरण के बाद लोगों को भारत विरोधी विचारधारा से लैस किया गया। पाकिस्तान परस्त मौलानाओं से जुड़ी बैठकों के वीडियो, ऑडियो, और लेख प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क के आतंकी कनेक्शन को इंगित करते हैं। स्थानीय मदरसों में कट्टरता, जिहाद और इस्लामी प्रभुत्व की शिक्षाएं बच्चों तक को दी जा रही थीं। जिन युवाओं ने झांसे में आकर मजहब बदला, उनमें से कई 'स्लीपर सेल' की भूमिका में आने लगे। हालिया इनपुट के मुताबिक : कई धर्मांतरित युवक नकली दस्तावेज़ों के साथ सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे थे। कुछ साइबर फ्रॉड, हवाला, और फेक आइडेंटिटी जैसे अपराधों से भी जुड़ चुके हैं।आईबी और एटीएस की जांच में कई सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह केवल धार्मिक नहीं, राजनैतिक और आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम है। वर्षों से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और पुलिस आंख मूंदे बैठे रहे। धर्म की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की आड़ में इस्लामीकरण की खेती होती रही। कुछ नेताओं और स्वयंभू सेक्युलर बुद्धिजीवियों की चुप्पी और समर्थन, इस गैंग को पनपने का खाद-पानी देते रहे। जांच एजेंसियों को शक है कि छांगुर गैंग का प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से भी जुड़ाव था। मकसद : गरीबों को लुभाना, धर्म बदलवाना और उन्हें भारत विरोध की शिक्षा देना। वॉट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कट्टर मजहबी संदेशों का प्रचार किया जा रहा था। विदेशी खाते, संदिग्ध हवाला ट्रांज़ैक्शन्स और 'बाबा' के ठिकानों से बरामद दस्तावेज इस कड़ी को और पुख्ता करते हैं।

बता दें, 23 जून को बाबा छांगुर द्वारा हजारों लोगों के नामांतरण की जानकारी मिली। 24 जून को उतरोला थाना क्षेत्र के मधपुर गांव में बाबा की विशाल कोठी देखने के बाद इस बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ। यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और हजारों लोगों का धर्मांतरण करा चुका है। हरियाणा में 12 और 13 जुलाई को छांगुर गैंग के आमिर और उसकी बहन नेहा को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ितों को विदेशों से भी धमकियां मिल रही हैं। खुफियां एजेंसियो के मुताबिक धर्मांतरण के इस देशव्यापी जाल में छांगुर ने 5000 से ज्यादा लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है। 1000 मुस्लिम युवकों की फौज खड़ा कर लव जिहाद का खेल खेल रहा था। एटीएस और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, छांगुर बाबा की सच्चाई परत-दर-परत बेनकाब होती जा रही है। धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट से शुरू हुआ खुलासा अब आईएसआई कनेक्शन और राष्ट्रविरोधी साजिश तक पहुंच चुका है। छांगुर बाबा सिर्फ धर्म बदलवाने का खेल नहीं खेल रहा था, बल्कि हिंदुस्तान में सांप्रदायिकता का जहर खोलकर तोड़ने की साजिश भी रच रहा था। छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के नाम पर जो नेटवर्क खड़ा किया था, उसी का इस्तेमाल कर वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधा संपर्क साधने की कोशिश कर रहा था।

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू में पाकिस्तानी दूतावास में आईएसआई एजेंटों की एक गोपनीय बैठक हुई थी। इसमें छांगुर के नेपाल कनेक्शन के जरिए संपर्क की कोशिश की गई। हिंदू लड़कियों के धर्मांतरण के बाद आईएसआई एजेंटों से निकाह की साजिश छांगुर बाबा की योजना थी कि आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू परिवारों की महिलाओं को फंसाकर उनका धर्मांतरण कराया जाए। फिर इनका निकाह नेपाल में आईएसआई के एजेंटो और स्लीपर सेल से करवा दिया जाए। ये महिलाएं बाद में जासूसी के नेटवर्क का हिस्सा बन सकें, इसके लिए बाकायदा कोडवर्ड सिस्टम भी विकसित किया गया था। छांगुर बाबा का नेटवर्क सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं था। छांगुर बाबा का जाल महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था। इस पूरे नेटवर्क को वो विदेशी फंडिंग के जरिए मजबूत करता रहा। एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों की फौज तैयार की थी। बीते तीन वर्षों में 1000 से ज्यादा मुस्लिमों को इस काम के लिए कैश पेमेंट दी गई। नेपाल सीमा से सटे सात जिलों को टारगेट किया गया। बाबा का नेटवर्क लड़कियों को फंसाता, ब्रेनवॉश करता और फिर उनका धर्मांतरण कर निकाह करवा देता था। इसके लिए विदेशों से भारी मात्रा में फंड आता था। एटीएस की जांच में छांगुर बाबा द्वारा इस्तेमाल किए गए कोडवर्ड भी सामने आए हैं। जैसे कि लड़कियों को 'प्रोजेक्ट' कहा जाता था। ब्रेनवॉश की प्रक्रिया को 'काजल करना' कहा जाता था। किसी लड़की को बाबा से मिलाने को 'दीदार कराना' कहा जाता था। इसी तरह धर्मारण को 'मिट्टी पलटना' कहा जाता था। इन कोड्स के जरिए बाबा और उसका गैंग आपस में बात करता था ताकि किसी को भनक न लगे। ईडी और एटीएस की पड़ताल में यह बात भी सामने आई है कि बाबा के पास विदेशों से करोड़ों की फंडिंग आई। जांच में अब तक 18 बैंक खातों की जानकारी मिली है। इनमें कुल 68 करोड़ रुपए जमा हुए। केवल तीनमहीनों में ही 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। छांगुर बाबा की सबसे बड़ी राजदारनीतू वोहरा उर्फ नसरीन थी, जो खुद भी धर्म परिवर्तन कर इस साजिश का हिस्सा बनी।

वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

योगेश कुमार गोयल

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं।

यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं।

हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी फिल्मों की लोकप्रियता आज अमेरिका, इंग्लैंड, यूएई, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की तक फैली है। कई देशों में हिन्दी फिल्मों के रेडियो चौनल, टीवी चैनल, फिल्म समारोह और लाइव शो आयोजित किए जाते हैं, जो हिन्दी को सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

कब तक चलेगा डायन करार देकर जघन्य हत्याओं का सिलसिला

मनोज अग्रवाल

बेशक एक भारतीय शुभांगु शुक्ला धरती की सीमाओं को पार कर अंतरिक्ष की सैर कर रहे हैं लेकिन विज्ञान की इतनी उपलब्धि भी शून्य बन जाती है जब बिहार के एक गांव में एक परिवार के पांच सदस्यों को अंधविश्वास और पाखंड के चलते डायन करार देकर जिंदा जला दिया जाता है। देश के कई हिस्सों में समय समय पर खासकर आदिवासियों और गरीबी से ग्रस्त समुदाय के लोगों को डायन बता कर मार देने का सिलसिला सैकड़ों साल से चल रहा है आजादी के बाद भी हर साल दर्जनों महिलाओं पुरुषों को डायन करार देकर मौत के घाट उतार दिया जाता है।

आपको बता दें बिहार के पूर्णिया जिले के टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों को डायन बताकर जिंदा जला दिया जाना आधुनिक भारत के माथे पर एक शर्मनाक धब्बा है। यह घटना किसी एक परिवार की त्रासदी नहीं बल्कि हमारे समाज की उस सामूहिक असफलता की गवाही है जिसमें विज्ञान की उपलब्धियों की चमक के बीच अंधविश्वास का अंधेरा आज भी कई जीवन निगल रहा है। आज भारत विश्व गुरु बनने की बात कर रहा है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों पर करोड़ों का निवेश कर रहा है। एक ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेस और क्वांटम कंप्यूटिंग की दिशा में अग्रसर है लेकिन इन वैज्ञानिक उपलब्धियों का कोई मायने नहीं रह जाते है, जब हमारे गांवों में ही दो सौ से अधिक लोगों की भीड़ एक बीमार बच्चे के लिए किसी परिवार को जिम्मेदार ठहरा कर जादू टोने का इल्जाम लगा कर जिंदा जला कर मार देती है। यह घटना साफ दर्शाती है कि हमारे देश में आज भी कानून व्यवस्था की स्थिति कितनी लचर और बेकार है कि लोग बेखौफ होकर लाचार गरीब अशिक्षित लोगों खासकर महिलाओं के खून से हाथ रंग रहे हैं उन्हें पुलिस कानून किसी का भय नहीं है। भारत में विज्ञान के विस्तार और वैज्ञानिक चेतना के विस्तार के बीच एक गहरी खाई है। हम तरक्की कर रहे है, लेकिन समाज के भीतर वैज्ञानिक सोच नहीं बना पा रहे हैं। डायन प्रथा जैसी बर्बर कुप्रथा आज भी जीवित है।दरअसल हमने शिक्षा को केवल परीक्षा को पास करने का माध्यम बना दिया है। सोचने, तर्क करने और जिज्ञासा से सच्चाई तलाशने का अभ्यास नहीं कर रहे हैं। यह घटना सवाल उठाती है कि आखिर हमारी स्कूल व्यवस्था हमारे सामाजिक जागरूकता अभियान और हमारे जनप्रतिनिमि इस अंधविश्वास से लड़ने में क्यों विफल हो रहे हैं? आज भी बिहार के हजारों गांवों में विज्ञान सिर्फ किताबों तक सीमित है। ग्रामीण स्कूलों में विज्ञान पढ़ाया तो जाता है, लेकिन विज्ञान की दृष्टि यानी आलोचनात्मक और तर्कपूर्ण सोच का विकास नहीं हो पाता। क्या बच्चों को यह समझाया जा रहा है कि बीमारी किसी डायन के कारण नहीं, बल्कि वैक्टीरिया वायरस, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण होती है? क्या हम गांवों में यह बात पहुंचा पा रहे हैं कि हर प्राकृतिक घटना का वैज्ञानिक कारण होता है और इसका हल किसी ओझा या तांत्रिक के पास नहीं, डॉक्टर और वैज्ञानिकों के पास होता है। इस हत्याकांड की भयावहता और खुली बर्बरता इस बात की गवाही देती है कि लोगों के मन से पुलिस और कानून का भय खत्म हो चुका है।

अब आत्मा भी ऑनलाइन है!

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

धर्मराज का दरबार अब वैसा नहीं रहा जैसा पुराणों में वर्णित था। अब वहाँ न नरक की आग जलती है, न स्वर्ग की वीणा बजती है। वहाँ अब वाई-फाई राउटर लगे हैं, और यमदूतों के पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि मृतक का स्मार्टफोन होता है। चित्रगुप्त बेचारे अब रजिस्टर नहीं खोलते, बल्कि क्लाउड सर्वर पर डेटा एक्सेस करते हैं—पर लॉगिन हमेशा फेल हो जाता है। शायद पासवर्ड 'मोक्ष123' था, जो किसी यमदूत ने बदल दिया। एक दिन एक यमदूत हाँफते हुए आया, हाथ में एक टूटा हुआ स्मार्टफोन था, जिस पर टेम्पर ग्लास भी नहीं था। चेहरे पर चिंता, आँखों में नेटवर्क की तलाश। बोला, "महाराज! एक जीव 'मोहन' गायब हो गया है। 'एप्पल स्टोर' के बाहर बैठा था। मैंने सोचा, शायद नया आईफोन लेने गया होगा, पर वो तो सेकंड हैंड भी नहीं ले सकता था। क्यूआर कोड लेकर भीख माँगता था—डिजिटल भिखारी!" धर्मराज, जो अब यम-टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सीईओ बन चुके थे, अपने गोल्ड-प्लेटेड टैबलेट पर क्रिप्टोकरेंसी के भाव देखते हुए बोले, "कहाँ था ये जीव? सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग कर रहा था या किसी ऑनलाइन गेम में फंसा था?" यमदूत ने सिर खुजाते हुए कहा, "महाराज, ये जीव हर सुबह नेटवर्क टावर के नीचे जाकर बैठता था ताकि सिग्नल मिले। पाँच दिन पहले इसका सिग्नल कट गया। मैंने सोचा नेटवर्क इश्यू होगा, पर जब इसकी बॉडी मिली, तो पता चला कि ये डेड हो गया है, लेकिन इसका जीव अभी भी ऑनलाइन है!" नारद मुनि, जो अपनी रील्स बना रहे थे, चौंक कर बोले, "क्या! ऑनलाइन है? कहीं किसी फर्जी स्कीम में तो नहीं फंसा?

आजकल ऑनलाइन ठगी बहुत चल रही है।" यमदूत बोला, "नहीं महाराज, ये तो मोबाइल रिचार्ज की दुकान पर बैठा था। डेटा पैक खत्म हो गया था। अचानक एक ऐप डाउनलोड हो गया, और उसमें एक वॉइस मैसेज आया—'आपकी मृत्यु हो चुकी है, कृपया मोक्ष प्राप्ति के लिए पर कॉल करें!' जैसे ही इसने डायल किया, नेटवर्क चला गया और जीव गायब!" चित्रगुप्त ने सिर हिलाया, "महाराज, आजकल डिजिटल अवेयरनेस की कमी है। लोग फ्री के चक्कर में अपना सब कुछ डाउनलोड कर लेते हैं। इस मोहन के बैंक पासबुक में सिर्फ 5 रुपये थे, पर स्मार्टफोन में 500 जीबी का डेटा था—वायरल वीडियो और शॉर्ट्स से भरा हुआ। उसकी आखिरी इच्छा थी कि मरने से पहले एक शॉर्ट वीडियो बनाए, जिसमें वह अपनी गरीबी दिखा सके, ताकि वायरल हो जाए और कुछ डोनेशन मिल जाए।"नारद ने अपनी रील्स बनाना बंद कर दिया।

सावन के महीने में क्यों खरीदने चाहिए चांदी के नाग-नागिन?

सावन माह का आरंभ हो चुका है, श्रद्धालु महादेव के मंदिरों में जाकर पूजा-पाठ और जलाभिषेक कर रहे हैं। यह पूरा माह भगवान शिव को समर्पित किया गया है। साथ ही इस माह में चांदी के नाग-नागिन से जुड़े पूजा को भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि चांदी के नाग-नागिन की पूजा करने से घर में बरकत आती है और धन-धान्य से घर का भंडार भी भरा रहता है। नाग पंचमी के दिन चांदी के नाग-नागिन घर में सौभाग्य लाता है।

कब है नाग पंचमी?

सावन में ही शुक्ल पक्ष पंचमी को नाग पंचमी भी मनाई जाएगी,जो कि 29 जुलाई 2025 को पड़ेगी। हिंदू पंचांग के मुताबिक, पंचमी तिथि 28 जुलाई की दोपहर 12:40 से शुरू हो जाएगी जो 29 जुलाई की दोपहर 3:15 बजे तक रहेगी। चूंकि धार्मिक मान्यता के मुताबिक, पूजा दिन में किए जाने का विधान है, ऐसे में अधिकतर जगहों पर 29 जुलाई को नाग पंचमी मनाई जाएगी।

क्यों खरीदने चाहिए चांदी के नाग-नागिन?

सावन में चांदी के नाग-नागिन खरीदने का प्रचलन है। साथ ही घर की नींव पूजन में भी चांदी के नाग-नागिन शामिल करने का विधान है। मान्यता है कि चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा घर लाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह वैवाहिक जीवन में भी सुख और समृद्धि लाता है। इसके अलावा, बिजनेस में भी यह उन्नति लाता है। इसके अलावा, जिनके जीवन में काल सर्प दोष चल रहा होता है, उनको भी दोष से छुटकारा मिल जाता है।

खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

चांदी के नाग-नागिन खरीदते समय हमेशा 92.5 प्रतिशत शुद्ध चांदी होना चाहिए।

साथ ही जोड़ा खरीदते समय यह भी ध्यान दें कि वह अच्छी तरह बना हो और उसमें कोई कट या दोष न हो।

इसके अलावा, घर की तिजोरी में रखने से पहले पंडित से इसे अभिमंत्रित जरूर करवाएं।

अगर धन की कामना है तो चांदी के बने इन नाग-नागिन के जोड़ों को किसी मंदिर में दान कर दें, इससे धन लाभ की संभावना बन जाती है।

क्या है धार्मिक वजह?

सावन के महीने में हमें सात्विक खाना खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि ये फूड बाकि खाने के मुकाबले ज्यादा फ्रेश होते हैं। सात्विक भोजन बाकि खाने के मुकाबले लाइट होते हैं जिस वजह से इन्हें पचाना भी आसान होता है। वहीं कढ़ी और साग को बनाने में कई ऐसी चीजों का इस्तेमाल होता है जिसे सात्विक खाने की श्रेणी में रखना सही नहीं है, यही वजह है कि सावन के महीने में कढ़ी और साग जैसी चीजों को खाने की मनाही होती है

क्या खाना है फायदेमंद?

सावन के महीने में भक्तों को सात्विक भोजन खाने की सलाह दी जाती है। खासकर उन चीजों को डाइट में शामिल करें जो खाने में लाइट हो और पोषक तत्वों से भरपूर हों। इसके लिए आप अपनी डाइट में ताजे फल, सेहुत अनाज, नट्स, बीज, घी और दूध शामिल कर सकते हैं। ये सारे फूड आइटम्स आपको सावन के महीने में सेहतमंद रहने में मदद करेंगे। इसके साथ ही हमें अपनी डाइट में खिचड़ी जरूर शामिल करनी चाहिए जो आपके पाचन के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है।

5 दिन बाद राहु का पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में गोचर
कुंभ समेत इन 4 राशियों को छप्पर फाड़ मिलेगा लाभ

20 जुलाई को राहु शाम 5 बजकर 12 मिनट पर पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। राहु के नक्षत्र गोचर से 4 राशियों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आने वाले हैं। राहु के शुभ प्रभाव इन राशियों के जीवन में सभी तरह की भौतिक सुख-सुविधाएं, वैभव, मान-सम्मान आदि की प्राप्ति होगी। आइए जानते हैं राहु के पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में गोचर से किन किन राशियों की किस्मत चमकाएंगे।

राहु ग्रह 20 जुलाई दिन रविवार को पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। राहु इस नक्षत्र में 21 सितंबर तक रहेंगे, इसके बाद वह नक्षत्र परिवर्तन कर जाएंगे। वैदिक ज्योतिष में छाया ग्रह राहु का विशेष महत्व है और ज्योतिषी राहु की चाल बदलने पर विशेष नजर रखते हैं। ज्योतिष शास्त्र में राहु को क्रूर और पापी ग्रह का दर्जा प्राप्त है और अप्रत्याशित फल देने वाला ग्रह माना गया है। लेकिन पापी ग्रह राहु पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में गोचर करेंगे तो 12 राशियों में से केवल 4 राशियों पर ही शुभ दृष्टि डालेंगे, जिससे इनके व्यारे न्यारे हो जाएंगे। इन राशियों को राहु के शुभ प्रभाव से जीवन के हर क्षेत्र में लाभ मिलेगा और किस्मत का भी पूरा साथ मिलेगा। आइए जानते हैं राहु के नक्षत्र गोचर से किन किन राशियों के व्यारे न्यारे होने वाले हैं।।।

राहु के नक्षत्र गोचर से मेष राशि वालों को कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। मेष राशि वालों को राहु के शुभ प्रभाव से दोस्तों और परिवार के सदस्यों का पूरा समर्थन मिलेगा और उनकी मदद से आपके कई अधूरे कार्य पूरे होंगे। अगर आप निवेश करते हैं तो इस दौरान आपको निवेश करने के कई मौके मिलेंगे, जिससे आपको अच्छा धन लाभ होगा। सही योजनाओं और अच्छे कदमों से आप वित्तीय समस्याओं से राहत पा सकते हैं। राहु के प्रभाव से मेष राशि वालों का खुद का मकान व वाहन खरीदने का सपना पूरा हो सकता है।

राहु का नक्षत्र गोचर सिंह राशि वालों के लिए अत्यंत लाभकारी होने वाला है। राहु के शुभ प्रभाव से सिंह राशि वालों के अंदर आत्मविश्वास और साहस में वृद्धि होगी और बुद्धि का सही इस्तेमाल भी करेंगे, जिससे कई परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। सही योजनाओं और कदमों से आप पुरानी परेशानियों से पूरी तरह छुटकारा पा सकते हैं। बिजनस में अच्छा धन लाभ होगा और धन प्राप्ति के नए नए अवसर भी मिलते जाएंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और साथ मिलकर किसी संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। बच्चे की सेहत को लेकर चिंतित हैं तो राहु के आशीर्वाद से आपकी यह चिंता दूर होगी और परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

राहु के नक्षत्र गोचर से धनु राशि वालों का भाग्योदय हो सकता है। धनु राशि वालों की स्वास्थ्य संबंधी समस्या दूर होगी और सभी तरह के विवादों से मुक्ति मिलेगी।

कार्यस्थल पर नए अवसर मिलेंगे और आप पुरानी समस्याओं से जल्दी राहत पा सकते हैं। इस राशि के जो जातक काफी लंबे समय से नौकरी खोज रहे हैं तो उनके लिए करियर की शुरुआत होने वाली है। अगर आप खुद का बिजनस करना चाहते हैं तो राहु के शुभ प्रभाव से आपकी इच्छा पूरी होगी। धनु राशि वाले परिवार की सभी जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे और हर कार्य में सफलता भी मिलेगी।

राहु के नक्षत्र गोचर से कुंभ राशि वालों को अटके धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। राहु के शुभ प्रभाव से कुंभ राशि वालों के लंबित कार्य समय पर पूरे होंगे और कई धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का मौका भी मिलेगी। लव लाइफ में अगर कोई समस्या चल रही है तो वह दूर हो जाएगी और लव पार्टनर के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। नौकरी करने वालों के अधिकारियों व सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छे होंगे और सभी टारगेट आसानी से पूरे कर पाएंगे।

घर की इस दिशा में रखकर देखें मोर पंख

हिंदू धर्म में मोर पंख को घर में रखना बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। यह दिव्यता और वैभव का प्रतीक होता है, जिसका सीधा संबंध भगवान कृष्ण से होता है। मान्यता है कि मोर पंख श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय है। ऐसे में उनके श्रृंगार और पूजा में भी इसे प्रयोग करने का खास महत्व होता है। मोर पंख कई लोग अपने घर और मंदिर में रखते हैं। माना जाता है कि इसे घर में रखने से परिवार के सदस्यों बीच तालमेल बना रहता है। साथ ही, घर का माहौल खुशनुमा रहता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। लेकिन अगर आप इसे गलत स्थान या दिशा में रखते हैं, तो इसका शुभ फल प्राप्त नहीं होता है। वास्तुशास्त्र में मोर पंख को लेकर कई नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने से व्यक्ति को बेहद अत्यंत शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

घर में इस दिन ला सकते हैं मोर पंख

अगर आप मोर पंख घर में लाकर रखने का विचार बना रहे हैं, तो इसे कुछ शुभ स्थान पर ला सकते हैं। वैसे तो मोर पंख किसी दिन भी घर लाया जा सकता है, लेकिन शुक्रवार या सोमवार के दिन इसे लाना बेहद शुभ माना जाता है। शुक्रवार का दिन माता लक्ष्मी को समर्पित होता है। ऐसे में इस दिन मोर पंख लाने से मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही, जीवन में खुशहाली आने लगती है। इसके अलावा, सोमवार के दिन भी मोर पंख घर लाना फलदायी हो सकता है। इससे आपको भगवान कृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और घर की समस्याओं से भी निजात मिल सकती है।

मोर पंख घर की इस दिशा में रखें

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोर पंख बेहद शुभ होता है। ऐसे में इसे सही स्थान पर दिशा में रखना बहुत जरूरी माना जाता है। ऐसे में अगर आप घर में मोर पंख लाने वाले हैं या पहले से घर में मोर पंख है, तो इसे आज ही सही दिशा में रख लें। वास्तु के मुताबिक, मोर पंख को हमेशा घर की उत्तर या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इन दिशाओं में मोर पंख को रखने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। आप मोर पंख को ईशान

कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में भी रख सकते हैं। इस दिशा से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। यही कारण है कि घर में इस स्थान पर शुभ चीजों को रखने से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

मोर पंख घर में रखने के विशेष वास्तु नियम :

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मोर पंख को पूजा के स्थान या मुख्य द्वार के ऊपर लगाया जा सकता है। इससे घर का माहौल हमेशा खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है। इसके अलावा, बच्चों के स्टडी रूम में भी मोर पंख लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

अगर बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है या इधर-उधर भटकता रहता है, तो उनके पुस्तक के बीच एक मोर पंख रखा जा सकता है। ऐसा करने से बच्चों के जीवन में सकारात्मकता आती है और एकाग्रता भी बढ़ती है। वास्तुशास्त्र के अनुसार, भूलकर भी मोर पंख को घर में गंदे स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, उस पर धूल-मिट्टी भी नहीं होना चाहिए। इससे अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

खरगोन में विराजमान है ओंकारेश्वर जैसा ज्योतिर्लिंग!

सावन का पवित्र माह शुरू हो चुका है। शिवालयों में अभिषेक, पूजन अर्चन का दौरा जारी है। इस पवित्र महीने में हर कोई ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करना चाहता हैं। धर्म शास्त्रों में भी ज्योतिर्लिंग दर्शन का अत्यधिक महत्व बताया गया है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शिवालय के बारे में बता रहे हैं जो किसी ज्योतिर्लिंग से कम महत्व नहीं रखता है। इसे मध्य प्रदेश का दूसरा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग भी कहा जाता है।

दरअसल, खरगोन का चोली गांव जिसे देवों की नगरी देवगढ़ भी कहते है। यहां तालाब के किनारे छोटे से मंदिर में यह अद्भुत मंदिर में शिवलिंग विराजित है, जो देखने में बिलकुल ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की तरह नजर आता है। इसीलिए इसे भी ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग जितना ही महत्वपूर्ण एवं चमत्कारी मानते हुए लोग श्रद्धा और आस्था के साथ यहां दर्शन पूजन करते हैं। यह मंदिर भी ओंकारेश्वर मंदिर के नाम से ही जाना जाता है।

धर्म-ग्रंथों में भी है उल्लेख

लोगों की इस मंदिर के प्रति अपार श्रद्धा है। ग्रामीण गौरव सिंह ठाकुर बताते है कि, यह शिवलिंग अत्यधिक प्राचीन होकर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के समकालीन का ही है। यहां का शिवलिंग ओंकारेश्वर जितने पुराना होकर उसी की तरह दिखता है। शिव पुराण सहित अन्य पुराणों ओर धर्म-ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। यहां दर्शन करना ज्योतिर्लिंग जितना ही फलदाई माना जाता है।

कहा जाता है दूसरा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग

वहीं, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक खंडवा जिले के ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के सायंकाल मुख्य पुजारी के अनुसार, चोली का यह शिवलिंग भी काफी प्राचीन होकर ओंकारेश्वर जैसा ही दिखता है। चोली का शिवलिंग आकर में छोटा है और ओंकारेश्वर का शिवलिंग थोड़ा बड़ा है। दोनों में बस इतना ही अंतर है। पुजारी ने भी माना है कि चोली के ओंकारजी का भी उतना ही महत्व है जितना ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन का है। इसलिए जो भक्त यहां नहीं आ पाए वह चोली में भी दर्शन कर सकते है।

मंदिरों का गांव है चोली

बता दें कि, चोली गांव में सैकड़ों मंदिर है। कुछ परमार कालीन है तो कुछ पांडव कालीन बताए जाते है। खास बात ये है कि, इन मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाएं अपने अद्भुद और अलौकिक है। जो दुनिया में और कही नहीं है। ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह में भी दीवारों पर कई देवी देवताओं की प्रतिमाएं उकेरी हुई है। पत्थरों पर नक्काशियां की गई है।

हमारे भीतर कोई ऐसी जिद न हो जो हमें कुछ नया सीखने से रोकती है

हमारे भीतर कोई ऐसी जिद या आग्रह न हो, जो हमें कुछ नया सीखने और दूसरों को समझने से रोकता है। जब हम अज्ञान के आवरण में डूबे होते हैं, तब ही हमारे भीतर जिद और पूर्वाग्रह जन्म लेते हैं। पूर्वाग्रह यानी किसी बात को पूर्ण रूप से जाने बिना ही उसके बारे में मन में कोई निर्णय तय कर लेना। हमें चाहिए कि हम अपने विवेक को जागृत करें और हर प्रकार के पूर्वाग्रहों से स्वयं को मुक्त करें।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

सावन के महीने में कढ़ी क्यों नहीं खानी चाहिए

हिंदू धर्म में सावन के महीने को बहुत पवित्र माना जाता है जो भगवान शिव को बेहद प्रिय होता है। ऐसे में शिवजी के भक्त इस दौरान नियमित रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाने जाते हैं। वहीं, शास्त्रों में सावन माह के कुछ जरूरी नियम भी बताए गए हैं, जिनका हर व्यक्ति को ख्याल रखना चाहिए। कहा जाता है कि सावन में भूलकर भी कढ़ी का सेवन नहीं करना चाहिए। आज हम आपको इसी के पीछे की धार्मिक मान्यता और वैज्ञानिक कारण बताने जा रहे हैं।

सावन में कढ़ी न खाने की धार्मिक मान्यता

ऐसी मान्यता है कि सावन के महीने में भक्त शिवलिंग पर कच्चा दूध अर्पित करते हैं। ऐसे में इस पूरी अवधि के दौरान दूध या इससे बनी चीजों का सेवन करना वर्जित माना गया है। दूध से दही बनती है और दही का इस्तेमाल कढ़ी बनाने में किया जाता है। यही कारण है कि सावन के दौरान कढ़ी का सेवन और दूध या इससे बनी किसी भी वस्तु का सेवन करना वर्जित माना गया है। अगर आप सावन में इस नियम का ख्याल रखते हैं, भगवान शिव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है।

सावन में कढ़ी न खाने का वैज्ञानिक कारण

आयुर्वेद में भी इसे लेकर कहा गया है कि सावन के महीने में दूध, दही या इससे बनी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को शरीर से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। इन चीजों का इस अवधि के दौरान सेवन करने से पाचन तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है। इसके पीछे का वैज्ञानिक कारण है कि सावन में बारिश बहुत ज्यादा होती है और इसके चलते, जगह-जगह अनचाही घास उग आती है। इन पर छोटे-छोटे कीड़े-मकोड़े चलने लगते हैं और गाय घास के साथ उन्हें भी चरने लगती हैं। ऐसे में इस प्रकार की घास का प्रभाव गाय और भैंस के दूध पर भी पड़ता है। यही कारण है कि सावन में दूध, दही और इससे बनी चीजों का सेवन करना अच्छा नहीं माना जाता है।

सावन में इन चीजों का भी न करें सेवन

इस पवित्र महीने में कुछ चीजों का सेवन करने की विशेष रूप से मनाही होती है। कहा जाता है की सावन के माह में गलती से भी लहसुन, प्याज, मछली, अंडा, आदि का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दौरान तामसिक भोजन का सेवन करने से जातक को अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। ऐसे में सावन में सात्विक भोजन ही करना चाहिए। इससे भगवान प्रसन्न होते हैं और भक्तों पर उनकी कृपा बनी रहती है।

हॉलीवुड डेब्यू को तैयार विद्युत जामवाल

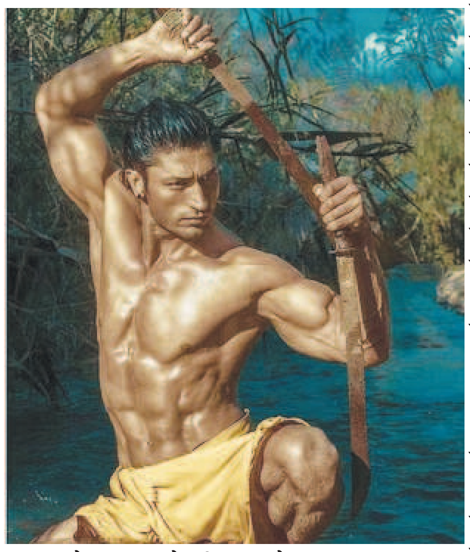

अपने एक्शन के लिए जाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल अब हॉलीवुड फिल्म में अपनी एंट्री करने जा रहे हैं। लाइव-एक्शन फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' की स्टार कास्ट में शामिल हो गए हैं। यह एक प्रतिष्ठित वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित फिल्म है।

विद्युत की हॉलीवुड में एंट्री

विद्युत इस हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए विद्युत हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। असल जीवन में मार्शल आर्ट में माहिर विद्युत जामवाल के इस फिल्म में आने से अब उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। धालसिम का उनका किरदार एक चमत्कारी फायर ब्रीथिंग योगी है। जो योग और मार्शल आर्ट्स में माहिर है। इसे पहली बार 1991 में 'स्ट्रीट फाइटर II' में दिखाया गया था। धालसिम केवल अपने परिवार की रक्षा और समर्थन के लिए लड़ता है।

किताओ सकुराई ने किया है फिल्म का निर्देशन

'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन किताओ सकुराई ने किया है, जिन्हें 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के लिए जाना जाता है। इसमें डेविड डस्टमालचियन भी एक विलेन की भूमिका में हैं, उनके साथ एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, रोमन रेंस, ऑरविल पेक और एंड्रयू शुल्ज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

1987 में शुरू हुई वीडियो गेम सीरीज

यह वीडियो गेम सीरीज आधिकारिक तौर पर 1987 में शुरू की गई थी और यह एम. बाइसन द्वारा एक वर्ल्ड फाइटिंग टूर्नामेंट के रूप में आयोजित मार्शल आर्ट कलाकारों के ग्रुप्स के बीच आमने-सामने की जबरदस्त लड़ाई के इर्द-गिर्द घूमती थी।

आलिया-दीपिका की श्रेणी में शामिल हुए विद्युत

इसके साथ ही विद्युत जामवाल भी आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण, तब्बू और इरफान खान समेत उन बॉलीवुड कलाकारों की श्रेणी में शामिल हो गए हैं, जो हॉलीवुड की फिल्मों में

एक्टर-प्रोड्यूसर धीरज कुमार का निधन
'ओम नम: शिवाय' और 'अदालत' जैसे शोज बनाए थे

बॉलीवुड और टेलिविजन की दुनिया के नामी एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर धीरज कुमार का निधन हो गया है। उनकी तबीयत सोमवार को अचानक बिगड़ी जिसके बाद मुंबई अंधेरी स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आईसीयू में उन्हें भर्ती कराया गया था। 79 साल के धीरज कुमार कथित तौर पर एक्यूट निमोनिया से पीड़ित थे जिसके चलते उन्होंने अब दुनिया को अलविदा कह दिया है।

वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे एक्टर

धीरज कुमार बीती रात से ही वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनकी हालत काफी गंभीर बताई जा रही थी। परिवार की तरफ से भी उनकी हालत को लेकर अपडेट दिया गया था और बताया गया था कि उनको गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। तबीयत बिगड़ने से पहले वो इस्कॉन मंदिर पहुंचे थे, जहां उन्होंने दर्शन किए। इसके बाद ही उनकी सेहत अचानक बिगड़ गई और उन्हें अंधेरी के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में आनन-फानन में भर्ती कराया गया।

इंडस्ट्री को लगा बड़ा झटका

दिग्गज एक्टर-प्रोड्यूसर के निधन से इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। उनके निधन के बाद अब कई कलाकारों की तरफ से संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। हालांकि अभी तक उनके परिवार की तरफ से इस मामले पर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। ना ही परिवार की तरफ से इस पर कुछ भी कहा गया है। फिल्म निर्माता अशोक पंडित ने धीरज कुमार के निधन पर शोक जताते हुए उनकी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा- 'बहुत दुख हुआ ये जानकर कि जाने-माने एक्टर-प्रोड्यूसर धीरज कुमार अब हमारे बीच नहीं रहे। ओम शांति।'

किन-किन फिल्मों में किया काम?

धीरज कुमार एक ऐसे दिग्गज कलाकार थे जिन्होंने अभिनय, निर्देशन और निर्माण के क्षेत्र में वर्षों तक काम किया है। उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत अभिनेता के रूप में की थी और 1970 के दशक में 'दीदार', 'रातों का राजा', 'बहारों फूल बरसाओ', 'शराफत छोड़ दी मैंने', 'रोटी कपड़ा और मकान', 'सर्गम', 'क्रांति', 'मान भरों सजना' जैसी अनेक लोकप्रिय फिल्मों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। उन्होंने लगभग 21 पंजाबी फिल्मों में भी अभिनय किया है जिनमें हाल की फिल्मों 'सज्जन सिंह रंगरूट', 'इक संधू हुंदा सी', 'वॉर्निंग 2' और 'माझैल' में उनके काम को काफी पसंद किया गया था।

निर्देशक के तौर पर भी बनाया नाम

निर्देशक के तौर पर भी धीरज कुमार ने बेहतरीन काम किया। उन्होंने बच्चों के लिए बनी जादू-तिलिस्म पर आधारित फिल्म 'आबरा का डाबरा' और रहस्य-रोमांच से भरी फिल्म 'काशीः इन सर्च ऑफ गंगा' का निर्देशन किया। इसके अलावा 'ओम नमः शिवाय', 'श्री गणेश', 'अदालत', 'संस्कार', 'धूप-छांव', 'जोड़ियां कमाल की' और 'सिंहासन बत्तीसी' जैसे फेमस धारावाहिकों का निर्देशन भी उन्होंने किया है, जो दूरदर्शन और दूसरे चैनलों पर लोकप्रिय रहे।

निर्माता के तौर पर धीरज का काम

निर्माता के रूप में धीरज कुमार ने 'क्रिएटिव आई लिमिटेड' नाम की कंपनी की स्थापना की और इसके अंतर्गत उन्होंने धार्मिक, सामाजिक तथा पारिवारिक विषयों पर आधारित 30 से ज्यादा धारावाहिकों का निर्माण किया। उनके द्वारा निर्मित प्रमुख कार्यक्रमों में 'घर की लक्ष्मी बेटियां', 'श्री गणेश', 'ॐ नमः शिवाय', 'इश्क सुभान अल्लाह' और 'संस्कार' जैसे धारावाहिक शामिल हैं। उन्होंने 'काशीः इन सर्च ऑफ गंगा' और कुछ पंजाबी फिल्मों का भी निर्माण किया था।

प्रीति झंगियानी ने दीपिका का किया समर्थन
कहा- पुरुष एक्टर्स की मांग पर नहीं उठता सवाल?

हाल ही में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शूटिंग शिफ्ट की मांग को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में बहस छिड़ गई है। इस मामले पर कई सेलेब्स ने अपने विचार साझा किए हैं। ऐसे में इस मामले पर अभिनेत्री और बिजनेसवुमन प्रीति झंगियानी ने 'अमर उजाला डिजिटल' से खास बातचीत में दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शिफ्ट की मांग का समर्थन किया है।

दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी

आपको बता दें दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान छह से आठ घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी थी। इसकी वजह यह थी कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थीं। उनकी इस मांग के बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया गया। उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। संदीप रेड्डी ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी, जिसमें दीपिका को भला-बुरा कहा था। इसके बाद इस मामले पर कई सेलेब्स की प्रतिक्रिया आई।

पुरुष एक्टर्स की मांग पर नहीं उठता सवाल

प्रीति झंगियानी कहा 'मुझे नहीं लगता कि आठ घंटे की शिफ्ट की मांग करना कुछ गलत है। खासकर जब कोई नई मां हो, तब तो यह एक बहुत ही जायज और समझदारी भरी मांग है। आठ घंटे की शिफ्ट दुनिया भर में स्टैंडर्ड मानी जाती है। मैं खुद एक्ट्रेस हूं और मैंने 13 से 14 घंटे तक की शिफ्ट्स की हैं। हमें फिल्म के लिए अपना सौ प्रतिशत देना होता है, यह हम जानते हैं। लेकिन जब पुरुष एक्टर्स छह बजे के बाद शूटिंग नहीं करते या समय से पहले पैकअप मांगते हैं, तो उस पर कोई सवाल नहीं उठता। फिर जब कोई महिला,

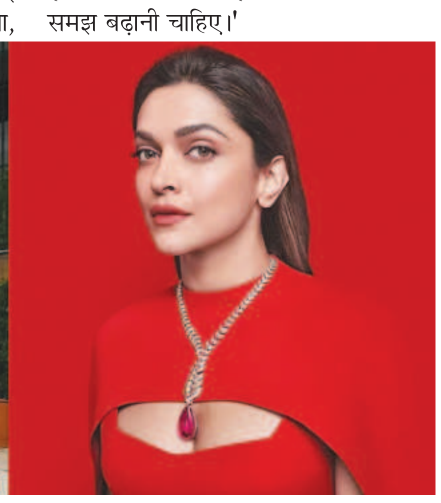

खासकर एक्ट्रेस, अपने लिए एक सीमित वर्किंग टाइम की बात करती है, तो क्यों इतनी चर्चा और बहस होती है?'

हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए

प्रीति झंगियानी ने आगे कहा 'इंडस्ट्री में बहुत बार ऐसा हुआ है कि किसी एक्ट्रेस ने किसी प्रोजेक्ट को इसलिए मना कर दिया क्योंकि वह कुछ निजी कारणों से उस वक्त शूटिंग नहीं करना चाहती थीं लेकिन उस पर कभी बहस नहीं हुई। हर किसी को अपने हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए। हर प्रोजेक्ट की जरूरतें अलग होती हैं। बातचीत आपसी समझदारी और सम्मान से होनी चाहिए, ना कि जजमेंट से। दीपिका की बात बहुत सही है। ये बहस ही दिखाती है कि हमें वर्कप्लेस पर महिला कलाकारों के प्रति समझ बढ़ानी चाहिए।'

प्रीति झंगियानी का वर्कफ्रंट

प्रीति जल्द ही फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' में नजर आएंगी, जिसमें वह पत्रकार अंजना सिंह की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है और रिलीज से पहले ही चर्चा में है।

फिल्म के अलावा प्रीति का काम

प्रीति जल्द ही 'प्रो पंगा लीग सीजन 2' के साथ लौट रही हैं। यह एक अनोखी खेल लीग है जो गांव के खिलाड़ियों को मंच देती है। इस पर उन्होंने कहा 'हम अगले महीने प्रो पंगा लीग सीजन 2 लॉन्च कर रहे हैं। ये एक ऐसा खेल है जो आमतौर पर अनदेखा रह जाता है, लेकिन इसके अंदर बहुत से टैलेंटेड एथलीट्स हैं, पुरुष, महिला और पैरा एथलीट्स भी।'

संजय दत्त के बयान पर निर्देशक लोकेश कनगराज ने दी प्रतिक्रिया, बोले- 'मुझसे गलती हो सकती है'

हाल ही में अभिनेता संजय दत्त ने निर्देशक लोकेश कनगराज पर 'लियो' फिल्म में उनके किरदार को खराब करने को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि वो फिर भी उन्हें पसंद करते हैं। अब संजय दत्त के इस बयान लोकेश कनगराज ने प्रतिक्रिया दी है।

बयान के बाद संजय दत्त ने किया था लोकेश को फोन

लोकेश कनगराज ने संजय दत्त के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस वायरल वीडियो के तुरंत बाद संजय दत्त ने मुझे फोन किया और कहा कि मैंने एक मजेदार टिप्पणी की थी, लेकिन लोगों ने उसे काटकर डाल दिया। यह बहुत अजीब लग रहा है और मेरा ऐसा मतलब नहीं था। इसपर मैंने उनसे कहा कि कोई बात नहीं सर।

लोकेश ने स्वीकारा हो सकती है गलती

हालांकि, इसके बाद लोकेश ने यह भी स्वीकार किया कि हो सकता है कि संजय दत्त का किरदार लिखते वक्त मुझसे कोई गलती हो गई हो। उन्होंने कहा कि मैं कोई जीनियस या दुनिया का कोई महान फिल्मकार नहीं हूं कि ऐसा कुछ न करूं जिससे दूसरे किरदारों पर बुरा असर पड़े। मैंने अपनी फिल्मों में बहुत सारी गलतियां की हैं। यह सब सीखना है। तो हां मैं शायद संजय दत्त के साथ सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक निभाऊंगा।

संजय दत्त ने दिया था यह बयान

पिछले दिनों अपनी आगामी फिल्म 'केडी- द डेविल' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान संजय दत्त ने थलपति विजय की 'लियो' में एंटनी दास के अपने किरदार को लेकर बात की थी। इस दौरान संजय ने कहा था कि मुझे थलपति विजय के साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। मैं लोकेश से नाराज हूं क्योंकि उन्होंने मुझे कोई बड़ा रोल नहीं दिया। उन्होंने मुझे बर्बाद कर दिया। अब इसी पर लोकेश ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

दिलजीत के पाक एक्ट्रेस हानिया संग काम करने पर भड़के अनुपम खेर

दिग्गज अभिनेता और फिल्म निर्माता अनुपम खेर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' को लेकर सुर्खियों में हैं. वहीं अनुपम अपनी बेबाक राय रखने के लिए भी जाने जाते हैं. एक्टर ने अब अपने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में पंजाबी फिल्म 'सरदार जी 3' को लेकर चल रहे विवाद पर अपनी राय दी है. इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने लीड रोल प्ले किया है और वे फिल्म के को-प्रोड्यूस भी हैं. दिलजीत भारत-पाक टेंशन के चलते 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अदाकारा हनिया आमिर संग काम कर खूब आलोचना झेल रहे हैं.

हानिया संग दिलजीत के काम करने पर क्या बोले अनुपम खेर?

वहीं हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अनुपम खेर ने दिलजीत के पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर संग काम करने पर बात की. उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि दिलजीत दोसांझ को अपनी पसंद चुनने का अधिकार है, लेकिन वह पर्सनली ये रास्ता नहीं अपनाएंगे. 'तन्वी द ग्रेट' के निर्देशक ने कहा, ₹यह उनका फंडामेंटल राइट है. उन्हें अपने अधिकार का इस्तेमाल करने की पूरी आज़ादी है और उन्हें इसकी आज़ादी दी जानी चाहिए. मैं अपने नज़रिए से कह सकता हूं कि शायद मैं वह नहीं करता जो उन्होंने किया.

कला के लिए अपनी बहन का सिंदूर मिटते नहीं देख सकता

अनुपम खेर ने आगे कहा, ₹मैं कहूँगा, 'तुमने मेरे पिता को थप्पड़ मारा, लेकिन तुम बहुत अच्छा गाते हो, बहुत अच्छा तबला बजाते हो, इसलिए मेरे घर आकर परफॉर्म करो. लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगा. मैं इतना महान नहीं हूं.₹ एक्टर ने आगे कहा,₹मैं उसे पलटकर नहीं मारूंगा, लेकिन मैं उसे यह अधिकार नहीं दूंगा... जो नियम मैं अपने घर पर मानता हूं, वही अपने देश में भी मानता हूं. मैं इतना महान नहीं हूं कि अपने परिवार को पिटते हुए देख सकूं या कला के लिए अपनी बहन का सिंदूर मिटते हुए देख सकूं जो ऐसा कर सकते हैं, उन्हें पूरी आज़ादी है.

'सरदार जी 3' को लेकर विवाद क्या है

बता दें कि दिलजीत दोसांझ के 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हनिया आमिर संग काम करने की वजह से विवाद हो रहा है. दरअसल पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक और पीओके में घुसकर उसके कई आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए थे. भारत की इस कार्रवाई की हानिया आमिर ने कभी आलोचना की थी. वहीं भारत ने पाक से चल रही टेंशन के बीच पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भी बैन कर दिए थे. ऐसे माहौल में दिलजीत का पाक एक्ट्रेस हानिया संग काम करना लोगों को रास नहीं आ रहा है. हालांकि आलोचना के बाद, सरदार जी 3 के मेकर्स ने फिल्म को भारत में रिलीज़ नहीं किया है. इसके बजाय, इसका प्रीमियर 27 जून को पाकिस्तान सहित विदेशी बाजारों में हुआ.

रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया ने शेयर की कृति संग फोटो, क्या कंफर्म कर दिया अपना रिलेशनशिप?

कृति सेनन का नाम पिछले कुछ वक्त से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ जोड़ा जा रहा है। अक्सर दोनों कई मौकों पर साथ भी देखे गए। लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा। कृति कई इंटरव्यूज में खुद को सिंगल ही बताती रहीं। लेकिन अब ऐसा लगता है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक करने की सोच रहे हैं। क्योंकि कबीर बहिया की हालिया स्टोरी तो कुछ ऐसा ही बयां करती है।

कबीर ने शेयर की फोटो

भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच के पांचवें दिन कई बॉलीवुड सेलेब्स भी मैच देखने पहुंचे थे। इस दौरान अभिनेत्री कृति सेनन भी अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ इस मैच का लुत्फ उठाते दिखीं। दोनों की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आईं। लेकिन अब खुद कबीर बहिया ने कृति सेनन के साथ एक तस्वीर मैच के दौरान की शेयर की है। कबीर ने मैच से जुड़ी कई स्टोरी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसी में कबीर ने कृति सेनन के साथ भी एक फोटो शेयर की है। यह एक सेल्फी है जिसमें कृति कबीर के साथ खड़ी हैं। फोटो में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। पीछे लॉड्र्स का ग्राउंड भी दिख रहा है।

रिश्ते पर दोनों ने साध रखी चुप्पी

इससे पहले भी कई मौकों पर कृति और कबीर को साथ देखा गया है। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। न ही दोनों में से किसी ने भी इस तरह से एक-दूसरे के साथ कोई तस्वीर साझा की। ऐसे में अब कबीर ने कृति के साथ ये तस्वीर शेयर करके कहीं न कहीं दोनों के रिश्ते को आधिकारिक करने का काम किया है।

'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी कृति

वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। इस फिल्म को इसी साल 28 नवंबर को रिलीज होना है।

शादी करते ही बर्बाद हुआ करियर, फिर भी बॉलीवुड में बोलती है तूती, 10000 करोड़ का मालिक है पति!

ये हसीना कोई और नहीं बल्कि दिव्या खोलसा हैं, जिन्हें इंडस्ट्री में काम करते हुए लगभग 20 साल हो चुका है. लेकिन, अभी भी वो एक सोलो हिट के लिए तरसती हैं. वैसे दिव्या बहुत खूबसूरत हैं और उनकी खूबसूरती के चर्चे आज भी लोगों करते हैं. बता दें दिव्या प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में बनी रहती हैं.

एक्ट्रेस टी-सीरीज म्यूजिक लेबल और फिल्म प्रोडक्शन कंपनी के मालिक भूषण कुमार की पत्नी हैं. बता दें भूषण कुमार के पिता का नाम दिवंगत गुलशन कुमार है.2004 में दिव्या ने अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों से बॉलीवुड में कदम रखा था. इस फिल्म में उन्हें अक्षय कुमार और बॉबी देओल के संग रोमांस करते हुए देखा गया था.

हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी. बॉलीवुड डेब्यू के बाद दिव्या ने 13 फरवरी 2005 को भूषण कुमार संग मां वैष्णों देवी मंदिर में शादी कर ली. शादी के छह साल बाद वो एक बेटे की मां बनीं और इंडस्ट्री से दूरी बना ली. हालांकि, दिव्या ने जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते 2 से कमबैक किया, लेकिन ये फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई.

बता दें फ्लॉप एक्ट्रेस साबित होने के बाद भी दिव्या करोड़ों में कमाई करती हैं. दिव्या की नेटवर्थ 206 करोड़ रुपए बताई जाती है. इतना ही नहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि एक्ट्रेस हर महीने 24 करोड़ रुपये की कमाई करती हैं. भूषण कुमार की नेटवर्थ 10,000 करोड़ रुपए हैं.

पत्नी की छोटी-छोटी बातों को न करें नजरअंदाज रिश्ते मजबूत करेंगे ये तरीके

शादी के बाद अक्सर देखा जाता है कि वक्त के साथ पति-पत्नी के बीच बातचीत कम होने लग जाती है और शिकायतें बढ़ जाती हैं. पत्नियों की अक्सर यह शिकायत रहती है कि उनके पति उन्हें समय नहीं देते हैं. इसके अलावा उनकी बातों को भी गंभीरता से नहीं लेते हैं या फिर हर बहस को झगड़ा मान लेते हैं. जिससे दोनों के रिश्ते में दूरी और बेरुखी बनने लग जाती है.

इसे लेकर कुछ एक्सपर्ट्स मानते हैं कि किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए बातचीत, समझ और सम्मान सबसे जरूरी होता है. खासतौर पर पति को कुछ बातें ध्यान में रखनी चाहिए, जिससे न सिर्फ पत्नी को बेहतर महसूस होगा बल्कि रिश्ता भी गहराएगा. ऐसे में चलिए आज हम आपको वह पांच तरीके बताएंगे जो किसी भी शादीशुदा जिंदगी को बेहतर बना सकते हैं.

छोटी-छोटी बातों में पत्नी को दें सम्मान

कई बार पति को पत्नी की बातें या प्रतिक्रियाएं बचकानी सी लग सकती हैं, लेकिन उन बातों को नजरअंदाज करने से रिश्तों में और दूरियां आ जाती हैं. ऐसे में पत्नी के विचारों और उनकी भावनाओं को अहमियत देना जरूरी है. वहीं, सम्मान देने का मतलब सिर्फ बड़े फैसलों में राय लेना नहीं बल्कि रोज की बातों को गंभीरता से सुना जाना भी होता है.

पत्नी को भी फैसले लेने की आजादी दें

हर छोटी-बड़ी बात के लिए पत्नी को जवाबदेह ठहराना या उससे हर कदम पर सवाल पूछता रिश्ते में असहजता लाता है. ऐसे में पति को चाहिए कि वह पत्नी को खुद के फैसले लेने की भी छूट दें. जैसे घर के समान को सेलेक्ट करना, बच्चों से जुड़ी बातें या रोजाना की दिनचर्या तय करना यह सभी छोटी-छोटी चीजें आपकी पत्नी का आपके ऊपर भरोसे का एक संकेत होता है.

दिन में एक बार जरूर करें पत्नी की तारीफ

हर महिला चाहती है कि उनकी मेहनत को सहारा जाए. अगर पति दिनभर में एक बार भी पत्नी की तारीफ कर दें चाहे वह खाने को लेकर हो, घर की साफ सफाई को लेकर हो या बच्चों की देखभाल को लेकर हो तो पत्नी को अच्छा महसूस होता है. ऐसे में रिश्ते में पॉजिटिविटी और एनर्जी बनी रहती है.

पत्नी का इमोशनल सपोर्ट बनें

सिर्फ पैसे कमाना ही पति का कर्तव्य नहीं होता है. पत्नी को तब सबसे ज्यादा पति की जरूरत होती है जब वह मानसिक रूप से कमजोर महसूस कर रही हो. ऐसे में पति को एक ऐसा साथ बनना चाहिए जिससे पत्नी खुलकर बात कर सके. क्योंकि भावनात्मक सुरक्षा हर एक रिश्ते की नींव होती है और यह पति को समझना चाहिए.

पत्नी को छोटे गिफ्ट देकर बढ़ाएं प्यार

गिफ्ट्स का मतलब हमेशा महंगे तोहफे नहीं होते हैं. कई बार एक चॉकलेट, फूल या मनपसंद चीज लाकर देना भी पत्नी के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है. वहीं यह छोटी-छोटी चीज करके पति अपनी पत्नी की पसंद, ना पसंद का ख्याल रख सकते हैं. कई बार पत्नी की सिर्फ बात सुन लेने, एक बार तारीफ कर देने या फिर थोड़ा समय साथ बताने से रिश्ता पहले से कई ज्यादा मजबूत हो जाता है. अगर आप भी आपके रिश्ते में चाहते हैं कि प्यार बना रहे तो पत्नी की छोटी-छोटी बातों को गंभीरता से लेना शुरू करें. क्योंकि यही से रिश्ते की मजबूत शुरुआत होती है.

क्या बार-बार आता है आपकी पत्नी को गुस्सा, इन तरीकों से करें शांत

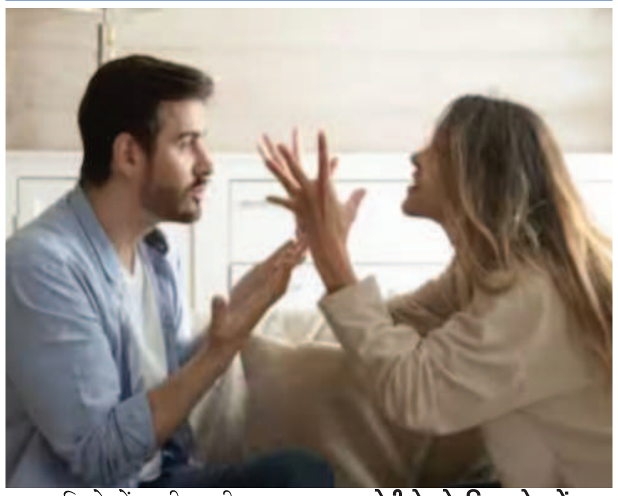

हर रिश्ते में कभी-कभी तू-तू, मैं-मैं होना आम बात है, लेकिन जब आपकी पत्नी बार-बार गुस्सा हो जाए तो मामला थोड़ा गंभीर हो सकता है. इसका मतलब ये नहीं कि प्यार खत्म हो गया है, बल्कि अब वक्त है समझदारी से रिश्ता संभालने का. अगर आप ये सोच रहे हैं कि आखिर उन्हें कैसे शांत किया जाए, तो जवाब है प्यार, समझ और थोड़ी चालाकी के साथ.

शांत रहकर सुनें:

तुरंत सफाई देने या तर्क करने की बजाय बस ध्यान से सुनें. उन्हें लगेगा कि आप उनकी भावनाओं को महत्व दे रहे हैं. क्योंकि गुस्से के पीछे अक्सर कोई अनकही बात होती है, उसे पकड़ना जरूरी है.

माफी मांगना कमजोरी नहीं:

अगर गलती आपकी नहीं भी है, तो भी एक सच्ची माफी रिश्ते को बचा सकती है, ये तो प्यार निभाने का तरीका है.

थोड़ी देर के लिए स्पेस दें:

अगर मामला ज्यादा गरम है तो उन्हें थोड़ी देर अकेला छोड़ दें. टहलने जाएं, कोई काम कर लें और उन्हें भी सोचने का मौका दें.

उनके मनपसंद चीज से करें सरप्राइज

छोटे-छोटे सरप्राइज मूड बदलने में बड़ा रोल निभाते हैं. ये दिखाता है कि आप उनके लिए सोचते हैं और उन्हें खुश देखना चाहते हैं.

हंसी में बदलें माहौल:

ये तभी करें जब गुस्सा थोड़ा ठंडा हो गया हो. टाइमिंग सही हो तो आपकी एक मुस्कान झगड़ा खत्म कर सकती है.

दिल से बात करें:

उनसे खुलकर बात करें कि आप उन्हें कितना चाहते हैं और उनके बिना सब अधूरा है. जब वो ये महसूस करेंगी कि आप उनके लिए गंभीर हैं, तो गुस्सा खुद-ब-खुद पिघल जाएगा.

आखिर क्यों महिलाएं ले रहीं तलाक?

पार्टनर की छोटी-छोटी गलतियों को भी नहीं कर रहीं नजरअंदाज

शादी कोई बच्चों का खेल नहीं, बल्कि सात जन्मों का बंधन है...घर में बड़े-बुजुर्गों से ये बात अक्सर सुनी होगी. शादी को जीवन का अहम पड़ाव माना जाता था. लेकिन अब ये पड़ाव कमजोर होता जा रहा है. तलाक के केस सामने आ रहे हैं. आखिर क्या हैं इसके पीछे वजह और कब ऐसी स्थिति बनती है, आइए जानते हैं.

शादी निभाने का दबाव नहीं

पहले शादी को सात जन्मों का बंधन समझा जाता था. अगर ग्रैंड पैरेंट्स की पीढ़ी पर गौर करें तो एक बार शादी हो गई तो जीवनभर का रिश्ता पक्का हो गया. इस रिश्ते को तोड़ना तो छोड़िए, ऐसे ख्याल भी उनके मन में कभी नहीं आए होंगे. इसके पीछे कई वजह भी सकती हैं, जैसे उस दौरान महिलाओं के नाम से कोई बैंक अकाउंट नहीं होते थे, न ही किसी तरह कोई मदद होती थी. ऐसे में शादी सर्वाइवल बन जाती थी. लेकिन अब महिलाओं के पास च्वॉइस है. सिर्फ दिखावे के लिए उन पर शादी के बंधन निभाने का बोझ नहीं है. वह अपना फैसला ले सकती हैं. जिस घर को उन्होंने प्यार के साथ बनाया, उससे बाहर निकल सकती हैं.

अच्छा बनना काफी नहीं

एक जेनरेशन पहले महिला के लिए इतना ही काफी होता था कि उसका पति धोखा नहीं देता, मारपीट नहीं करता आदि. लेकिन अब समय बदला है. अब महिलाएं मामूली चीजों पर सवाल खड़े करती हैं. वह भावनात्मक जुड़ाव, साझा विकास, आपसी सहयोग की मांग कर रही हैं. अगर यह नहीं मिलता है, तो वे दूर चली जाती हैं.

तलाक शर्म नहीं

अब महिलाएं तलाक को शर्म से नहीं, बल्कि स्पष्टता के रूप में देखती है. वे अब तलाक को अपमान के रूप में नहीं, बल्कि एक निर्णय के रूप में देखती हैं. वह अब इसको लेकर चिंतित नहीं रहतीं कि पड़ोसी क्या कहेंगे और समाज क्या कहेगा. वह अपना फैसला लेती हैं.

सहती हैं कष्ट

कई महिलाएं अपने बच्चों की खातिर अनहैप्पी मैरिज लाइफ में बंधी रहती हैं. लेकिन बच्चों को परफेक्ट फैमिली नहीं, बल्कि इमोशनली रूप से हेल्दी फैमिली की जरूरत होती है. वह पैरेंट्स को देखकर सीखते हैं. जब महिला दिखावे के बजाय शांति का चुनाव करती है, तो वह घर नहीं तोड़ रही होती है. महिला अपने बच्चों को दिखा रही होती है कि आत्म-सम्मान कैसा होता है.

पार्टनर को अकेला महसूस होने लगे

जब पार्टनर महिला की फीलिंग नहीं समझता है, तो वह अकेलापन महसूस करने लगती हैं. उनकी ओर ध्यान नहीं दिया जाता. कई महिलाएं इसलिए तलाक नहीं लेतीं कि उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है, बल्कि इसलिए ये कि उन्हें लगता है कि कोई उनकी ओर देखने वाला ही नहीं है.

बदल रहीं हैं महिलाएं

अक्सर इसको लेकर चर्चा होती है कि अब विवाह बंधन कमजोर होते जा रहे हैं. इसमें बदलाव दिख रहा है. लेकिन सच्चाई शायद ये है कि अब महिलाएं बदल गईं हैं. यह कोई त्रासदी नहीं है, बल्कि यह एक जीत है. वे प्रेम से दूर नहीं जा रही हैं, वे इसकी ओर बढ़ रही हैं. उन्हें एक ऐसे रिश्ते की चाह रहती है जिसमें गहरा प्रेम शामिल हो.

इन आदतों वाले लड़के से खुश रहती है बीवी? बेस्ट पति बनने का तरीका

शादी के बाद पति-पत्नी के बीच आजकल की रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के कारण प्यार धीरे-धीरे कहीं खो जाता है. लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपकी बीवी हमेशा खुश रहे. साथ ही आपके रिश्ते कभी कमजोर न हो तो इसके लिए आपको कोई महंगी चीज नहीं बल्कि थोड़ी समझदारी और अच्छी आदतें चाहिए. एक अच्छा पति वही होता है जो हर छोटी बात में प्यार जताएं बीवी को इज्जत दें और सपोर्ट करें. ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह की आदतों वाले लड़के से बीवियां खुश रहती है और बेस्ट पति बनने के क्या तरीके हैं.

अच्छा पति बनने के लिए आपके पति-पत्नी के रिश्ते की शुरुआत सबसे पहले दोस्ती से होनी चाहिए. जब बीवी आपको अपना सबसे करीबी मानेगी तो आपके बीच खुलकर हर चीज को लेकर बात होगी. ऐसे में आपकी बीवी अपने हर सुख दुख की बात सबसे पहले आपसे शेयर करेगी, तभी आपकी बीवी खुद को सेफ और इज्जतदार भी महसूस करेगी.

इसके अलावा शादी के बाद आप खुद का भी ख्याल रखें. शादी के बाद आप अपनी लुक और सेहत को नजरअंदाज न करें, क्योंकि जब आप अच्छे दिखते हैं तो आपकी पत्नी को भी आप पर गर्व महसूस होता है कि उनके पति खुद को भी उतना ही महत्व देता है.

बेस्ट पति बनने के लिए आप अपनी पत्नी की बातें ध्यान से सुनें. अपनी बीवी की बात सुनने के साथ ही आप उनकी बातों को अच्छे से समझें भी, क्योंकि जब आप उनकी बातों को ध्यान से सुनते हैं तो वह खुद को अहम महसूस करती है और आपके साथ और भी जुड़ा हुआ महसूस करती है.

अच्छा पति बनने के लिए आप अपनी पत्नी के सपनों को उड़ान दें. अगर आपकी पत्नी कोई सपना देखती है तो उसका मजाक न उड़ाएं, बल्कि उसका साथ दें. साथ ही, उन्हें मोटिवेट करें. जब आप अपनी पत्नी के सपनों में यकीन करेंगे तो वह आपके प्यार और गहराई से और ज्यादा जुड़ेगी.

आजकल के जीवन में कोई भी परफेक्ट नहीं होता है. ऐसे में आप अपनी पत्नी को भी उनकी कमियों के साथ अपनाएं. अगर आपकी पत्नी की कोई आदत आपको पसंद नहीं है तो उन्हें प्यार से समझाएं. साथ ही, उसे उसकी अच्छाइयों के साथ भी स्वीकार करें.

मानसून में बालों को बचाने के आसान टिप्स

मानसून जहां एक तरफ गर्मी से राहत देता है, वहीं दूसरी ओर यह बालों के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण मौसम भी हो जाता है. बारिश की नमी, गंदगी और उमस से बाल चिपचिपे, कमजोर और बेजान हो जाते हैं. इस मौसम में सबसे आम समस्या होती है हेयर फॉल, डैंड्रफ और स्कैल्प इंफेक्शन की, खासकर जब आप ऑफिस या कॉलेज जा रहे हों और बाल बार-बार उलझें या चिपकें बालों की वजह से सारा लुक बिगड़ जाता है. ऐसे में जरूरत है एक स्मार्ट हेयर केयर रूटीन की, जो मानसून की मुश्किलों से बालों को बचा सके.

इस पर डॉ. कहती हैं, मानसून में बालों की देखभाल सिर्फ शैंपू या तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि आपकी रोजमर्रा की आदतें भी इसमें अहम भूमिका निभाती हैं. तो आइए जानते हैं वो 3 आसान टिप्स, जिनसे आप मानसून में अपने बालों को हेल्दी और चमकदार रख सकती हैं.

गीले बालों को बांधने से बचें

बारिश में बाल जल्दी भीगते हैं और देर से सूखते हैं. ऐसे में गीले बालों को बांधना सबसे बड़ी गलती है. इससे स्कैल्प में नमी बनी रहती है, जो फंगल इंफेक्शन और डैंड्रफ को बढ़ावा देती है. बालों की जड़ें कमजोर होती हैं, जिससे हेयर फॉल की समस्या बढ़ती है. कोशिश करें कि बाल सूखने के बाद ही बांधें.

ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल करें

मानसून में नेचुरल ड्राइंग कई बार संभव नहीं होता, ऐसे में ब्लो ड्रायर का सहारा लिया जा सकता है. लेकिन कुछ सावधानियों के साथ. ड्रायर को हमेशा

कूल मोड पर इस्तेमाल करें. बालों से करीब 6 इंच की दूरी पर रखें. साथ ही हीट प्रोटेक्शन सीरम लगाना न भूलें. क्योंकि सही तरीके से इस्तेमाल किया गया ड्रायर बालों को जल्दी सूखाने के साथ-साथ उन्हें स्टाइलिश भी बनाता है.

एंटी फंगल शैंपू का इस्तेमाल करें

मानसून में स्कैल्प पर पसीना, नमी और धूल जम जाती है जिससे फंगल इंफेक्शन हो सकता है.इस मौसम में मेडिकेटेड या एंटी-फंगल शैंपू का इस्तेमाल हफ्ते में 2 बार करें. शैंपू करते समय स्कैल्प पर हल्की मसाज करें और फिर गुनगुने पानी से धोएं.

मानसून में बालों की देखभाल मुश्किल नहीं, बस समझदारी और थोड़ी सी सावधानी चाहिए. गीले बालों को खुला रखना, ब्लो ड्रायर का सही इस्तेमाल और स्कैल्प की साफ-सफ़ाई, ये तीन साधारण कदम आपके बालों को इस मौसम में टूटने और चिपचिपा होने से बचा सकते हैं.

बारिश में डेट पर जाने से पहले जान लें ये बातें वरना रोमांस की जगह होगी शर्मिंदगी

बारिश का मौसम प्यार और रोमांस के लिए सबसे प्यारा मौसम माना जाता है। कितना अच्छा हो न कि हल्की-हल्की फुहारें, भीगी हवा और चाय की चुस्की के साथ एक खास शख्स का साथ.मिल जाए। लेकिन ये रोमांटिक सीन तभी खूबसूरत लगता है जब आप थोड़ा तैयार होकर जाएं। वरना बारिश की गड़बड़ी और कपड़ों की झिझक रोमांस को शर्मिंदगी में बदल सकती है। चाहें पहली डेट हो या कई बार मिल चुके हों, मानसून की एक छोटी सी तैयारी आपकी मुलाकात को यादगार बना सकती है। इसलिए अगर आप भी बारिश में डेट पर जाने की सोच रहे हैं, तो ये 5 जरूरी बातें ज़रूर ध्यान रखें। डेट पर जाने से पहले जानें ये मानसूनी टिप्स

सही कपड़ों चुनें

बारिश में भारी और ट्रांसपेरेंट कपड़े पहनना ठीक नहीं होता है। हल्के रंगों और कॉटन के बजाय सिंथेटिक या जल्दी सूखने वाले फैब्रिक चुनें। लड़कियों के लिए पलाज़ो या लॉन्ग कुर्ती और लड़कों के लिए ट्राउजर या नायलॉन जींस बेहतर रहेगी।

वॉटरप्रूफ फुटवियर पहनें

बारिश में रोमांस तभी रहेगा जब आप फिसलेंगे नहीं। चमड़े के जूते या हील्स की जगह फ्लैट्स,

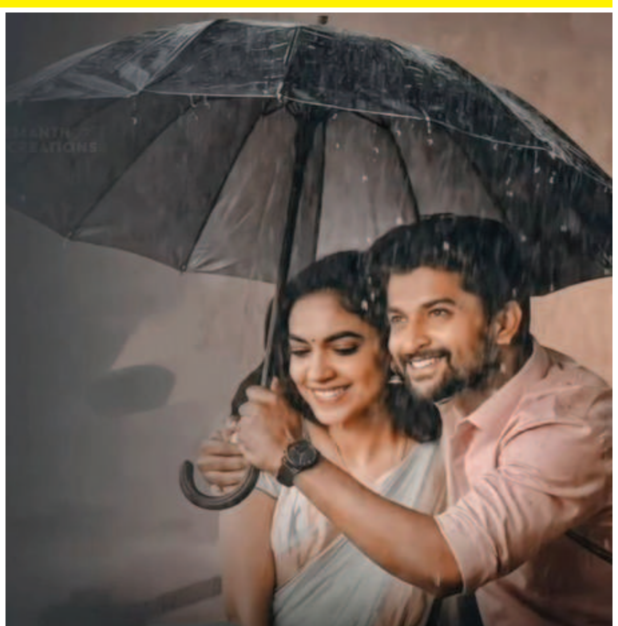

स्नीकर्स या रबर सैंडल्स पहनें। बारिश में ये पहनने में सहज और आरामदायक होते हैं।

छाता या रेनकोट न भूलें

कभी भी ₹बस हल्की बारिश है₹ सोचकर घर से न निकलें। एक स्टाइलिश छाता या कॉम्पैक्ट रेनकोट साथ रखें।ये आपको भी बचाएगा और रोमांटिक पल भी बना सकता है!

डेट के लिए सही जगह

खुली छत या सड़क किनारे कैफे मानसून में रोमांटिक जरूर लगते हैं, लेकिन अचानक आई तेज बारिश से मूड बिगड़ सकता है। इसलिए ऐसी जगह चुनें जो बारिश प्रूफ और कम भीड़ वाली हो।

जरूरी सामान

बररसात में जब भी बाहर निकलें तो टिशू और परफ्यूम जरूर साथ रखें। नमी और पसीने की वजह से अक्सर चेहरे और बॉडी से बदबू आने लगती है। डेट से पहले हल्का परफ्यूम और वेट वाइप्स रखना समझदारी है।

10 वर्ष बाद भी क्यों टूटती है शादी?

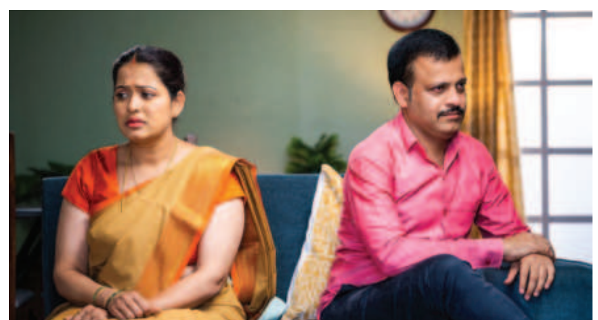

भारत में शादी को एक पवित्र बंधन माना जाता है, जो जन्मों-जन्मों का संबंध बन जाता है। लेकिन आज के दौर में शादियां टूटने के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। शादी के शुरुआती वर्षों में कपल के बीच समस्याएं होना सामान्य हो सकता है क्योंकि वह एक दूसरे को समझने और इस रिश्ते को संभालने के दौर में होते हैं लेकिन अब जो मामले आ रहे हैं उसमें शादी के वर्षों बाद कपल अपना रिश्ता खत्म करने लगे हैं। हाल ही में बैडमिंटन स्टार प्लेयर साइना नेहवाल ने अपने बचपन के दोस्त और साथी खिलाड़ी रहे पी कश्यप से शादी के सात साल बाद तलाक ले लिया। इसके पहले स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शोएब मलिक से शादी के 14 साल बाद तलाक ले लिया। एक्टर आमिर खान और किरण राव का भी 16 साल की शादी के बाद तलाक हो गया था।

सवाल है कि शादी के इतने साल साथ रहने के बाद रिश्ता टूटने की कगार पर कैसे और क्यों आ जाता है? भारत में कई कपल 8 से 12 साल के वैवाहिक जीवन के बाद तलाक का निर्णय लेते हैं। यह वो समय होता है जब बाहर से सब कुछ 'स्थिर' लगता है, लेकिन अंदर ही अंदर रिश्तों में कुछ दरारें पड़ चुकी होती हैं। आइए जानते हैं शादी के कई साल बाद तलाक होने के मुख्य कारण और इससे कैसे बचा जा सकता है। शादी के 10 साल बाद तलाक की मुख्य वजहें:

भावनात्मक दूरी

समय के साथ कपल्स के बीच बातचीत कम होने लगती है। उनके बीच 'हम' का भाव खो जाता है और मैं व तुम जगह ले लेता है। वह एक-दूसरे की जरूरतों को समझना कम कर देते हैं। यह वो दौर होता है जब उनका रिश्ता 'ऑटो पायलट' मोड पर चलने लगता है।

इन्टिमेसी की कमी

शुरुआती वर्षों में जो रोमांस और शारीरिक आकर्षण होता है, वो समय के साथ कम हो सकता है। यदि इस पर खुलकर बात न हो तो ये दूरी गहरी हो जाती है। रोमांस की कमी रिश्ते में बोरियत और दूरी लाती है।

प्राथमिकताएं बदलना

शादी के शुरुआती दिनों में कपल एक दूसरे के बारे में सोचते हैं। अपनी जीवनशैली और करियर को एक दूसरे के अनुसार ढालने की कोशिश करते हैं। लेकिन शादी के कुछ वर्ष बीतने पर कई बार पति-पत्नी की प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। कोई करियर में आगे बढ़ना चाहता है तो कोई परिवार को प्राथमिकता देता है। इस असंतुलन से मनमुटाव हो सकता है।

जिम्मेदारियों का दबाव

शादी के शुरुआती वर्षों में कपल पर न तो बहुत अधिक जिम्मेदारियां होती हैं और न उन्हें पूरा करने का दबाव ही अधिक होता है। 10 साल बाद बच्चों, बुजुर्गों और वित्तीय जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ता है। जब एक पार्टनर खुद को अकेला महसूस करता है, तो रिश्ते में खटास आना तय है।

पुराने झगड़ों का बोझ

कुछ कपल्स अपने पुराने झगड़े और समस्याओं को भुला नहीं पाते। वो अंदर ही अंदर कुंठा पालते रहते हैं, जो समय के साथ रिश्ता खत्म कर देती है।

बोरियत और दोहराव

शादी के कुछ वर्षों बाद हर दिन एक जैसा लगने लगता है। न कोई रोमांच, न कोई नई बात रिश्ते में बोरियत का भाव लाती है। कपल्स जब साथ रहते हुए भी अलग महसूस करने लगें, तो रिश्ते की नींव हिल जाती है।

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के अगले हिस्से में पोषण लेबल हो अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट का नियामक को निर्देश

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण को पैक्ड खाद्य पदार्थों पर फ्रंट-ऑफ-पैक न्यूट्रिशन लेबल लागू करने का निर्देश दिया है। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा, जो संसद की अधीनस्थ विधायी समिति के अध्यक्ष भी हैं, ने यह जानकारी सोशल मीडिया एक्स पर साझा की।

एफएसएसएआई और एफओपी क्या है?

एफएसएसएआई एक स्वायत्त निकाय है, जो भारत में खाद्य सुरक्षा और मानकों को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह सुनिश्चित करता है कि देश में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थ सुरक्षित और स्वस्थ हैं। फ्रंट-ऑफ-पैक पोषण लेबल, खाद्य पदार्थों के पैकेज के सामने की तरफ दी गई जानकारी है, जो उपभोक्ताओं को यह समझने में मदद करती है कि कोई उत्पाद कितना स्वस्थ है। यह जानकारी अक्सर एक सरल, संक्षिप्त और ग्राफिक प्रारूप में प्रस्तुत की जाती है, जैसे कि रंग-कोडित प्रणाली या प्रतीक।

देवड़ा ने ए-टू-डी न्यूट्री-ग्रेड प्रणाली की सिफारिश की

देवड़ा ने लिखा कि मैंने सिंगापुर की स्पष्ट ए-टू-डी न्यूट्री-ग्रेड प्रणाली का अध्ययन करने की सिफारिश की है। देवड़ा की पोस्ट के अनुसार इस कदम से एफएसएसएआई को बिना किसी देरी के अनुपालन करने और भारतीय उपभोक्ताओं को स्वस्थ विकल्प चुनने के लिए सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। इससे देश में बढ़ते मोटापे के संकट को रोका जा सकेगा। ए-टू-डी न्यूट्री-ग्रेड प्रणाली खाद्य पदार्थों में, एक ग्रेडिंग प्रणाली है जो खाद्य पदार्थों को उनके पोषण मूल्य के आधार पर वर्गीकृत करती है। यह प्रणाली खाद्य पदार्थों को ए(सबसे अच्छा) से डी (सबसे खराब) तक के ग्रेड में विभाजित करती है।

स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रस्ताव

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में विभिन्न स्थानों पर स्वस्थ आहार संबंधी आदतों को बढ़ावा देने के लिए चीनी और तेल बोर्ड बनाने का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार, ये बोर्ड स्कूलों, दफ्तरों और सार्वजनिक संस्थानों में दृश्यात्मक व्यवहारिक संकेतों के रूप में काम करेंगे। इन पर रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में छिपे वसा और शक्कर की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

भारतीय स्नैक्स पर भी नियंत्रण की जरूरत

सोमवार को देवड़ा ने कहा कि भारत को बढ़ते मोटापे की समस्या से निपटने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के साथ-साथ जलेबी और समोसे जैसे भारतीय स्नैक्स पर भी नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम कार्यस्थलों में स्थायी व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रमुख पहल का हिस्सा है। इनमें तेल और चीनी के अत्यधिक सेवन को कम करना शामिल है, जो मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य जीवनशैली संबंधी विकारों की बढ़ती दरों में प्रमुख योगदानकर्ता हैं।

अनिल अंबानी की इस कंपनी ने कर दी पैसों की बारिश

एक साल में दोगुना रिटर्न, क्यों आई तेजी?

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की दो प्रमुख कंपनियां रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस पावर निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रही हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों ने पिछले 12 महीनों में कमाल का प्रदर्शन किया है। इसने निवेशकों की रकम को दोगुना कर दिया है। यानी एक साल में इसका रिटर्न करीब 100 फीसदी रहा है। शेयर में तेजी का कारण कंपनी के कर्ज में आई कमी है। वहीं इसकी क्रेडिट रेटिंग में भी तीन पायदान का सुधार हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में भी फिर से तेजी आई है। इन वजहों से कंपनी के शेयरों में उछाल आया है। मंगलवार को रिलायंस इंफ्रा का शेयर तेजी के साथ 391.20 रुपये पर खुला था। बाद में इसमें और तेजी आई। कुछ ही देर में यह 395.20 रुपये पर पहुंच गया। लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरू हो गई। दोपहर 1 बजे यह 0.35% की गिरावट के साथ 387.80 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

क्या और तेजी आएगी?

सवाल है कि क्या इस शेयर में और तेजी आएगी। कुछ जानकारों का कहना है कि यह

500 रुपये तक जा सकता है। इस हफ्ते कंपनी के बोर्ड की मीटिंग होने वाली है। इसमें फंड जुटाने पर बात होगी। जानकार शेयर के चार्ट और कंपनी की स्थिति में सुधार को अच्छा संकेत मान रहे हैं। लेकिन वे यह भी कह रहे हैं कि शेयर में उतार-चढ़ाव हो सकता है। ऐसे में निवेशकों को सावधान रहने की जरूरत है।

कंपनी ने कम किया कर्ज

रिलायंस पावर ने भी दोगुना किया पैसा

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के अलावा अनिल अंबानी की दूसरी कंपनी रिलायंस पावर ने भी निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस कंपनी के शेयर का एक साल का रिटर्न करीब 125 फीसदी है। मंगलवार दोपहर 1 बजे यह शेयर 1.21% की गिरावट के साथ 64.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 317 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। चार दिनों की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार मंगलावर को हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल से अधिक के निचले स्तर पर आने और आरबीआई के संतोषजनक स्तर के करीब पहुंचने के बीच वाहन और औषधि कंपनियों के शेयरों में भारी खरीदारी हुई।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स में 317 अंक की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 317.45 अंक या 0.39 प्रतिशत उछलकर 82,570.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 490.16 अंक या 0.59 प्रतिशत बढ़कर 82,743.62 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 113.50 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,195.80 पर आ गया। पिछले चार कारोबारी दिनों में सेंसेक्स में 1,459.05 अंक या 1.74 प्रतिशत और निफ्टी में 440 अंक या 1.72 प्रतिशत की गिरावट आई। सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ में रहीं। हालांकि, एचसीएल टेक में 3.31 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि आईटी सेवा कंपनी ने जून तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 9.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इटरनल, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक भी पिछड़ गए। व्यापक मानसून के कारण सब्जियों सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति जून में घटकर छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। यह आरबीआई के सहज स्तर के करीब है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून 2024 में 5.08 प्रतिशत थी। नवंबर 2024 से मुद्रास्फीति में गिरावट जारी है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों के मिश्रण से बाजार की धारणा में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की संभावना को लेकर आशावाद बढ़ रहा है। इससे टैरिफ-संबंधी जोखिमों में कमी आ सकती है। इसके साथ ही, घरेलू मुद्रास्फीति कई वर्षों के निचले स्तर पर आ गई है, जिससे आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। इससे भविष्य में आर्थिक वृद्धि में तेजी आने की संभावना है। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ।

सोना 339 गिरकर 97,964 प्रति 10 ग्राम पर आया

चांदी 1,867 फिसलकर 1.12 लाख किलो बिक रही, देखें अपने शहर में सोने के दाम

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 15 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 339 गिरकर 97,964 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 98,303 पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,867 कम होकर 1,12,000 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,13,867 पर थी। ये चांदी का ऑल टाइम हाई भी है। वहीं सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,920 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,600

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,770 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,820 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,500

इस साल अब तक 21,802 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,802 रुपए बढ़कर 97,964 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 27,850 रुपए बढ़कर 1,13,867 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

धरा रह गया ट्रंप का टैरिफ! रेकॉर्ड पर पहुंच गया चीन का एक्सपोर्ट, जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर

बीजिंग, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जून में चीन का निर्यात तेजी से बढ़ा। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका ने कुछ चीनी सामानों पर लगने वाले टैक्स में छूट दी थी। इससे कंपनियों और ग्राहकों ने अगस्त की समय सीमा से पहले ज्यादा सामान का ऑर्डर दे दिया। चीन के निर्यात में पिछले साल के मुकाबले 5.8% की बढ़ोतरी हुई। मई में यह बढ़ोतरी 4.8% थी।

आयात भी बढ़ा है। इसमें 1.1% की वृद्धि हुई है। इस साल यह पहली बार है जब चीन के आयात में भी वृद्धि हुई है। यह जानकारी सोमवार को जारी किए गए कस्टम विभाग के आंकड़ों से मिली है। इस दौरान चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 16% की कमी आई है। लेकिन मई में यह कमी 34.5% थी, इसलिए यह थोड़ी राहत की बात है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर 245% तक टैक्स लगा दिया था। इसके जवाब में चीन ने भी कुछ अमेरिकी सामानों पर टैक्स बढ़ा दिया था। फिर दोनों देशों ने बातचीत के लिए कुछ समय निकालने का फैसला किया।

भारत को एक्सपोर्ट बढ़ा

नए टैक्स लगने के बाद दुकानदारों और आयातकों ने चीन से जूते, कपड़े, खिलौने और अन्य सामान मंगाना लगभग बंद कर दिया था। लेकिन बाद में उन्होंने फिर से चीन से सामान मंगाना शुरू कर दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच शुरुआती बातचीत में अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। नीतियों में अचानक बदलाव होने से कंपनियों को आगे की योजना बनाने में परेशानी हो रही है। इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आने वाले सामान पर 30% तक टैक्स बढ़ा दिया है। फिलहाल, वॉशिंगटन और बीजिंग ने 12 अगस्त की समय सीमा को टाल दिया है, जिसके बाद ये टैक्स और भी बढ़ सकते थे। निर्यात और आयात सहित चीन का कुल ट्रेड 20 ट्रिलियन युआन (2.8 ट्रिलियन डॉलर) से ज्यादा के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह यह रही कि चीनी कंपनियों ने अपने विदेशी उत्पादन और निर्यात बाजारों में विविधता लाई। साल के पहले छह महीनों में चीन का ग्लोबल ट्रेड सरप्लस 586 अरब डॉलर रहा।

जनवरी से जून तक दक्षिण पूर्व एशिया को होने वाले निर्यात में 13% की वृद्धि हुई। थाईलैंड को होने वाले शिपमेंट में 22%, वियतनाम को लगभग 20% और भारत को 18% से ज्यादा की वृद्धि हुई। यूरोप के साथ भी व्यापार अच्छा रहा। साल के पहले छह महीनों में इसमें 6.6% की वृद्धि हुई।

जीडीपी ग्रोथ

इस बीच दूसरी तिमाही में चीन की जीडीपी ग्रोथ अनुमान से बेहतर रही। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में चीन की इकॉनमी 5.2 फीसदी बढ़ी। रॉयटर्स द्वारा कराए गए एक सर्वे में इसके 5.1 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद की जा रही थी। पहली तिमाही में चीन की इकॉनमी 5.4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी थी।

महंगी दवाओं से मिलेगी राहत

कैंसर समेत 71 दवाओं के दाम तय

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जब बीमारी दस्तक देती है, तो इलाज की चिंता के साथ दवा की कीमतें भी जेब पर बोझ बन जाती हैं. खासकर गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, डायबिटीज या जानलेवा इंफेक्शन के इलाज में दवाएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो जाती हैं. लेकिन अब केंद्र सरकार ने एक अहम फैसला लिया है जो मरीजों को बड़ी राहत देगा. सरकार ने 71 दवाओं की कीमत तय करने का फैसला लिया है. इसमें कैंसर, डायबिटीज और इंफेक्शन जैसी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख दवाएं शामिल हैं. बता दें, मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर, एलर्जी, डायबिटीज और अन्य गंभीर बीमारियों की दवाएं अब आपको सस्ती मिलने वाली हैं. राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब केवल उसी स्थिति में जीएसटी जोड़ सकेंगे, जब वह सरकार को भुगतान किया गया हो. इन दवाओं में रिलायंस लाइफ साइंसेज की 'ट्रास्टुज़ुमैब' शामिल है, जिसका उपयोग मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर और गैस्ट्रिक कैंसर के इलाज में किया जाता है. इसकी कीमत अब 11,966 प्रति वायल निर्धारित कर दी गई है.इसके अलावा, जानलेवा संक्रमण के इलाज में प्रयोग होने वाले सेफ्ट्रियाक्सोन, डिसोडियम एडेटेट और सल्बैक्टम पाउडर की कीमत 626 रुपये कर दी गई है, वहीं कॉम्बीपैक की कीमत 515 रुपये कर दी गई है. एनपीपीए ने अपनी नई अधिसूचना में

25 एंटी-डायबिटिक फॉर्मूलेशंस की कीमत भी अधिसूचित की है, जिनमें सिटाग्लिप्टिन प्रमुख घटक के रूप में शामिल है. इसके अलावा एंपाग्लिफ्लोज़िन संयोजन वाली कई अन्य मधुमेह की दवाएं भी इस सूची में शामिल हैं.यह कदम मरीजों को महंगी दवाओं से राहत देने के साथ-साथ पारदर्शिता लाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है.

कुछ समय पहले एनपीपीए ने एक आदेश जारी कर कहा था कि, सभी दवा निर्माता अपने उत्पादों की कीमतों की सूची डीलरों, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को भेजें और यह उल्लेख करें कि, यह कीमत सरकार के किसी अधिसूचना या आदेश के अंतर्गत निर्धारित या संशोधित की गई है.यह फैसला ना केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों के लिए एक बड़ी राहत है, बल्कि दवा उद्योग में पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ावा देगा. अब लोगों को दवा खरीदते वक्त यह जानने का अधिकार होगा कि, क्या वे दवाएं उचित और निर्धारित दाम पर मिल रही हैं. सरकार का यह कदम स्वास्थ्य के अधिकार की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है.

15 दिन में 10 लाख रुपये का फायदा: कौन है यह क्रिप्टोकरेंसी जिसने मचाई हुई है धूम?

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इस समय दुनियाभर में कई क्रिप्टोकरेंसी धूम मचाए हुए हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा बिटकॉइन की है। बिटकॉइन ने एक नया रेकॉर्ड बनाया है। इसकी कीमत 1,20,000 डॉलर (1.03 लाख रुपये) के पार चली गई है। पिछले 15 दिनों में इसने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है।

15 दिनों में इसकी कीमत में करीब 19 लाख रुपये का उछाल आया है। इस महीने की शुरुआत में यानी 1 जुलाई को एक बिटकॉइन की कीमत करीब 90.50 लाख रुपये थी। आज 15 जुलाई को दोपहर 12 बजे इसकी कीमत 1 करोड़ 51 हजार रुपये है। ऐसे में इसमें 15 दिनों में 10 लाख रुपये की तेजी आई है। यानी 15 दिन में इसने 10 फीसदी रिटर्न दिया है। बिटकॉइन की कीमत बढ़ने के कई कारण हैं। बिटकॉइन ईटीएफ में खूब पैसा आ रहा है। जुलाई के पहले हफ्ते में ही 1 अरब डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ। यह लगातार 12वां हफ्ता है जब ईटीएफ में पॉजिटिव फ्लो देखा गया है। बिटकॉइन की सप्लाई भी सीमित है। अप्रैल 2024 से हर दिन केवल 450 नए सिक्के बन रहे हैं। अब तक 93% बिटकॉइन

माइन हो चुके हैं। इसलिए, इसकी कमी के कारण कीमत बढ़ रही है। आने वाले समय में बिटकॉइन की वैल्यू और बढ़ सकती है। दरअसल, दुनिया भर के सेंट्रल बैंक भी आसान मॉनेटरी पॉलिसी अपना रहे हैं। यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरें दो बार कम कर दी हैं। उम्मीद है कि वे आगे भी ऐसा करेंगे। अमेरिका का फेडरल रिजर्व भी ब्याज दरें कम करने के दबाव में है। ब्याज दरें कम होने से लोग कम जोखिम वाले निवेश से दूर जा रहे हैं। वे क्रिप्टोकरेंसी जैसी रिस्की एसेट्स में पैसा लगा रहे हैं। अगर ब्याज दरें और कम हुईं और ईटीएफ में डिमांड बनी रही, तो बिटकॉइन 1,50,000 डॉलर (करीब 1.28 करोड़ रुपये) तक जल्दी पहुंच सकता है। ऐसा नहीं है कि बिटकॉइन की कीमत आगे बढ़ेगी ही।

बांग्लादेश, कंबोडिया, इंडोनेशिया... अमेरिकी टैक्स से ये देश हो रहे 'बर्बाद', जानें भारत कैसे उठा सकता है फायदा

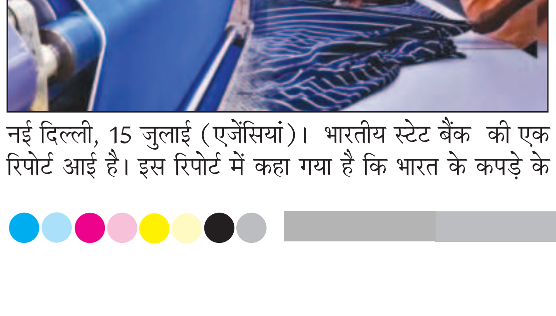

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के कपड़े के निर्यात में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि कुछ एशियाई देशों के साथ अमेरिका का व्यापार ठीक नहीं चल रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका के कपड़े आयात बाजार में भारत की हिस्सेदारी अभी 6 प्रतिशत है। अगर भारत इस हिस्सेदारी को 5 प्रतिशत और बढ़ा लेता है, तो उसे बहुत फायदा होगा। इससे भारत की जीडीपी में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत रसायन के मामले में तो मजबूत है ही, साथ ही कपड़े के मामले में भी उसकी अच्छी पकड़ है। भारत अमेरिका को कपड़े और उससे जुड़े सामान बेचता है।टेक्सटाइल सेक्टर में भारत को बांग्लादेश, कंबोडिया, इंडोनेशिया और वियतनाम जैसे देशों से कड़ी टक्कर मिलती है। इनमें से वियतनाम को अभी अमेरिका से कम टैक्स देना पड़ता है, जिससे उसे फायदा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया को अमेरिका के टैक्स नियमों के कारण नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट में लिखा है कि भारत, बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया के कपड़े निर्यात की हिस्सेदारी को हासिल कर सकता है। इसका मतलब है कि भारत इन देशों से ज्यादा कपड़े बेच सकता है।यह बात साल 2024 के अमेरिका के आयात के आंकड़ों से पता चलती है। अमेरिका बांग्लादेश, कंबोडिया और इंडोनेशिया से जो सामान खरीदता है, उसमें सबसे ज्यादा कपड़े और उससे जुड़े सामान होते हैं। बांग्लादेश अपने कुल निर्यात का 88.2 प्रतिशत हिस्सा कपड़े के रूप में अमेरिका को भेजता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-53 सूर्यास्त - 18-50
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	03-40 बजे
चंद्र-	मीन में	कर्क...	05-53 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह---	08-04 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	10-11 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला---	12-18 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	14-26 बजे
शनि-	मीन में	धनु.....	16-40 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	18-50 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	20-37 बजे
		मीन....	22-15 बजे
		मेष.....	23-51 बजे
		वृष....	02-24 बजे

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 21-02 तक उपरान्त सप्तमी
मास - श्रावण कृष्ण, बुधवार 16 July
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 04-50 तक उपरान्त रेवती
योग - शोभन 11-56 तक उप अतिगण्ड
करण- गर 09-52 तक उप वणिज
विशेष-
व्रत-त्योहार - सूर्य कर्क मे 17-32 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:22 से 13:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05:53-07:29	शुभ	उत्पात	18:53-20:15	अशुभ
अमृत	07:29-09:07	शुभ	शुभ	20:15-21:38	शुभ
काल	09:07-10:45	अशुभ	अमृत	21:38-22:59	शुभ
शुभ	10:45-12:22	शुभ	चंचल	22:59-00:22	शुभ
रोग	12:22-13:59	अशुभ	रोग	00:22-01:45	अशुभ
उत्पात	13:59-15:37	अशुभ	काल	01:45-03:07	अशुभ
चंचल	15:37-17:15	शुभ	लाभ	03:07-04:29	शुभ
लाभ.	17:15-18:50	शुभ	उत्पात	04:29-05:53	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,): आप अपने दोस्त की गलती की जिम्मेदारी खुद लेने पर तुले हुए हैं ,लेकिन इसके नतीजों के बारे में भी सोच लें । किसी कानूनी पचड़े में भी पड़ सकते हैं । कोई ऐसी घटना होगी जो आपको कभी ना भूलने वाला सबक देगी । कुछ अलग दिखें,कपड़े या अपना बाल बनाने का तरीका बदल लें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या है । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें ।अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है ।अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं । हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा । आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं । जहां तक दूसरों के बारे में आपकी राय का सवाल है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

होटल-कारोबारी के बंगले पर ईडी रेड

मनी-लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले की जांच, चिरमिरी में एसईसीएल मैनेजर के घर आईटी कार्रवाई जारी

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई लगातार जारी है। मंगलवार सुबह ईडी की टीम ने दुर्ग जिले के दीपक नगर स्थित होटल कारोबारी विजय अग्रवाल के बंगले पर छापा मारा है। विजय अग्रवाल, सागर होटल के मालिक हैं और दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के बड़े कारोबारी माने जाते हैं।

आज सुबह 6 बजे दो गाड़ियों में सवार ईडी अधिकारियों की टीम विजय अग्रवाल के घर पहुंची। कार्रवाई के दौरान सीआरपीएफ के जवानों को सुरक्षा व्यवस्था के लिए साथ लाया गया है। बंगले के अंदर ईडी अधिकारी दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच-पड़ताल कर रहे हैं।

वहीं, चिरमिरी में दूसरे दिन भी आईटी रेड की कार्रवाई जारी है, मनेंद्रगढ़ की कार्रवाई खत्म हो गई है। एसईसीएल कर्मचारियों के फर्जी दस्तावेज के सहारे आयकर रिफंड दिलवाने के मामले में टीम ने 14 जुलाई को रेड मारी थी। कर सलाहकार मनीष उर्फ महेंद्र गुप्ता की मुश्किलें बढ़ती जा रहीं हैं। आज भी आईटी विभाग के अधिकारी वहीं मौजूद है।

सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आर्थिक लेन-देन और बेनामी संपत्ति की जांच के तहत की जा रही है। प्रदेश में अलग अलग घोटाले में ईडी की टीम जांच कर रही है। यह कार्रवाई किस घोटाले के संबंध में हुई है। इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई है।

विजय अग्रवाल के घर हुई ताजा कार्रवाई के बाद दुर्ग-भिलाई के कारोबारी जगत और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। फिलहाल ईडी ने रेड के कारणों का आधिकारिक खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति, आर्थिक लेनदेन या किसी पुराने आर्थिक अपराध से जुड़ी जांच का हिस्सा हो सकती है।

पिछले हफ्ते ईडी की कार्रवाई 5 जुलाई को रायपुर में सोना तस्करी सिंडिकेट पर कार्रवाई करते हुए ईडी ने दो संदिग्ध - सचिन केदार और पुरुषोत्तम कावले की 3.76 करोड़ रुपए की संपत्ति अस्थायी रूप से कुर्क की थी। 4 जुलाई को भिलाई के कारोबारी सौरभ आहूजा के बड़े भाई को पूछताछ के लिए रायपुर ईडी कार्यालय बुलाया गया था। ईडी को संदेह है कि जयपुर में शादी समारोह की आड़ में सौरभ आहूजा ने ऑनलाइन सट्टा खिलाने लोगों को बुलाया था फिलहाल ईडी की टीम सौरभ की तलाश कर रही है।

कांग्रेस कार्यकाल में बोरे-बासी खिलाने एक आदमी पर 1795 खर्च

एक थाली 32 की, तामझाम में खर्चा ज्यादा विधानसभा में धर्मजीत के सवाल पर खुलासा

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछली कांग्रेस सरकार के समय में श्रमिकों के लिए मनाए गए 'बोरे बासी तिहार' पर सरकारी खर्च को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। विधानसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह जानकारी सामने आई है कि, करीब 50 हजार श्रमिकों को बोरे बासी खिलाने के लिए, सरकार ने करीब 9 करोड़ रुपए खर्च कर दिए थे। इस हिसाब से एक आदमी पर सरकार ने करीब 1795 रुपये खर्च किए, लेकिन भोजन पर खर्च सिर्फ 32 के आसपास बैठता है। ये जानकारी आज 15 जुलाई 2025 को छत्तीसगढ़ विधानसभा में दी गई। तखतपुर से विधायक धर्मजीत सिंह ने पूछा था कि बोरे बासी दिवस का आयोजन किस उद्देश्य से हुआ, कितने लोग शामिल हुए और कितना खर्च आया? इस पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने लिखित जवाब दिया है।

1 मई 2023 को, अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मौके पर श्रम

विभाग की ओर से पूरे प्रदेश में 'बोरे बासी तिहार' मनाया गया था। सरकार ने इसे 'श्रम सम्मेलन' के रूप में मनाया और कहा कि इसका उद्देश्य श्रमिकों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरुक करना था। आयोजन में श्रमिकों को पारंपरिक भोजन बोरे बासी खिलाया गया।

तत्कालीन सरकार की योजना थी कि इस आयोजन में 1 लाख 30 हजार श्रमिकों को शामिल किया जाएगा। हालांकि जवाब में बताया गया कि वास्तव में करीब 50 हजार श्रमिक ही कार्यक्रम में शामिल हो सके। जबकि जानकारी के मुताबिक इस दिन केवल 35 हजार कुर्सियां लगीं और 1.10 करोड़ रुपए खर्च कर 6 विशाल डोम बने।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस आयोजन पर कुल 8,97,98,621 (करीब 8.98 करोड़ रुपये) खर्च किए गए। इसमें से मुख्य खर्च इस तरह हैं। यानि एक आदमी के लिए सिर्फ बोरे बासी खाने का इंतजाम 32 में हुआ, लेकिन आयोजन से जुड़े तमाम दूसरे खर्चों ने उसे 1795 तक पहुंचा दिया।

सरकारी जानकारी के मुताबिक, इस आयोजन में सभी जिलों के श्रम पदाधिकारी कार्यालयों को आयोजन की जिम्मेदारी दी गई थी, और पैसा उन्हीं कार्यालयों को भेजा गया। हर जिले ने आयोजन स्थल, प्रचार-प्रसार, भोजन, ट्रांसपोर्ट और स्थानीय जरूरतों के लिए व्यय किया। इन सभी में सबसे ज्यादा खर्च रायपुर श्रम पदाधिकारी कार्यालय ने किया, जहां 8,50,14,248 खर्च किए गए। बाकी बचे लगभग 47 लाख रुपये अन्य जिलों में खर्च हुए। विधानसभा में मंत्री लखनलाल देवांगन ने यह भी स्पष्ट किया कि आयोजन का उद्देश्य श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी देना और पंजीयन बढ़ाना था।

छत्तीसगढ़ से 30 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा गया

रायपुर-दुर्ग-राजनांदगांव और रायगढ़ से घुसपैठियों को फ्लाइट से गुवाहटी ले गई पुलिस, बीएसएफ को सौंपेगी

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पहली बार अवैध रूप से रह रहे 30 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जा रहा है। केंद्र सरकार से डिपोर्ट की अनुमति मिलने के बाद राज्य सरकार और रायपुर पुलिस ने मंगलवार को 30 बांग्लादेशी नागरिकों को रायपुर एयरपोर्ट से फ्लाइट के जरिए गुवाहटी भेजा है।

जानकारी के मुताबिक, घुसपैठियों को रायपुर पुलिस बीएसएफ के सौंपेगी, फिर असम से बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ के जरिए डिपोर्ट प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यह सारी प्रक्रिया आज ही पूरी होगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, घुसपैठियों के संदर्भ में एक एसटीएफ (विशेष कार्य बल) का गठन किया गया है। एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। जहां भी घुसपैठी मिलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस डिपोर्ट प्रक्रिया में रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और रायगढ़ जिलों से पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों को गुवाहाटी ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि, यह छत्तीसगढ़ राज्य की पहली औपचारिक डिपोर्ट कार्रवाई है, जो केंद्र सरकार की मंजूरी से की जा रही है। राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान पिछले कुछ सालों में इंटेलिजेंस इनपुट और स्थानीय शिकायतों के आधार पर की गई थी। रायपुर समेत कई जिलों में ऐसे नागरिकों को पकड़ा गया था जो बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे। भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ तैनात है। बॉर्डर की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी है, इसलिए केंद्र सरकार ने उन्हें ही जिम्मेदारी दी है। साथ ही बांग्लादेश दूतावास से भी चर्चा चल रही है। उन्हें इस संबंध में जानकारी भी भेजी गई है।

बताया जा रहा है कि जिनके खिलाफ केस दर्ज है। उन्हें मामले की सुनवाई पूरी होने तक यहीं रहना होगा। कोर्ट के फैसले के बाद ही उन्हें बांग्लादेश भेजा जाएगा। रायपुर में 6 बांग्लादेशियों के खिलाफ केस दर्ज है। इसमें तीन भाई, एक दंपती और उसकी नाबालिग बेटी शामिल हैं।

दुर्ग में भी 7 से ज्यादा लोगों पर केस दर्ज है। राजनांदगांव में चोरी के मामले में बांग्लादेशी बंद है, जबकि रायपुर में 10 बांग्लादेशियों पर केस दर्ज नहीं किया है।

लेडी ब्रांच पोस्टमास्टर का फंदे से लटका मिला शव

लेस्लीगंज में ड्यूटी पर थी तैनात, मकान मालिक की बेटी ने देखी लाश तो परिजनों को चला पता

पलामू, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू के लेस्लीगंज में तैनात ब्रांच पोस्टमास्टर का उनके किराए के मकान में फंदे से लटका शव मिला। मंगलवार को लाश सबसे पहले मकान मालिक की बेटी ने देखी और इसकी सूचना अपने परिजनों को दी। इसके बाद घटना की जानकारी मृतका के फैमिली को दी गई।

मृतका की पहचान मधु कुमारी (20) के रूप में की गई। वो बिलासपुर (छत्तीसगढ़) की रहने वाली थी। मधु दारूडीह पंचायत भवन स्थित पोस्ट ऑफिस में कार्यरत थी। मकान मालिक की बेटी नीलम बाला घर में थी और उसने मधु को आवाज लगाई और कोई जवाब नहीं मिला, तो दरवाजा खोलकर देखा। कमरे के अंदर मधु का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला।

नीलम ने तुरंत अपने भाई अमित को सूचित किया, जिसने स्थानीय लोगों और पुलिस को खबर दी। लेस्लीगंज थाने के एसआई राजू मांझी ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस ने घटना को संदिग्ध बताया है। मधु के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों की मांग पर शव को उनके आने तक फंदे से नहीं उतारा जाएगा। मधु पिछले आठ महीने से इस मकान में किराए पर रह रही थी। वह अपने काम के प्रति ईमानदार थी।

नक्सलियों ने की 2 शिक्षा-दूतों की हत्या

पीलूर गांव के जंगल में मिली लाश मुखबिरी का आरोप, आधिकारिक पुष्टि नहीं

बीजापुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने 2 शिक्षा दूतों की हत्या कर दी। 15 जुलाई की सुबह पीलूर गांव के जंगल में लाश बरामद हुई है। एक की पहचान विनोद मडे के तौर पर हुई है। वो शिक्षा दूत था। इन पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया गया है। फिलहाल घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामला फरसगढ़ थाना क्षेत्र का है।

इससे पहले, बीजापुर में नक्सलियों ने 15 दिनों में मुखबिरी के शक में 6 लोगों की हत्या की थी। जिसमें 4 ग्रामीण और 2 छात्र शामिल हैं। नक्सलियों ने पिछले 25 साल में 1821 लोगों का मर्डर किया है।

इससे पहले, 17 जून 2025 को नक्सलियों ने बीजापुर जिले के एक गांव में 3 ग्रामीणों की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इनमें एक 13 साल का 7वीं और दूसरा 20 साल का कॉलेज का छात्र और तीसरा ग्रामीण युवक शामिल है। पूरा मामला पेद्दाकोरमा गांव का है।

गांववालों का कहना था कि, 17 जून की शाम करीब 70 से 80 की संख्या में हथियार बंद नक्सली पहुंचे थे। उन्होंने छात्र सोमा मोड़ियाम (20), अनिल माड़वी (13) समेत एक अन्य ग्रामीण को घर से उठा लिया था।सोमा इसी साल 12वीं पास कर कॉलेज में दाखिल हुआ था, जबकि अनिल 7वीं का छात्र था।

नक्सली गांव के 10 से ज्यादा लड़कों को बंधक बनाकर अपने साथ लेकर गए। हालांकि, उनकी बेदम पिटाई करने के बाद उन्हें छोड़ दिया। पुलिस के एक्शन से बौखलाए नक्सली अब स्कूल और कॉलेज के बच्चों का कत्ल कर रहे हैं।

दरअसल, मारे गए सभी ग्रामीण डीवीसीएम कैडर के सरेंडर नक्सली दिनेश मोड़ियम के रिश्तेदार थे। नक्सलियों ने आरोप लगाया कि इन्हीं लोगों ने उसे सरेंडर करने के लिए उकसाया, उससे पैसे लिए। इसी वजह से इनकी हत्या कर मौत की सजा दे दी।

इसके बाद बीजापुर जिले में 22 जून को नक्सलियों ने पुलिस मुखबिरी के शक पर समैय्या और वेको देवा की हत्या की थी। समैय्या पहले नक्सली था। उसने 2025 में आत्मसमर्पण किया है। वहीं वेको देवा ग्रामीण है। दोनों नक्सल प्रभावित गांव सेंड्राबोर और एमपुर के रहने वाले थे। मामला पामेड़ थाना क्षेत्र का है।

बता दें कि, नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से लेकर अब तक यानी पिछले 25 सालों में बस्तर के अलग-अलग जिलों में कुल 1821 लोगों की हत्या की है। इनमें आम नागरिक समेत जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा हत्या बीजापुर जिले में ही हुई है।

मानसून सत्रः जल जीवन मिशन पर हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

भूपेश बोले-10 लाख कनेक्शन का आंकड़ा गलत साव ने कहा-कांग्रेस ने बगैर पानी के नल-टोटी लगाए

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र का मंगलवार को दूसरा दिन है। पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी सदन में जमकर हंगामा हुआ। प्रश्नकाल के दौरान जल जीवन मिशन की प्रगति पर विपक्ष और सरकार के बीच तीखी बहस हुई।

जल जीवन मिशन के सवाल पर जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। विपक्ष ने सरकार पर गलत आंकड़े पेश करने और योजना में गड़बड़ी के आरोप लगाए। वहीं सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल के सवाल पर डिप्टी सीएम और विभागीय मंत्री अरुण साव ने बताया कि 7 महीने में 10 लाख नल कनेक्शन दिए गए। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में सिर्फ 3 हजार 500 करोड़ जल जीवन मिशन योजना पर खर्च हुए। सिर्फ 57 प्रतिशत का लक्ष्य हासिल हुआ है। इसके जवाब में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि आपने समय पर काम किया होता तो ये हालात नहीं बनते, आपकी सरकार ने बगैर पानी के नल टोटी लगाए। सबसे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक किरण सिंहदेव ने प्रश्नकाल में बस्तर संभाग में उद्योगों से मिले सीएसआर मद की राशि का मामला उठाया।

जेजेएमपी के सबजोनल कमांडर ने किया सरेंडर

लवलेश गंझू के सिर था 5 लाख का इनाम, पुलिस मान रही बड़ी उपलब्धि

लातेहार, 15 जुलाई (एजेंसियां)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के सबजोनल कमांडर लवलेश गंझू ने मंगलवार को लातेहार पुलिस मुख्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया। लवलेश पर पांच लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह आईजी पलामू रेंज सुनील भास्कर, लातेहार एसपी कुमार गौरव, सीआरपीएफ की 11वीं बटालियन के कमांडेंट यादराम बुनकर और एसएसबी 32वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश सिंह के समक्ष सरेंडर हुआ। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारियों ने उसे बुके और शॉल देकर सम्मानित किया। साथ ही पांच लाख रुपए का प्रतीकात्मक चेक भी सौंपा गया। इस अवसर पर लवलेश की पत्नी

और बच्चे भी मौजूद रहे।

आईजी सुनील भास्कर ने कहा कि सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई का असर है कि नक्सली अब हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी नक्सली आत्मसमर्पण करना चाहता है, उसे राज्य सरकार की सरेंडर पॉलिसी के तहत सभी लाभ दिए जाएंगे। वहीं एसपी कुमार गौरव ने इसे पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने बताया कि जनवरी 2025 से अब तक टीएसपीसी, भाकपा माओवादी और जेजेएमपी के कुल 10 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। वहीं, 72 नक्सलों व सहयोगी गिरफ्तार किए गए हैं और तीन शीर्ष नक्सली मारे भी गए हैं।

लवलेश गंझू मूल रूप से बालूमाथ थाना क्षेत्र के कुरियाम खुर्द गांव का निवासी है। वह 2008 में भाकपा माओवादी के बाल दस्ते में शामिल हुआ था लेकिन एक साल बाद संगठन छोड़कर घर लौट आया।

झारखंड के 17 जिलों में भारी बारिश, ऑरेंज अलर्ट

16 जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी आकाशीय बिजली गिरने की आशंका

रांची, 15 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो कर पूरे प्रदेश को कवर किया हुआ है। इसका असर अगले दो दिनों तक देखने को मिलेगा। मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 15 और 16 जुलाई को झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में तेज बारिश का अनुमान है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है।

मंगलवार, 15 जुलाई को पलामू प्रमंडल के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, कोडरमा और हजारीबाग के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना भी जताई गई है। वहीं, रांची, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, देवघर, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज और गिरिडीह जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार, 16 जुलाई को भी बारिश से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, रांची, गढ़वा, लातेहार, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा और देवघर जिलों में येलो अलर्ट के तहत भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों से अपील की है कि बारिश के दौरान जलजमाव वाले क्षेत्रों से बचें। निचले इलाकों में सतर्क रहें। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान पेड़ों के नीचे न ठहरें। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाएं। वेदर का यह सिस्टम अगले कुछ दिनों तक सक्रिय रह सकता है। प्रशासन की ओर से भी संबंधित जिलों में निगरानी बढ़ा दी गई है। कोल्हान में स्कूल बंद रखने को कहा गया है। वहीं प्रशासन भी किसी भी तरह की अनहोनी से निपटने के लिए तैयार है।

गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार, खूंटी, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गढ़वा, पलामू, कोडरमा, गिरिडीह, जामताड़ा, देवघर, दुमका और रांची।

नक्सलियों का कबूलनामाः एक साल में मारे गए 357 नक्सली

28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाएंगे माओवादी

सुकमा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुकमा में नक्सलियों ने पहली बार आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार किया है कि पिछले एक साल के भीतर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में उनके 357 साथी मारे गए हैं। नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी द्वारा जारी किए गए प्रेस नोट में यह जानकारी दी गई है। इसके साथ ही उन्होंने 24 पन्नों की एक बुकलेट भी जारी की है, जो गोंडी और अंग्रेजी भाषा में है। इस बुकलेट के जरिए नक्सल संगठन ने मारे गए अपने सदस्यों को शहीद बताते हुए सुरक्षा बलों की कार्रवाई को आक्रामक बताया है।

जारी दस्तावेजों के अनुसार, मारे गए 357 नक्सलियों में 136 महिलाएं भी शामिल थीं, जो महिला दस्ता या अग्रिम मोर्चों पर सक्रिय थीं। इतना ही नहीं, मारे गए नक्सलियों में संगठन के शीर्ष स्तर के 4 सेंट्रल कमेटी मेंबर और 15 राज्य कमेटी सदस्य भी शामिल हैं। यह संगठन की रणनीतिक ताकत के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान माना जा रहा है। इससे न केवल उनकी नेतृत्व क्षमता प्रभावित हुई है, बल्कि संगठन के अंदर डर और हताशा का माहौल भी बताया जा रहा है। सबसे ज्यादा क्षति नक्सलियों को दण्डकारण्य क्षेत्र में हुई है, जहां 281 नक्सली मारे गए। दण्डकारण्य वही इलाका है जो छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जंगलों में फैला हुआ है और जिसे नक्सलियों का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। बस्तर संभाग के कई जिले, खासकर सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा, इस क्षेत्र का अहम हिस्सा हैं, जहां पिछले एक साल में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच कई बड़ी मुठभेड़ें हुईं। मारे गए नक्सलियों की याद में संगठन ने 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी सप्ताह मनाने का ऐलान किया है।

हर साल की तरह इस बार भी शहीदी सप्ताह के दौरान नक्सली ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार कर सकते हैं, बैनर-पोस्टर लगा सकते हैं, और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। इस चेतावनी को देखते हुए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने पूरे बस्तर क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है।

जमीन विवाद में भिड़े दो पक्ष

लाठी-डंडे चलने से पांच घायल, एक गंभीर हालात में, गिरिडीह रेफर

गिरिडीह, 15 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के भेलवाघाटी गांव में जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच हुई झड़प में लाठी-डंडे चले, जिसमें दोनों ओर से कुल पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित की। आपस में भिड़े लोगों का समझाया।

जानकारी के मुताबिक, सुबह गांव के दो परिवारों के बीच जमीन के एक टुकड़े को लेकर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलाए गए, जिसमें एक पक्ष के कुर्बान अंसारी (50) और उनकी पुत्री शमा परवीन (15) घायल हो गईं। वहीं, दूसरे पक्ष के कुद्दुस अंसारी (31), मेहबूब अंसारी (28) और अल्लाउद्दीन अंसारी (24) को भी चोटें आईं हैं।

झड़प के बाद ग्रामीणों ने सभी घायलों को देवरी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। कुर्बान अंसारी की हालत गंभीर बताई जा रही है, उन्हें बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही भेलवाघाटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि विवाद की शुरुआत जमीन के स्वामित्व को लेकर हुई थी।

बोकारो की 103 एकड़ वन भूमि घोटाला मामला

राजबीर कंस्ट्रक्शन का मालिक पुनीत अग्रवाल गिरफ्तार, पहले भी हो चुकी है दो गिरफ्तारी

बोकारो, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो में तेतुलिया वन भूमि घोटाले में सीआईडी ने राजबीर कंस्ट्रक्शन के संचालक पुनीत अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पुनीत ने उमायुष मल्टीकाम प्राइवेट लिमिटेड को वन भूमि के बदले 3.40 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। यह भूमि वन विभाग की है और इसकी बिक्री कानून के विरुद्ध है।

इस मामले में सीआईडी पहले ही इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों ने 2021 में करीब 103 एकड़ वन भूमि के फर्जी दस्तावेज बनाकर उमायुष कंपनी को 10.3 करोड़ रुपए में बेच दी थी। उस समय इस भूमि का सर्किल रेट 23 करोड़ रुपए था।

ईडी भी मनी लॉन्डरिंग के पहलू से मामले की जांच कर रही है। ईडी ने 22 अप्रैल को कई स्थानों पर छापेमारी की। बिहार के बांका में श्रीराम कंस्ट्रक्शन के मालिक बीर अग्रवाल (पुनीत के पिता) के घर से 1.30 करोड़ रुपए नकद मिले।

ईडी ने पुनीत अग्रवाल, शैलेश सिंह और उनके बेटे आयुष कुमार सिंह के ठिकानों की तलाशी ली। पूर्व अंचलाधिकारी निर्मल टोप्पो और चास के पूर्व सब-रजिस्ट्रार रामेश्वर प्रसाद सिंह के यहां से भी जांच की गई। इन स्थानों से जमीन के दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने वन भूमि को लेकर जिला वन पदाधिकारी के खिलाफ अवमानना याचिका भी स्वीकार की है। कोर्ट ने डीएफओ को सुप्रीम कोर्ट जाने की छूट दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण में 24 जुलाई को सुनवाई निर्धारित की है। वहीं बोकारो डीसी को मूल खतियान दस्तावेजों के साथ तलब किया है। न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी में स्पष्ट किया है कि जमीन की प्रकृति कभी नहीं बदली जा सकती।

बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर सीआईडी ने जांच टेकओवर की थी, जिसमें पुनीत अग्रवाल की संलिप्तता उजागर होने पर उनकी गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार पुनीत को आज न्यायिक हिरासत में अदालत में पेश किया जाएगा।

न्यूयॉर्क में भारी बारिश से बाढ़

सड़क-मेट्रो स्टेशन डूबे : इमरजेंसी का ऐलान, मदद के लिए रेस्क्यू टीम तैनात

न्यूयॉर्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क शहर में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। सड़कों, मेट्रो स्टेशन और गैस स्टेशनों पर पानी भर गया। जिसके बाद न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में मेट्रो सेवा रोक दी गई थी। कई इलाकों में 7 इंच तक बारिश हुई।

बाढ़ के कारण कुछ फ्लाइट भी रद्द कर दी गई, जिससे लोग घंटों तक जाम में फंसे रहे। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी (एनडब्ल्यूएस) ने न्यूयॉर्क शहर के पांच इलाकों (मैनहट्टन, ब्रोंक्स, ब्रुकलिन, क्वींस और स्टेटन आइलैंड) में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। न्यूयॉर्क का 16% हिस्सा बाढ़ से प्रभावित है।

न्यू जर्सी के गवर्नर फिल मर्फी ने सोमवार को इमरजेंसी की घोषणा की, उन्होंने लोगों से घर के अंदर रहने और बेमतलब यात्रा से बचने की अपील की। वहीं, बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने वाले लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

रेस्क्यू टीमों को मदद के लिए तैनात किया गया है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

गवर्नर मर्फी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "राज्य के कुछ हिस्सों में अचानक आई बाढ़ और भारी बारिश के कारण आपातकाल की घोषणा कर रहा हूं। कृपया सुरक्षित रहें और जरूरी सावधानियां बरतें।" अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बारिश रात भर जारी रह सकती है और अचानक बाढ़ की संभावना बनी हुई है। न्यूयॉर्क सिटी इमरजेंसी मैनेजमेंट ने खासतौर पर बेसमेंट अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और रात के समय बिना चेतावनी के आने वाली बाढ़ के लिए तैयार रहने को कहा है।

वहीं लोगों को सलाह दी गई है कि वे फोन, टॉर्च और जरूरी सामानों से भरा बैग अपने पास रखें और किसी भी स्थिति में ऊंचे स्थान पर जाने के लिए तैयार रहें। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में आपातकालीन टीमें अलर्ट पर हैं और प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए तैनात की गई हैं।

बोइंग ने कराया था ऐसा पेटेंट

जमीन पर बैठकर हवा में एयरक्राफ्ट पर हो जाता कंट्रोल, एयर इंडिया क्रैश के बाद तेज हुई चर्चा

वॉशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अहमदाबाद से लंदन जाने वाली एयर इंडिया के हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के बाद बोइंग के रिमोट-कंट्रोल सिस्टम की चर्चा तेज हो गई है। बोइंग ने साल 2006 में सिस्टम के लिए एक डिजाइन का पेटेंट हासिल किया था, जो हवा में उड़ान के दौरान ही विमान का कंट्रोल दूर बैठे किसी ऑपरेटर के हाथ में पहुंचा सकता है। इस डिजाइन को साल 2003 में दायर किया गया था, जो 9/11 के आतंकवादी हमले और उसके बाद पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखकर विकसित किया गया था। संडे गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार, अगर इस प्रणाली को लागू किया जाता तो अपहरण की स्थिति में किसी कमर्शियल एयरक्राफ्ट का पूरा कंट्रोल दूर से ही अपने हाथ में ले लेती। पेटेंट में बताया गया है कि यह प्रणाली विमान में तैनात पायलट को ओवरराइड कर देती।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री बन सकती हैं यूलिया स्विरीडेंको

मौजूदा पीएम को रक्षा मंत्री बनाया जाएगा, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने खुद सिफारिश की

कीव, 15 जुलाई (एजेंसियां)। यूलिया स्विरीडेंको यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन सकती हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनकी सिफारिश की है। यूलिया, जेलेंस्की की करीबी मानी जाती हैं। वह 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस श्मिहाल की जगह लेंगी।

जेलेंस्की ने सोमवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि वे सरकार में जरूरी बदलाव चाहते हैं। हालांकि यूलिया का पीएम बनाना संसद की मंजूरी पर निर्भर करता है। जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट ऑफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है। ऐसे में माना जा रहा है कि वे देश की अगली पीएम बनेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक यूलिया के प्रधानमंत्री बनाए जाने को लेकर आज संसद में चर्चा हो सकती है।

यूलिया को नए पीएम बनाए जाने की कोशिश को लेकर विपक्षी पार्टियां नाराज हैं। उनका कहना है कि उप-प्रधानमंत्री को ही प्रधानमंत्री बनाना कोई बड़ा बदलाव नहीं है, बल्कि बस चेहरों की अदला-बदली है।

कुछ विरोधियों का यह भी आरोप है कि जेलेंस्की ने यह कदम इसलिए उठाया है ताकि वह अपनी सत्ता और मजबूत कर सकें। उन्होंने जेलेंस्की पर अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपने सोमवार शाम के संबोधन में यह भी घोषणा की कि वे मौजूदा प्रधानमंत्री डेनिस श्मिहाल को रक्षा मंत्री बनाना चाहते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि श्मिहाल का अनुभव इस पद के लिए बेहद अहम और कीमती होगा।

उन्होंने बताया कि इस समय देश के सबसे अधिक संसाधन और जिम्मेदारियां रक्षा मंत्रालय से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र में कुशल नेतृत्व की जरूरत है। अगर संसद इस बदलाव को मंजूरी देती है, तो श्मिहाल वर्तमान रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव की जगह लेंगे।

जेलेंस्की ने बताया कि उमेरोव को अमेरिका में यूक्रेन का राजदूत बनाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका के साथ संबंधों में और तेज़ी और यूक्रेन के रक्षा क्षेत्र के प्रबंधन में नए कदमों की जरूरत है।

यूक्रेन और अमेरिका के बीच फरवरी में 50% रेयर अर्थ मटेरियल (दुर्लभ खनिज) को लेकर डील हुई थी। इनमें ग्रेफाइट, यूरेनियम, टाइटेनियम, लिथियम समेत कई बेशकीमती और दुर्लभ खनिज शामिल थी।

इनका इस्तेमाल टेस्ला की कारों से स्पेसएक्स के रॉकेट तक, होवित्जर तोप से मोबाइल की चिप तक में होता है। ट्रम्प यूक्रेन सरकार पर अमेरिका को दुर्लभ खनिज देने को लेकर दबाव बना रहे थे। उनका कहना था कि यदि यूक्रेन को अमेरिकी मदद चाहिए तो उसे 500 बिलियन डॉलर के दुर्लभ खनिज अमेरिका को देने होंगे। उन्होंने जेलेंस्की को धमकी दी थी कि यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो अमेरिका यूक्रेन को और मदद देना बंद कर देगा। जेलेंस्की रुस की तरफ से बढ़ते हमलों और सीजफायर में अमेरिका की मदद को लेकर डील के लिए राजी हो गए थे। ट्रम्प के करीबी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम का कहना है कि युद्ध अब निर्णायक मोड़ पर है। ट्रम्प यूक्रेन को रूस के खिलाफ सैन्य समर्थन देने के पक्ष में आ गए हैं। ग्राहम के मुताबिक, आने वाले दिनों में यूक्रेन को रिकॉर्ड स्तर पर हथियारों की आपूर्ति शुरू होगी।

समुद्री तूफान के कहर से स्पीडबोट पलटी

तीन बच्चों समेत 11 लापता, बचाव अभियान जारी

जकार्ता, 15 जुलाई (एजेंसियां)। स्पीडबोट ने दोपहर में मेंटावाई द्वीपों के सिकारकप शहर से टुआपेजत शहर के लिए सफर शुरू किया था। यह यात्रा सामान्यतः दो घंटे से कम की होती है, लेकिन रास्ते में आए अचानक तूफान और तेज लहरों के कारण नाव सिपोरा जलडमरूमध्य में पलट गई। नाव में सवार 18 लोगों में से अधिकतर स्थानीय प्रशासन से जुड़े अधिकारी थे, जिनमें दो क्रू मेंबर भी शामिल थे।

स्थानीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख लाहमुदीन ने बताया कि सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है और उनकी हालत स्थिर है। इन सभी को कई घंटे समुद्र में लहरों के बीच तैरते रहने के बाद बचाया गया। लाहमुदीन ने बताया कि नाव पर मौजूद कुछ बचे लोगों के अनुसार यह हादसा अचानक आए तेज तूफान और ऊंची लहरों के कारण हुआ।

राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी द्वारा जारी वीडियो में दिखाया गया है कि तेज बारिश और उफनते समुद्र के बीच रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। बचाव कार्य में रेस्क्यू शिप, रबर बोट, स्थानीय मछुआरे और तटीय ग्रामीण भी मदद कर रहे हैं। स्थानीय खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख रूडी ने बताया कि राहत अभियान में कोई कोताही नहीं बरती जा रही है। इंडोनेशिया में 17,000 से अधिक द्वीप हैं और यहां नावें और फेरी सेवाएं आम यात्रा का जरिया हैं। लेकिन कमजोर सुरक्षा मानकों और निगरानी की कमी के कारण यहां नौका हादसे आम बात हो गए हैं। इसी महीने बाली द्वीप के पास एक फेरी डूबने से 18 लोगों की मौत हुई थी और 17 लोग लापता हो गए थे। उस हादसे में 1,000 से ज्यादा बचावकर्मी, नौसेना के तीन जहाज, हेलिकॉप्टर और गोताखोर लगाए गए थे।

मेंटावाई द्वीपों में हुए इस ताजा हादसे में लापता लोगों की तलाश ज़ोर-शोर से जारी है। स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि जब तक सभी लोगों का पता नहीं चल जाता, राहत अभियान नहीं रोका जाएगा। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और समुद्र में यात्रा करने से पहले मौसम की स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है।

सीरिया में किसे बचाने के लिए इजरायली सेना ने बोल दिया हमला

100 मौतें, क्या मिडिल ईस्ट में शुरू होगी अब नई जंग

तेल अवीव/दमिश्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के साथ पिछले महीने 13 दिनों के भयंकर युद्ध के बाद एक बार फिर मध्य पूर्व नए संघर्ष की आहट हो रही है। इस बार जंग का क्षेत्र दक्षिणी सीरिया बनता दिखाई दे रहा है, जहां इजरायली सेना ने सीरियाई सैन्य टैंकों पर हमला लिया है। इजरायली सेना ने इन हमलों की पुष्टि की है। इलाके में सरकारी बलों और बेडोइन जनजातियों का ड्रूज मिलिशिया के साथ चल रहे संघर्ष में इजरायली सेना की भी एंट्री हो गई है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया के स्वीदा प्रांत में स्थानीय मिलिशिया और कबीलों के बीच लड़ाई में दर्जनों लोग मारे गए हैं। सोमवार को व्यवस्था बहाल करने के लिए भेजे गए सरकारी बलों की स्थानीय सशस्त्र समूहों के साथ भी झड़प हुई। गृह मंत्रालय ने कहा है कि इस लड़ाई में 30 से अधिक लोग मारे गए हैं और लगभग 100 अन्य घायल हुए हैं। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था 'सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने

बताया कि कम से कम 100 लोगों की मौत हुई है, जिनमें दो बच्चे और सुरक्षाबलों के 14 सदस्य शामिल हैं। इजरायल पहले भी ड्रूज़ धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए सीरिया में हस्तक्षेप करने की धमकी दे चुका है।

दुनिया भर में लगभग 10 लाख ड्रूज़ लोगों में से आधे से ज़्यादा सीरिया में रहते हैं। अधिकतर अन्य ड्रूज़ लेबनान और इजरायल में रहते हैं, जिनमें 'गोलान हाइट्स' भी शामिल है, जिसे इजरायल ने 1967 के युद्ध में सीरिया से छीन लिया था और 1981 में अपने में मिला लिया था। ड्रूज़ को इजरायल में वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है और वे अकसर सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं। दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद की सत्ता के पतन के बाद से इजरायल सीरिया के नए नेताओं के प्रति सशंकित रहा है और उसका कहना है कि वह अपनी सीमाओं के निकट इस्लामी चरमपंथियों को नहीं चाहता है। इजरायली सेना ने इससे पहले 'गोलान हाइट्स' की सीमा पर सीरियाई क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की गश्त वाले बफर जोन पर कब्जा कर लिया था और सीरिया में सैन्य स्थलों पर सैकड़ों हवाई हमले किए थे।

फ्रांस में मैक्रों की पत्नी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

दो महिलाओं के खिलाफ केस, इन्होंने फर्स्ट लेडी के पुरुष होने की अफवाह फैलाई थी

पेरिस, 15 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी ब्रिगिट मैक्रों ने दो महिला यूट्यूबर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया है। इन महिलाओं ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि ब्रिगिट मैक्रों महिला नहीं, बल्कि पुरुष हैं। इनका कहना था कि ब्रिगिट का असली नाम जीन-मिशेल ग्रोग्रेन्क्स था। हालांकि यह नाम ब्रिगिट के भाई का है। जीन-मिशेल और ब्रिगिट की शक्ल आपस में काफी हद तक मिलती है। इसके बाद प्रथम महिला ने इनके खिलाफ पेरिस की एक अदालत में केस किया था। कोर्ट ने सितंबर 2023 में दोनों महिलाओं को दोषी ठहराया था और उन्हें ब्रिगिट मैक्रों को 7 लाख रुपए और उनके भाई को 5 लाख रुपए हर्जाना देने का आदेश दिया था। हालांकि पेरिस की एक अपील अदालत ने 10 जुलाई को इस फैसले को पलट दिया था। इसके बाद ब्रिगिट मैक्रों और उनके भाई ने अब इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। यह मामला दिसंबर 2021 का है, जब अमंडाइन रॉय नाम की महिला यूट्यूबर ने एक पत्रकार

नताशा रे का इंटरव्यू किया। 4 घंटे के इस इंटरव्यू में नताशा ने दावा किया कि ब्रिगिट मैक्रों पुरुष हैं। नताश रे ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस जानकारी के लिए 3 साल तक रिसर्च की। रे ने दावा कि जीन मिशेल ने लिंग परिवर्तन कराने के बाद इमैनुएल मैक्रों से शादी की थी। यह वीडियो वायरल हो गया और पूरी दुनिया में इसे लेकर कॉन्सपिरेसी थ्योरी फैलने लगी। अमेरिका में भी यह मामला तेजी से फैला। दो ट्रम्प समर्थक पत्रकारों कैंडेस ओवेन्स और टकर कार्लसन ने इसे सबसे ज्यादा हवा दी। दोनों ने इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। उन्होंने दावा करते हुए खहा कि यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा राजनीतिक घोटाला है। ओवेन्स ने दावा किया कि ब्रिगिट और उनके भाई जीन-मिशेल ट्रोग्नेक्स वास्तव में एक ही व्यक्ति हैं। यानी ब्रिगिट पहले जीन-मिशेल के नाम से एक पुरुष थीं और बाद में लिंग परिवर्तन कर महिला बनीं। ओवेन्स ने यहां तक कहा कि वह अपनी पूरी पेशेवर प्रतिष्ठा इस बात पर दांव पर लगा देंगी कि ब्रिगिट मैक्रों वास्तव में पुरुष हैं। इन दावों के खिलाफ ब्रिगिट मैक्रों की कानूनी टीम ने प्रतिक्रिया दी। जनवरी 2025 में ओवेन्स ने एक वीडियो में कहा कि उन्हें फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों के वकीलों की ओर से कानूनी नोटिस मिला है।

रूस से तेल खरीदा तो खैर नहीं

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या भारत को दी धमकी? मास्को पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी

मास्को, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन में हमले कर रहे रूस के बीच चल रही जुबानी जंग में अब भारत और चीन जैसे देश भी फंस सकते हैं। ट्रंप ने कहा है कि रूस अगर 50 दिनों में यूक्रेन युद्ध को खत्म करने पर सहमत नहीं होता है तो अमेरिका मास्को के खिलाफ 100 फीसदी टैरिफ लगा सकता है। यही नहीं ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि अगर रूस 50 दिन में तैयार नहीं होता है तो उससे तेल खरीदने वाले देशों पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। ट्रंप की इस धमकी का इशारा सीधे भारत और चीन की ओर है जो रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहे हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस भारत को अब सबसे ज्यादा तेल का निर्यात कर रहा है। अमेरिका लगातार कई साल से भारत को धमका रहा है लेकिन दिल्ली ने वॉशिंगटन के आगे घुटने नहीं टेके हैं।

ट्रंप ने नाटो के सेक्रेटरी मार्क रुट्टे से मुलाकात की है जहां पर उन्होंने नाटो के जरिए यूक्रेन को बड़े पैमाने पर हथियार भेजने का ऐलान किया है। ट्रंप ने कहा, 'हम रूस से बेहद नाखुश हैं। अगर रूस ने 50 दिन में डील नहीं किया तो उसके खिलाफ भारी टैरिफ लगाया जाएगा। यह टैरिफ 100 फीसदी होगा।' इस दौरान ट्रंप और रुट्टे ने एक नई स्कीम का ऐलान किया जिसके तहत अमेरिकी हथियार यूक्रेन को नाटो के जरिए मिलते रहेंगे। वहीं अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वाइट हाउस के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि ट्रंप रूस पर 100 फीसदी टैरफि लगाएंगे, वहीं जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते हैं, उनके खिलाफ सेकेंडरी प्रतिबंध लगाएंगे।

हाल के दिनों में ट्रंप कई बार पुतिन पर अपना गुस्सा निकाल चुके हैं जो यूक्रेन में जंग को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि पुतिन ने उन्हें निराश किया है। ट्रंप रूस और तेल खरीदने वाले अन्य देशों पर प्रतिबंध की यह धमकी ऐसे समय पर दे रहे हैं जब रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल को अमेरिकी सीनेट में पेश किया गया है। इस बिल में प्रस्ताव किया गया है कि रूस से तेल और ऊर्जा प्रोडक्ट खरीदने वाले देशों पर 500 फीसदी प्रतिबंध लगाया जाएगा। इसमें भारत और चीन भी शामिल हैं। माना जा रहा है कि ट्रंप भारत और चीन के जरिए रूस पर दबाव बनाना चाहते हैं। साथ ही रूस के कमाई के स्रोतों को बंद करना चाहते हैं।

भारत मई 2025 में रूस से तेल खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। ऐसा अनुमान है कि भारत ने मई महीने में 4.2 अरब यूरो का तेल रूस से खरीदा है। यह भारत के कुल आयात का 72 प्रतिशत है। पिछले सप्ताह ही ट्रंप ने कहा था कि वह इस भारत और चीन पर प्रतिबंध लगाने वाले विधेयक पर गंभीरता से वचिार करेंगे। इस बिल को अप्रैल में सीनेट में पेश किया गया था। इस विधेयक को सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने पेश किया है जो ट्रंप की पार्टी के हैं और उनके करीबी भी हैं।

थाइलैंड और कंबोडिया भीषण जंग की तैयारी तेज

एशिया के 2 देश आमने-सामने सेना में नागरिकों की भर्ती अनिवार्य

बैंकाक, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश थाइलैंड और कंबोडिया के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंचता दिख रहा है। कंबोडिया ने ऐलान किया है कि वह थाइलैंड के साथ सीमा तनाव को देखते हुए नागरिकों की सेना में अनिवार्य भर्ती शुरू करने जा रहा है। कंबोडिया के पीएम हुन मानेट ने सोमवार को कहा कि सेना में नागरिकों की अनिवार्य भर्ती अगले साल से शुरू हो जाएगी। कंबोडिया के कानून में साल 2006 में सैन्य भर्ती को अनिवार्य बनाने वाले प्रावधान को लागू किया गया था। कंबोडिया और थाइलैंड के बीच इन दिनों तनाव काफी बढ़ा हुआ है।

यह पूरा विवाद उस समय भड़का जब 28 मई को कंबोडिया के एक सैनिक की विवादित सीमा पर गोलीबारी में मौत हो गई। इसके बाद से ही दोनों देशों के बीच सीमा को बंद कर दिया गया है। कंबोडिया ने इंटरनैशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में एक याचिका दायर की है। यही नहीं थाइलैंड से आने वाले कुछ आयात को भी रोक दिया है। वहीं थाइलैंड ने अपने पीएम पेटोंगटार्न शिनवात्रा को सस्पेंड कर दिया है। शिनवात्रा की कंबोडिया के पूर्व पीएम हुन सेन के साथ बातचीत लीक हो गई थी। कंबोडिया के पीएम हुन मैनेट ने एक सैन्य प्रशिक्षण सेटर में कहा, 'टकराव का यह दौर उनके लिए एक सबक की तरह से है। यह हमारी सेना की समीक्षा, आकलन और अपने लक्ष्य स्थापित करने के लिए एक मौका है।' कंबोडिया की संसद ने साल 2006 में एक कानून लागू किया था जिसमें कहा गया था कि 18 से 30 साल के सभी कंबोडियाई युवकों को सैन्य प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण 18 महीने का होगा। अभी तक इस कानून को लागू नहीं किया गया था। अब इसे कर दिया गया है।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के वर्ल्ड फैक्टबुक का अनुमान है कि कंबोडिया की सेना में 2 लाख जवान हैं। वहीं थाइलैंड की सेना में करीब साढ़े 3 लाख जवान हैं। अपने भाषण में कंबोडिया के पीएम ने देश से अपील की कि वह सैन्य बजट को बढ़ाए। उन्होंने थाइलैंड से भी कहा कि वह बंद की गई सीमा को फिर से खोल दे।

बांग्लादेश में इस्लामिक हुकूमत की तैयारी

शेख हसीना के बाद अब बीएनपी के पीछे पड़ी कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी

ढाका, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना विरोधी ताकतें अब एक-दूसरे के खिलाफ होने लगी हैं। शेख हसीना के खिलाफ साजिश में कामयाब होने के बाद बांग्लादेश की कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी अब देश इस्लामिक शासन की तैयारी कर रही है। इसके लिए जमात ने देश के दूसरे प्रमुख दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को मिटाने की योजना पर अमल शुरू कर दिया है। जमात-ए-इस्लामी ने अपनी पुरानी सहयोगी बीएनपी पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है। बीते सप्ताह के आखिर में अपनी हिंसक गतिविधियों के लिए कुख्यात जमात की छात्र शाखा छात्र शिबिर और बीएनपी की छात्र के बीच भिड़ंत हुई थी। सूत्रों के अनुसार, ऐसा लगता है कि जमात-ए-इस्लामी ने बीएनपी को निशाना बनाने, उस पर प्रतिबंध लगाने और देश की बागडोर अपने हाथ में लेने की एक सुनियोजित कोशिश कर रही है। पिछले कुछ दिनों में बीएनपी छात्र संघ के सदस्यों और नेताओं को कथित तौर पर ढाका विश्वविद्यालय के छात्रावासों और कॉलेजों से बाहर निकाल दिया गया है। एक सूत्र ने कहा कि 'यह एक सुनियोजित योजना का हिस्सा हो सकता है।' शेख हसीना के बाहर होने के बाद बांग्लादेश की प्रमुख पार्टी बीएनपी देश में जल्द आम चुनाव की मांग को लेकर आक्रामक है।

चीन में देवताओं जैसा पूजा गया आम

सरकार ने मजदूरों में बंटवाया, रातभर निहारते रहे, आम की बुराई करने वाले को फांसी

बीजिंग, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने 1,000 किलो आम भारत भेजे हैं। बांग्लादेश की इस पहल को 'मैंगो डिप्लोमेसी' कहा जा रहा है।

मैंगो डिप्लोमेसी का मतलब है- राजनीतिक या कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए आम जैसे फलों का इस्तेमाल 'उपहार' के तौर पर करना। पाकिस्तान को मैंगो डिप्लोमेसी की शुरुआत करने का श्रेय दिया जाता है।

स्टोरी में हम मैंगो डिप्लोमेसी की शुरुआत के बारे में जानेंगे। आगे जानेंगे कि माओ जेदांग ने मजदूरों में आम क्यों बंटवा दिए थे। इन आम को देवताओं की तरह क्यों पूजा गया था और कैसे आम

पसंद न करने वाले शख्स को फांसी दे दी गई थी।

पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री मियां अरशद हुसैन चीन की यात्रा पर थे। वहां उन्होंने सुप्रीम लीडर माओ जेदांग से मुलाकात की और आमों के 40 टोकरे भेंट किए। यह पहली बार हो रहा था जब कोई लीडर विदेश यात्रा पर आम लेकर गया था। आम दोनों देशों के बीच दोस्ती का एक प्रतीक बन गया। खैर, माओ को आम पसंद नहीं थे, इसलिए उन्होंने इन्हें मजदूरों में बांटने का आदेश दे दिया। ये मजदूर माओ के अनुयायी थे। इन्हें विश्वविद्यालयों में चीन सरकार के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रहे छात्रों को रोकने में लगाया गया था। इन मजदूरों ने कभी आम नहीं देखा था, सुनहरे कांच के डिब्बे में रखे आम को देख वे इतने भावुक हो गए कि उन्होंने इसे माओ का आशीर्वाद मान लिया। इतिहासकार अल्फ्रेडा मर्क ने सुप्रीम लीडर माओ और आम पर एक किताब 'माओज गोल्डन मैंगोज एंड द कल्चरल रिवोल्यूशन' लिखी है।

किताब की प्रस्तावना में लिखा है- साठ के दशक में चीन में लोग आम को नहीं जानते थे। जब ये आम यूनिवर्सिटी कैंपस में पहुंचे, तो मजदूर रात भर आम को निहारते, सूंघते, सहलाते रहे। उन्हें लगा कि माओ ने उन्हें किसी दिव्य वस्तु से सम्मानित किया है।

मर्क एक कपड़ा फैक्ट्री का भी उदाहरण देती हैं, जहां आम के स्वागत में एक बड़ा समारोह हुआ। आम को मोम में सुरक्षित करके एक हॉल में रखा गया। मजदूर कतार में खड़े होकर उसे देखने आए और जैसे ही आम दिखाई दिया, उन्होंने श्रद्धा में सिर झुका दिए। बीजिंग की एक फैक्ट्री में जब आम पहुंचा, तो वहां लोगों में बहस शुरू हो गई कि क्या इसे खा लिया जाए या संभाल कर रखा जाए? आखिर फैसला हुआ कि इसे फॉर्मेल्डिहाइड में रखकर सहेजा जाएगा और उसकी मोम की नकलें बनाकर हर मजदूर को दी जाएंगी।

चीन ने बढ़ाई जापान की चिंता

कहा- प्रशांत महासागर में ड्रैगन का बढ़ता दखल बन रहा रणनीतिक चुनौती

टोक्यो, 15 जुलाई (एजेंसियां)। प्रशांत महासागर समेत अपने दक्षिण पश्चिमी तटों पर बढ़ती चीन की सैन्य गतिविधियों ने जापान की चिंता बढ़ा दी है। बीजिंग के लगातार बढ़ रहे दखल को जापान ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बताया है। जापानी रक्षा मंत्रालय ने कैबिनेट को सौंपी 534 पन्ने की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि रूस के साथ बढ़ता चीन का संयुक्त अभियान, ताइवान के आसपास बढ़ता तनाव और उत्तर कोरिया से आने वाले खतरे जापान के लिए गंभीर सुरक्षा चिंता पैदा कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक समाज एक नए संकट के दौर में है।

भजनलाल सरकार ने 3 नई पॉलिसियों को दी मंजूरी

हर शहर में खेल मैदान, पार्क और पाइप लाइन से पहुंचेगी गैस

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने तीन नई पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। इनमें टाउनशिप, राजस्थान सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन और मेडिकल वैल्यू ट्रैवल पॉलिसी शामिल है। टाउनशिप नीति में जहां जनहित के कई प्रावधान किए गए हैं, वहीं डवलपर्स की जवाबदेही भी तय की गई है। खास यह है कि छोटी-बड़ी आवासीय योजना के निवासियों को अब एक जैसी सुविधा मिलेगी। पॉलिसी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए राज्य स्तरीय कमेटी बनेगी।

पॉलिसी के अन्य बिंदु

समूह आवास, लैटेड, प्लॉटेड, मिक्स लैंड यूज योजना में सब सिटी सेंटर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर व कयूनिटी सेंटर बनाने होंगे। सौर व पवन ऊर्जा प्लांट को बढ़ावा देने के लिए राजस्व रिकॉर्ड में पहुंच मार्ग दर्ज होने व न्यूनतम चौड़ाई की बाध्यता हटा दी है। औद्योगिक योजनाओं में श्रमिकों के निवास के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भू-खंड होंगे। ईडब्ल्यूएस व एलआइजी के लिए आरक्षित भू-खंडों का आवंटन का अधिकार डवलपर्स से छीन लिया गया है। अब स्थानीय निकाय ही आवंटन करेंगे।

छोटी टाउनशिप (2 हेक्टेयर से कम) में भी भू-खंडधारियों को अब पार्क, खेल मैदान की सुविधा मिलेगी। यूटिलिटी और फैसेलिटी का 15 प्रतिशत हिस्सा छोड़ना होगा। आठ प्रतिशत हिस्सा अस्पताल, स्कूल, कयूनिटी सेंटर, पार्क, खेल मैदान व अन्य जन उपयोग गतिविधि और सात प्रतिशत हिस्सा बिजली उप केन्द्र, पेयजल योजना, ठोस कचरा प्रबंधन इकाई, सार्वजनिक शौचालय व अन्य गतिविधि के लिए छोड़ना होगा।

गिरवी रहेंगे भू-खंड

डवलपर्स को आवासीय योजना की 5 साल तक मेंटीनेंस करनी होगी। इसके लिए योजना के कुल भू-खंडों का 2.5 फीसदी हिस्सा गिरवी रखा जाएगा, ताकि डवलपर सड़क, सीवरेज, ड्रेनेज, विद्युत तंत्र का मेंटीनेंस करता रहे।

कॉलोनी में खेल मैदान

दो हेक्टेयर से बड़ी आवासीय योजना में न्यूनतम 3 प्रतिशत भूमि खेल मैदान के लिए आरक्षित करनी ही होगी। यह हिस्सा पार्क के अलावा होगा। अभी तक योजना में खेल मैदान की अनिवार्यता नहीं होने से बच्चों को दूर जाना पड़ रहा है।

होगा बफर जोन

नदी, झील, तालाब, नहर, बरसाती नाला सहित अन्य जल स्रोतों को बचाने के लिए इनके सहारे न्यूनतम बफर जोन होगा। जल स्रोत योजना का हिस्सा आस-पास होगा तो डवलपर को जगह छोड़नी होगी।

निलंबित मेयर को हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

रिश्वत लेने का है आरोप; सरकार ने किया ये दावा

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर हेरिटेज नगर निगम की निलंबित मेयर मुनेश गुर्जर को राजस्थान हाई कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। जस्टिस अनूप कुमार ढांड की एकल पीठ ने उनकी याचिका खारिज करते हुए राज्य सरकार के तीसरे निलंबन आदेश को सही ठहराया है।

मुनेश गुर्जर को भ्रष्टाचार और रिश्वत लेकर पट्टा जारी करने के आरोपों में तीसरी बार निलंबित किया गया था। कोर्ट ने सरकार को विभागीय जांच समय पर तरीके से पूरी करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था, जिसे अब सुनाया गया।

तीसरे निलंबन को दी गई थी चुनौती

दरअसल, मुनेश गुर्जर ने अपने तीसरे निलंबन को चुनौती देते हुए

दावा किया था कि राज्य सरकार ने एकतरफा और राजनीति से प्रेरित कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि निलंबन से पहले उन्हें सुनवाई का उचित मौका नहीं दिया गया। उनके वकील ने तर्क दिया कि सरकार ने दो जांच अधिकारियों को नियुक्त किया, लेकिन एक अधिकारी का कोई पत्र नहीं मिला, जबकि दूसरे के पत्र पर हस्ताक्षर नहीं थे। साथ ही, सुनवाई के लिए दी गई तारीख सार्वजनिक अवकाश के दिन थी।

मुनेश गुर्जर ने यह भी कहा कि जब उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए स्थानीय स्वशासन विभाग को पत्र लिखा तो अगले ही दिन उन्हें निलंबित कर दिया गया, जो प्रक्रिया का उल्लंघन दर्शाता है।

सरकार ने कोर्ट में किया ये दावा

वहीं, राज्य सरकार ने कोर्ट में दावा किया कि गुर्जर को निलंबन से पहले नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं था। सरकार ने कहा कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के साथ-साथ प्राथमिक जांच में अनियमितताएं सामने आई हैं, जिसमें नगर निगम कर्मचारियों के बयान भी शामिल हैं। इन आधारों पर निलंबन को उचित ठहराया गया।

मुनेश का तीन बार हुआ निलंबन

गौरतलब है कि मुनेश गुर्जर का 13 महीने का कार्यकाल विवादों से भरा रहा, जिसमें उन्हें तीन बार निलंबन का सामना करना पड़ा। इससे पहले, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 5 अगस्त 2023 और 22 सितंबर 2023 को उन्हें निलंबित किया था, लेकिन दोनों बार हाई कोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए निलंबन रद्द कर दिया था। इस बार, भजनलाल शर्मा सरकार ने 23 सितंबर 2024 को भ्रष्टाचार के आरोपों में उन्हें फिर से निलंबित किया।

जस्टिस आर.श्रीराम राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश

मौजूदा सीजे को मद्रास हाईकोर्ट भेजा

जस्टिस के आर श्रीराम
मुख्य न्यायाधीश

जस्टिस एसपी शर्मा
न्यायाधीश

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर अब जस्टिस श्रीराम शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एमएम श्रीवास्तव के मद्रास हाईकोर्ट और जस्टिस के.आर. श्रीराम के राजस्थान हाईकोर्ट तबादले की सिफारिश की थी, जिसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद आज इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई।

जस्टिस श्रीराम अब राजस्थान के 43वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। जस्टिस श्रीराम महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और 2013 में मुंबई हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए थे। इसके बाद साल 2016 में स्थायी न्यायाधीश बने। वहीं 27 सितंबर 2024 को उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति भवन ने जस्टिस एसपी शर्मा का भी पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से राजस्थान हाईकोर्ट तबादला कर दिया है। जस्टिस शर्मा की करीब साढ़े 3 साल बाद घर वापसी हो रही है। जस्टिस शर्मा वकील कोटे से 16 नवंबर 2016 को राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त हुए थे लेकिन 1 जनवरी 2022 को उनका पटना हाईकोर्ट तबादला कर दिया गया था। फिर साल 2023 में पटना हाईकोर्ट से पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में तबादला कर दिया गया। अब जस्टिस शर्मा का राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला हुआ है।

जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा 26 सितंबर 2026 में रिटायर होंगे। हाईकोर्ट से दो जजों का तबादला, वहीं राजस्थान हाईकोर्ट से जस्टिस श्रीचंद्रशेखर और जस्टिस अरुण मोगा का तबादला कर दिया गया है। जस्टिस श्रीचंद्रशेखर को मुंबई हाईकोर्ट और जस्टिस अरुण मोगा का दिल्ली हाईकोर्ट तबादला किया गया है। इन दोनों के तबादलों की सिफारिश भी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की थी।

गोगुंदा में नाकेबंदी के दौरान 1100 किलो चांदी पकड़ी

इनकम टैक्स और जीएसटी की टीम कर रही है जांच

उदयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा इलाके से बड़ी खबर सामने आई है। यहां पुलिस ने टोल नाके पर नाकाबंदी के दौरान गुजरात नंबर की एक संदिग्ध गाड़ी को रोककर पूछताछ की जिसमें चालक संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली। जांच के दौरान गाड़ी से करीब 1100 किलो चांदी मिलने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने गाड़ी में सवार चालक सहित दो लोगों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने चांदी को अहमदाबाद से जयपुर ले जाना बताया है लेकिन दस्तावेज स्पष्ट नहीं होने से पुलिस ने मामला संदिग्ध माना है।

घटना की जानकारी मिलने पर इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग को सूचित किया गया। इसके बाद इनकम टैक्स विभाग की टीम मौके पर गोगुंदा पहुंची और जांच शुरू की। अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने चांदी को जब्त कर लिया है और दोनों व्यक्तियों से पूछताछ जारी है। प्रारंभिक तौर पर मामला टैक्स चोरी से जुड़ा हो सकता है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

बेनीवाल के नेतृत्व में जन आक्रोश रैली व अनिश्चितकालीन धरना

कलेक्टर ने 8 अगस्त तक रोक लगाई

नागौर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में मंगलवार को नागौर के पशु प्रदर्शनी स्थल पर जन आक्रोश रैली और अनिश्चितकालीन धरना आयोजित किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर नागौर जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने नागौर शहर के सर्किट हाउस से लेकर रेलवे चौराहे, कलेक्ट्रेट कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, नकाश गेट तक 8 अगस्त तक सभी सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन, रैली, जुलूस, सभा अथवा सार्वजनिक आयोजनों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध धार्मिक मेले, विवाह व शवयात्रा पर लागू नहीं होगा।

आपको बता दें कि सांसद हनुमान बेनीवाल सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों से इस रैली में ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने का आह्वान कर रहे हैं। उनके अलावा मेड़ता की पूर्व विधायक इंदिरादेवी बावरी भी दर्जनों गांवों में जनसंपर्क कर लोगों को नागौर आने के लिए प्रेरित कर रही हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए धरना स्थल पर वाटरप्रूफ डोम लगाया गया है। रैली की जिम्मेदारी खींवसर के पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल को सौंपी गई है।

पूर्व विधायक नारायण बेनीवाल ने बताया कि रास-मेड़ता व मेड़ता-पुष्कर रेलवे लाइन के अधिग्रहण में अपनाई गई मनमानी प्रक्रिया से उत्पन्न समस्याएं, जयपुर-नागौर-फालोदी प्रस्तावित थार एक्सप्रेस वे में हो रहे गलत सर्वेक्षण, नागौर जिले में बिगड़ती कानून व्यवस्था, बजरी माफियाओं के आतंक, जेएसडब्ल्यू, अंबुजा व जेके लक्ष्मी सीमेंट कंपनियों की मनमर्जी, सोलर कंपनियों की अव्यवस्था, सरकारी विभागों में संस्थागत भ्रष्टाचार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में समय पर क्लेम नहीं मिलना व बीमा कंपनियों व माफियाओं का गठजोड़, पशु मेलों में पशु विक्रेताओं को हो रही दिक्कतें आदि मुद्दों को लेकर यह रैली आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह रैली आमजन को उनके हक और अधिकार के लिए आवाज उठाने का मंच है, जिसमें हजारों लोगों के आने की उम्मीद है।

सीकर में जलभराव का मुद्दा उठाने वाली लड़की से मिले डोटासरा, शिवानी की तारीफ के बांधे पुल

सीकर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गाड़ोदा गांव में बारिश के बाद जलभराव की समस्या ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं थी। एक स्कूली छात्रा शिवानी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह घुटनों तक भरे पानी में खड़े होकर नेताओं पर कटाक्ष करती नजर आई थी। इस वीडियो ने गांव की बदहाल बुनियादी सुविधाओं को उजागर किया था।

वहीं, अब कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष और लक्ष्मणगढ़ विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर न सिर्फ समस्या के समाधान की दिशा में कदम उठाया, बल्कि शिवानी की हिम्मत की सराहना कर एक नई मिसाल कायम की।

डोटासरा ने शिवानी से की मुलाकात

मंगलवार सुबह 9 बजे गाड़ोदा के ग्रामीण और शिवानी सीकर

स्थित डोटासरा के कार्यालय पहुंचे। डोटासरा ने शिवानी से मुलाकात कर उसकी हौसला-अफजाई की और कहा कि हमारी बेटी शिवानी ने जिस साहस के साथ जलभराव की समस्या को उजागर किया, वह काबिले-तारीफ है। आज हमने विधायक कोटे से जनरेटर के लिए पैसे दिए हैं और दो अतिरिक्त जनरेटर की व्यवस्था की है। बारिश रुकते ही नालियों का निर्माण करवाकर भविष्य में जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से हल करेंगे।

आगे डोटासरा ने शिवानी को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि हमारे बेटे-बेटियां जनसमस्याओं को सामने ला रहे हैं। हम समर्पण के साथ इनका समाधान करेंगे।

शिवानी ने बनाया था ये वीडियो

बताते चलें कि शिवानी ने अपने वीडियो में जलभराव के साथ-साथ खराब जनरेटर और बिजली के डीपी जैसे सुरक्षा जोखिमों को भी बेबाकी से सामने रखा था। शिवानी ने तंज कसते हुए कहा था कि नेताजी तुम मौज करो, हम तुम्हारे साथ हैं। शिवानी के वीडियो में उसने गांव की बदहाली को बयान करते हुए कहा था कि थोड़ी सी बारिश में नदी बन जाती है। नेता लोग चुनाव में आते हैं, लेकिन अब गांव की हालत से अनजान हैं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तूल पकड़ा था। इसके बाद क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर बहस छिड़ गई थी।

समरावता कांड के आरोपी नरेश मीणा टोंक जेल से रिहा

समर्थकों ने किया स्वागत

टोंक, 15 जुलाई (एजेंसियां)। देवली-उनियारा क्षेत्र से जुड़े बहुचर्चित समरावता कांड में जमानत मिलने के बाद नरेश मीणा टोंक जिला कारागार से रिहा हो गए। शुक्रवार को राजस्थान हाईकोर्ट से जमानत आदेश मिलने के बाद उनके जमानत मुचलकों की कानूनी प्रक्रिया पूरी हुई, जिसके बाद जेल प्रशासन ने उन्हें रिहा कर दिया।

नरेश मीणा की रिहाई के दौरान टोंक जेल के बाहर उनके सैकड़ों समर्थक मौजूद थे, जो सुबह से ही भारी बारिश में भीगते हुए उनका इंतज़ार कर रहे थे। जैसे ही नरेश मीणा जेल से बाहर आए, 'नरेश मीणा ज़िंदाबाद' के नारों से माहौल गूंज उठा। समर्थकों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। जेल से बाहर निकलते समय नरेश मीणा ने हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन

किया, लेकिन उन्होंने किसी प्रकार की राजनीतिक या व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं दी। वे सीधे अपनी गाड़ी में सवार होकर समरावता के लिए रवाना हो गए।

गौरतलब है कि नरेश मीणा पिछले आठ महीनों से जेल में बंद थे। अब उनकी रिहाई से समर्थकों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। राजनीतिक हलकों में भी नरेश मीणा की जमानत की चर्चा हो रही है।

चिल्ड्रन बैंक के नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। वैशाली नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मनोरंजन बैंक (चिल्ड्रन बैंक) के नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य के नकली नोट बरामद किए गए हैं।

थानाधिकारी गुरुदत्त सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 जुलाई को थाने में एक अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच के दौरान पुलिस को ठगी और नकली नोटों के गिरोह के बारे में अहम सुराग मिले। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने प्रकाशचंद्र (35 वर्ष), नवीन कुमार (24 वर्ष) और जमशेद को गिरफ्तार किया।

आरोपी मनोरंजन बैंक के नोटों का इस्तेमाल असली दिखाने के लिए करते थे। ये नोट आमतौर पर बच्चों को चूर्ण व अन्य उत्पादों के साथ दिए जाते हैं और इनका इस्तेमाल केवल खेल व मनोरंजन के लिए होता है लेकिन आरोपियों ने इसी नकली करेंसी को असली बताकर लोगों को ठगने की साजिश रची।

आरोपी लोगों को रकम को पांच गुना करने का झांसा देते थे। वे नकली नोटों की गड्डियों के ऊपर और नीचे असली नोट लगाते थे और बीच में मनोरंजन बैंक के नोट छुपा देते थे। इस तरह विश्वास में लेकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया जाता था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 100, 200, 500 और 2000 रुपये के नोटों की कुल 185 गड्डियां बरामद की हैं, जो सभी मनोरंजन बैंक के नकली नोट हैं। प्रारंभिक जांच में करीब 1 करोड़ रुपये मूल्य के नोट जब्त किए गए हैं।

पैंथर के मूवमेंट से ग्रामीणों में दहशत

पकड़ने को पहाड़ पर लगाया पिंजरा

सवाईमाधोपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बौंली उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत थडोली के पहाड़ पर इन दिनों पैंथर का मूवमेंट बना हुआ है। इससे ग्रामीणों में दहशत है। राजस्थान पत्रिका में 8 जुलाई के अंक में 'पंचायत थडोली के पहाड़ पर लगातार पैंथर का मूवमेंट रहने से लोगों में दहशत' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया था। इसके बाद वनविभाग ने पैंथर रेस्क्यू स्थान चिह्नित कर थडोली पंचायत भवन के पीछे पहाड़ पर पिंजरा लगाया। वन विभाग की टीम अब कार्रवाई में जुटी हुई है। बता दें कि यहां पैंथर का मूवमेंट काफी महीनों से बना हुआ है। ग्रामीणों ने कई बार वन विभाग को जानकारी दी, लेकिन वन विभाग की टीम बिना कार्रवाई बैरंग लौट गई। बीच में पैंथर ने यहां पालतू जानवरों के शिकार भी किए। अब एक बार फिर से पैंथर दिखने पर ग्रामीणों ने इसकी सूचना दी है। ग्रामीणों ने अधिकारियों को पैंथर मूवमेंट की जानकारी दी थी। अधिकारियों के निर्देश के बाद थडोली-बंधावल में पैंथर का मूवमेन्ट चिह्नित कर पिंजरा लगाया है। वनविभाग की टीम इसे पकड़ने में जुटी है।

हाड़ौती में बारिश ने कहर बरपाया, चंबल में बहे 6 लोग

एसडीआरएफ का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, एक युवती की मौत

कोटा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले तीन दिनों से हुई जोरदार बारिश ने जमकर कहर बरपाया है। इसी बीच कोटा संभाग में भी जोरदार बारिश का दौर जारी रहा, जिससे कई जगह पर नुकसान की खबरें सामने आईं। कोटा जिले में चंबल नदी में छह लोग बह गए, जिनका सर्चिंग ऑपरेशन जारी है, वहीं दूसरी तरफ एक युवती की पानी में डूबने से मौत हो गई।

बारां जिले में भी एसडीआरएफ की टीम ने पानी में फंसे तीन लोगों का रेस्क्यू किया। हाड़ौती में जोरदार बारिश के बाद कई घरों में दो-दो फीट तक पानी भर गया। वहीं नाले ऊफान पर आने से रोड भी दरिया बन गए। कोटा बैराज के गेटों को खोलकर पानी के निकासी भी लगातार तीसरे दिन भी जारी है।

एसडीआरएफ की कंपनी कमांडेड एकता हाड़ा ने बताया कि एक टीम कोटा ग्रामीण क्षेत्र में भेजी गई है, जो रात भर से वहीं कैंप लगाकर रुकी हुई है। कोटा शहर में भी एसडीआरएफ ने कई लोगों का रेस्क्यू किया है। एक स्कूल के अंदर कुछ बच्चे और टीचर फंस गए थे, जिन्हें टीम ने बाहर निकाला। वहीं एक युवती की पानी में डूबने से मौत हो गई। कोटा ग्रामीण के निमोदा हरिजी गांव में पिकनिक मनाने गए 7 लोग चंबल नदी के तेज बहाव के बीच फंस गए एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर एक व्यक्ति को कड़ी मशक्कत के बाद पानी से बाहर निकाल लिया। वहीं 6 लोग पानी के तेज बहाव के साथ बह गए, जिनका देर रात तक सर्चिंग अभियान किया गया लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। मंगलवार सुबह से ही दोबारा चंबल नदी में बहे लोगों की तलाश शुरू कर दी गई है। वहीं बारां जिले में भी पिछले कुछ दिनों से हो रही जोरदार बारिश से आम जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है।

छुट्टियां बिताने आए जम्मू बॉर्डर पर तैनात सेना के जवान की दर्दनाक मौत, घर में मचा कोहराम

झालावाड़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ के पनवाड़ थाना क्षेत्र के हरिगढ़-बाघेर सड़क पर झालावाड़ जाते समय अचानक कार अनियंत्रित होकर खाळ पर बनी पुलिया की दीवार से टकराने के भारतीय सेना के एक जवान की मौत हो गई। एक अन्य घायल हो गया। घायल का झालावाड़ अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस ने बताया कि आर्मी जवान जितेन्द्र सिंह हाड़ा (40) पुत्र गजराजसिंह निवासी डूंगरपुर हाल अग्रसेन कॉलोनी झालावाड़ की सड़क हादसे में मौत हो गई। हाड़ा अपने गांव में फसल देखकर झालावाड़ आ रहा था, इसी दौरान हरिगढ़ के पास कार अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई। जिसमें इंडियन आर्मी का जवान व एक अन्य घायल गंभीर घायल हो गया। जिन्हे एम्बुलेंस से ग्रामीण एसआरजी चिकित्सालय लेकर आए जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने जितेन्द्र सिंह हाड़ा को मृत घोषित कर दिया। घायल का इलाज जारी है।

मृतक इंडियन आर्मी में पूंछ-रंजोरी में तैनात था। अभी छुट्टियां बिताने आया था। भाई लोकेन्द्र सिंह ने बताया कि जितेन्द्र जम्मू से छुट्टियों में आया था, उसे 28 जुलाई को वापस ड्यूटी पर जाना था। जितेन्द्र के दो बच्चे हैं, जो अभी पढ़ाई करते हैं।

एसआई भर्ती पेपर लीक

हाईकोर्ट सख्त, कहा- एक भी गलत व्यक्ति सेवा में नहीं आना चाहिए

एसआईटी चेयरमैन वीके सिंह एचसी में तलब

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट में पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 पेपर लीक प्रकरण पर मंगलवार दोपहर ढाई बजे सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान पेपर लीक मामलों को लेकर गठित एसआईटी के चेयरमैन एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक वीके सिंह को बुलाया गया है।

बता दें कि कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी की, कि पुलिस उपनिरीक्षक का जॉब कोई टीचिंग का जॉब नहीं है, यह कानून व्यवस्था का मुद्दा है, इस जॉब के लिए चुना गया एक भी व्यक्ति गलत तरीके से सेवा में नहीं आना चाहिए। कोर्ट ने आरपीएससी की गोपनीयता पर भी तल्ख टिप्पणी की।

विकास कार्यों में देरी न हो, सीतक्का ने दी चेतावनी

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रभारी मंत्री सीतक्का और सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने मंगलवार को कामारेड्डी जिला कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की, जिसमें सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास पहलों की प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया। समीक्षा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, इंदिराम्मा आवास, भूमि अभिलेख (भू-भारती), पेयजल एवं सिंचाई जल आपूर्ति, कृषि, उर्वरक एवं बीज, महिला एवं बाल कल्याण, स्वच्छता, वन महोत्सव के तहत हरियाली संवर्धन और अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए, शब्बीर अली ने चालू मानसून के दौरान डेंगू और अन्य वायरल संक्रमण जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए तत्काल सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने चिकित्सा एवं नगर निगम विभागों को सभी पेयजल टंकियों की नियमित रूप से सफाई और शुद्धिकरण करने और जल निकासी व्यवस्था को बिना किसी देरी के साफ करने का निर्देश दिया। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए, उन्होंने निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों में धूमन और मच्छर नियंत्रण अभियान चलाए जाएं। उन्होंने आगे कहा कि जहां भी प्रकोप की सूचना मिले, वहां तुरंत स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए जाने चाहिए और अधिकारियों को जनता को उचित मार्गदर्शन और जागरूकता प्रदान करनी चाहिए। मानसून से संबंधित बीमारियों से उत्पन्न होने वाले खतरों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि इन मामलों में लापरवाही के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। मंत्री सीतक्का ने छह महीने पहले धनराशि जारी होने के बावजूद विकास कार्यों में हो रही देरी पर कड़ी आपत्ति जताई।

उन्होंने धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी परिस्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएं और कहा कि देरी के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले किसी भी विभाग के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से गोदावरी जल परियोजनाओं, अमृत-1 और अमृत-2 योजनाओं, स्वच्छता, सड़क और जल निकासी व्यवस्था, और केंद्रीय प्रकाश व्यवस्था सहित सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति से संबंधित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने इंदिराम्मा आवास योजना की प्रगति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को लाभार्थियों को बिना किसी अनियमितता या असुविधा के, रेत की पारदर्शी और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि जल्द ही नए आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण शुरू होगा। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सरकार महिला एवं बाल कल्याण को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि इस क्षेत्र की योजनाओं पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। कृषि के मोर्चे पर, उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार बीज और उर्वरकों की कमी से बचने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी ताकि किसानों को मौसम के दौरान खेती में कोई व्यवधान न हो। बैठक के दौरान पर्यावरणीय स्थिरता पर भी ज़ोर दिया गया।

वरिष्ठ माओवादी दंपत्ति ने रामागुंडम पुलिस के समक्ष किया आत्मसमर्पण

पेद्दापल्ली, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी पार्टी को एक और झटका देते हुए दो वरिष्ठ नेताओं ने मंगलवार को रामागुंडम कमिश्नरेट पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अथराम लचन्ना उर्फ गोपन्ना उर्फ राजण्णा और उसकी पत्नी चौधरी अंकुभाई उर्फ अनिथक्का उर्फ लक्ष्मी ने पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जहां लछन्ना माओवादी पार्टी की तकनीकी टीम में राज्य समिति सदस्य के रूप में कार्यरत थे, वहीं अंकुभाई छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर संभाग समिति सदस्य थे। अधिकांश समय, दोनों माओवादी पार्टी की तकनीकी टीम में कार्यरत थे। लछन्ना उत्तर बस्तर डीवीसी की संभाग तकनीकी टीम के प्रभारी भी थे, जबकि अंकुभाई उसी तकनीकी टीम के सदस्य थे।

मंचेरियल जिले के कोतापल्ली मंडल के पारापेल्ली निवासी, लछन्ना 1983 में तत्कालीन भाकपा (माले) पीपुल्स वार में शामिल हुए और शुरुआत में चेन्नूर दलम के सदस्य के रूप में काम किया। 1988 में उन्हें एरिया कमेटी सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और बाद में उन्होंने सिरपुर दलम के उप कमांडर के रूप में कार्य किया। 1989 में उन्होंने चौधरी अंकुभाई से विवाह किया। 1995 में, उनका तबादला तकनीकी विभाग में कर दिया गया और उन्हें पार्टी कार्य के लिए शहरी क्षेत्रों में भेजा गया।

2002 में, उन्हें डीसीएम के पद पर पदोन्नत किया गया और डीकेएसजेडसी में भेज दिया गया। 2007 में, उन्हें उत्तर बस्तर डीवीसी में तकनीकी विभाग का प्रभारी बनाया गया। बाद में उन्हें एसजेडसी सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया और 2023 में डीके एसजेडसीएम में शामिल कर लिया गया। लछन्ना ने आत्मसमर्पण करने तक वहीं काम किया। तेलंगाना के विभिन्न जिलों में उनके खिलाफ 35 मामले दर्ज थे। अपने बड़े भाई चौधरी चिन्ना के प्रोत्साहन से, अंकुभाई 1988 में उग्रवादी पार्टी में शामिल हो गईं और सिरपुर दलम में काम किया। वहां काम करते हुए, उन्होंने लछन्ना से विवाह किया, जो उस समय उप-कमांडर थे। 1995 में, उनका अपने पति के साथ शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरण हो गया।

नलगोंडा को आदर्श ज़िला बनाने का प्रयास : कोमटि रेड्डी

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन निर्माण तथा छायांकन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज नलगोंडा के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि उनका सबसे बड़ा लक्ष्य इस ज़िले को शिक्षा, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं जैसे सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाना है। मंगलवार को डॉ.बी.आर. अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि अविभाजित नलगोंडा ज़िले के लोगों ने उन्हें तीन दशकों से भी अधिक समय से अपना विश्वास और समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी प्रगति और कल्याण के लिए अथक प्रयास करना उनकी ज़िम्मेदारी है।

बैठक में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के विकास के साथ-साथ ज़िले भर में कॉलेजों और स्कूली शिक्षा के विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। चर्चा के दौरान, मंत्री महोदय ने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय को एक प्रतिष्ठित संस्थान बताया और कुलपति प्रो. अल्ताफ हुसैन, रजिस्ट्रार रवि और शासी परिषद के सदस्यों से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 60.22 करोड़ का विशेष अनुदान स्वीकृत किया है। कुलपति प्रो. अल्ताफ हुसैन ने फार्मेसी, एलएलबी और एलएलएम जैसे नए पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया और मंत्री महोदय से सहयोग का अनुरोध किया। सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने आश्वासन दिया कि सरकार शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधारों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि नलगोंडा में एक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ फार्मेसी और एक लॉ कॉलेज की स्थापना उनकी लंबे समय से आकांक्षा रही है। उन्होंने पुष्टि की कि सरकार इस उद्देश्य के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है और नए पाठ्यक्रम जल्द ही उपलब्ध कराए जाएंगे। समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग की सचिव योगिता राणा, तकनीकी एवं उच्च शिक्षा आयुक्त देवसेना, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अल्ताफ हुसैन और विश्वविद्यालय के कुलसचिव रवि सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

टास्क फोर्स पुलिस ने पोकर खेलते हुए चार लोगों को पकड़ा

आसिफाबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद में बुंदल घाट पुल के पास कुछ लोगों द्वारा पोकर खेलने की सूचना मिलने पर, टास्क फोर्स पुलिस ने अचानक छापेमारी की। जिला एसपी कांतिलाल पाटिल ने बताया कि इस छापेमारी में टास्क फोर्स पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लिया और आसिफाबाद टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। आरोपियों के पास से 6,800 नकद, 52 पोकर कार्ड, तीन स्मार्ट मोबाइल और एक कोमा मोबाइल जब्त किया गया। बोड्डपल्ली पुरुषोत्तम, उदुताला भीमय्या,इमरान खान, गौस सिद्दीकी को हिरासत में लिया। इस कार्य में टास्क फोर्स इंस्पेक्टर राणा प्रताप, टास्क फोर्स स्टाफ कांस्टेबल देवेंद्र, संजीव, स्पेशल पार्टी पुलिस के जवान शामिल थे। जिला पुलिस अधीक्षक ने चेतावनी दी कि पोकर जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने कहा कि जो कोई भी पोकर, मटका, जुआ जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त है, या प्रतिबंधित नशीले पदार्थों या दवाओं का सेवन या आपूर्ति करता है, उसे स्थानीय पुलिस स्टेशन में कॉल करके इसकी सूचना देनी चाहिए।

केजीबीवी का छात्र पहली मंजिल से गिरा गंभीर रूप से घायल

जोगुलाम्बा गदवाल, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की एक छात्रा मंगलवार सुबह केटीदोड्डी मंडल स्थित संस्थान भवन की पहली मंजिल से गिर गई और उसे चोटें आईं। यह घटना उस समय हुई जब इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा साई श्रुति कक्षा में जाने के लिए पहली मंजिल से सीढ़ियां चढ़ रही थी। लेकिन वह पहली मंजिल से गिर गई और उसे चोटें आईं। खबरों के अनुसार, अन्य छात्राओं की चीख-पुकार सुनकर स्कूल स्टाफ के सदस्य मौके पर पहुंचे और श्रुति को तुरंत गदवाल के सरकारी सामान्य अस्पताल ले गए। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, केजीबीवी की विशेष अधिकारी पद्मावती ने कहा कि साईं श्रुति एक अच्छी छात्रा है, हालांकि, पिछले कुछ दिनों से वह कुछ पारिवारिक कारणों से मानसिक रूप से परेशान थी। अन्य छात्राओं ने बताया कि उसने खाना-पीना और पढ़ाई भी छोड़ दी थी। रिपोर्टों के अनुसार, विशेष अधिकारी ने कहा कि वह शायद कमज़ोरी के कारण पहली मंजिल से गिर गई होगी। छात्रा की हालत स्थिर बताई जा रही है।

केटीआर ने गुरुकुल छात्रों की मौत पर रेवंत रेड्डी की चुप्पी पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने सरकारी गुरुकुल आवासीय विद्यालयों में खाद्य विषाक्तता की घटनाओं और छात्रों की मौतों में खतरनाक वृद्धि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने सरकार को उसकी आपराधिक लापरवाही के लिए ज़िम्मेदार ठहराते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के एक साल के शासन में कम से कम 1,000 छात्र विषाक्त भोजन के कारण पीड़ित हुए हैं और लगभग 100 की मौत हो गई है। उन्होंने गुरुकुल के छात्रों को विषाक्त भोजन के कारण अस्पताल में भर्ती होने और पिछले एक साल में कम से कम 50 छात्रों की मौत की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

शिक्षा विभाग का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए, रामा राव ने भोजन विषाक्तता और छात्रों की मौतों की लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद उनकी निष्क्रियता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा बार-बार चिंता व्यक्त करने के बावजूद, मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों ने कोई कार्रवाई करने के बजाय मामले को भटकाने, भटकाने और लीपापोती करने की कोशिश की।

उन्होंने कहा, कोई भी ज़िम्मेदार मुख्यमंत्री सुधारात्मक कदम उठाता। लेकिन आपके पास एक बार भी समीक्षा करने का समय नहीं था। उन्होंने आग्रह किया कि एक या दो बार की घटना को भूल या त्रुटि माना जा सकता है, लेकिन बार-बार होने वाली घटनाएं आपराधिक लापरवाही, बेवजह उदासीनता और सरकार के अहंकार के अलावा और कुछ नहीं हैं। रेवंत रेड्डी से सीधी अपील करते हुए, रामा राव ने उनसे एक पिता के तौर पर सवाल किया कि क्या वे चुप रहेंगे अगर उनका अपना बच्चा भी पीड़ितों में शामिल हो या उनका परिवार सरकार की आपराधिक लापरवाही का शिकार हो। उन्होंने पूछा, अगर आपके बच्चों को खाने की जगह ज़हर खिला दिया जाए, तो क्या आप इसे बर्दाश्त करेंगे? अब किसे फाँसी दी जानी चाहिए?

"इंसान की कीमत होती है सद्व्यवहार से"

हैदराबाद 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीवन ऐसे जियो कि जहां रहो सब आपको प्यार करें, जहां से आप जाओ पीछे सब आपको याद करें और आप जहां जा रहे हो वहां पर सब आपका इंतजार करें। या तो हम 100 किताबें लिख कर जाएं ताकि हमारे जाने के बाद भी यह दुनिया उन्हें पढ़कर जीना सीख सके या फिर ऐसा जीवन जीकर जाएं कि हम पर 100 किताबें लिखी जा सकें। उक्त उद्गार राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी महाराज के हैं।

उन्होंने कहा कि तलवार की कीमत होती है धार से, पर अच्छे इंसान की कीमत होती है सद्व्यवहार से। गॉड बनना या डॉग बनना यह हम पर निर्भर है। जो अच्छे व्यवहार करते हैं वे गॉड बन जाते हैं और जो बुरा व्यवहार करते हैं वे डॉग जैसे रह जाते हैं। जहां सुंदर चेहरा 2 मिनट याद रहता है वहीं सुंदर व्यवहार औरों को जीवन भर याद रहता है। हम हाथ उठा कर दो लोगों का दिल भी जीत नहीं सकते पर हाथ जोड़कर लाखों का दिल जीत सकते हैं। उदाहरण से संतप्रवर ने समझाया कि जैसे पुरुष लोग शादी से पहले जैसा व्यवहार करते हैं अगर वह वैसा ही शादी के बाद भी व्यवहार करें तो इस दुनिया में कभी तलाक की नौबत ही ना आए। महिलाएं शादी के बाद जैसा व्यवहार करती है अगर वह शादी से पहले वैसा ही व्यवहार करें तो इस दुनिया में कोई मूर्ख शादी ही न करें।

वे यहाँ लोक कल्याणकारी चातुर्मास समिति नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में कैसा करें व्यवहार जो खोलें सफलता के द्वार विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सद् व्यवहार वही कर सकता है जो बड़े दिल का होता है। जैसे आपकी डिलीवरी के समय देवरानी कोई बहाना बनाकर पीहर चली गई लेकिन जब देवरानी के डिलीवरी का समय आए तो आप बड़ा दिल रखते हुए चलकर देवरानी से कहना कि बहन तू चिंता मत कर, मैं तेरी डिलीवरी बड़े प्यार से करवाऊंगी।

व्यवहार को सुंदर बनाने के लिए संतप्रवर ने कहा कि अहंकार हटाइए और विनम्रता लाइए। घर में बड़ा वह होता है जो घर को एक रखने के लिए समय आने पर बड़प्पन दिखाता है। जहां अहंकार से संबंध और सफलता का ताला टूटता है वहीं विनम्रता की चाबी से बंद ताला भी खुल जाता है। संतप्रवर ने मुस्कुराते हुए मीठा बोलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर आप किसी दूसरे की निंदा करते हैं तो सावधान कमियां आप में भी है और जबान उसके पास भी है। सिक्के और नोट का उदाहरण देते हुए संत प्रवर ने कहा कि सिक्का गिरता है तो आवाज आती है और नोट गिरता है तो आवाज नहीं आती है ठीक वैसे ही जो चीखते और चिल्लाते हैं उनकी कीमत सिक्के जितनी होती है पर जो शांत रहते हैं उनकी कीमत 2000 के नोट जितनी होती है।

इस अवसर पर एग्जिबिशन ग्राउंड में शुरू हुए अरिहंत पद तप आराधना में एकासना करवाने के लिए लाभार्थी परिवार संघवी, जीवराज, सज्जन राज, सुशांत, प्रशांत, देवांश,केरव,समस्त नाहर परिवार का चातुर्मास समिति द्वारा अभिनंदन किया गया।

आज धर्म सभा में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, एवंम,तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, के प्रभारी सुनील बंसल और हैदराबाद से डिप्टी मेयर मोहथे श्रीलता- सोहन रेड्डी पधारे और श्री चंद्र प्रभ सागर जी म सा, श्री चंद्र प्रभ सागर जी म सा, डॉ श्री शांति प्रिय सागर जी म सा आदी ठाणा 3 के दर्शन वंदन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया है।

एनटीपीसी द्वारा सॉफ्टबॉल एसोसिएशन को स्पोर्ट्स किट्स के 38 पूरे सेट्स वितरित

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीपीसी ने सीएसआर पहल के तहत तेलंगाना सॉफ्टबॉल एसोसिएशन को स्पोर्ट्स किट्स वितरित कीं। एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत तेलंगाना सॉफ्टबॉल एसोसिएशन को स्पोर्ट्स किट्स के 38 पूरे सेट वितरित किए। प्रत्येक किट में एक जोड़ी ट्रैक सूट, टी-शर्ट, टोपी, जूते और मोज़े शामिल हैं।

किट्स वितरण समारोह में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन. पाणिग्रही ने भी हिस्सा लेकर खिलाड़ियों को संबोधित कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सफलता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि, एनटीपीसी खेल प्रतिभाओं को पोषित करने और अनुशासन, टीम वर्क और समर्पण की संस्कृति के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। हमें तेलंगाना सॉफ्टबॉल एसोसिएशन का समर्थन करने पर गर्व है।

सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन) अखिल पटनायक और वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) सुश्री प्रियंका भुयान, भी शामिल हुए। जिन्होंने खिलाड़ियों के साथ वार्तालाप किया और सामुदायिक कल्याण और युवा सशक्तिकरण के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया। किट्स वितरण कार्यक्रम में तत्संबंधित अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

एसबीआई की आम जनता के साथ वार्तालाप में प्रचलित धोखाधड़ी की रणनीतियों

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। देश की अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक(एसबीआई) द्वारा समस्त तेलंगाना में राज्यव्यापी साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

इस संदर्भ में, देश की अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा तेलंगाना राज्य में आयोजित साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान के तहत तत्संबंधित अभियान का नेतृत्व करनेवालों में महाप्रबंधक सतीश कुमार, उप महाप्रबंधक बिपिन के. सिंह सहित क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक और शाखा प्रबंधकगण शामिल रहें। जिसमें तत्संबंधित बैंक अधिकारियों ने बताया कि, एसबीआई ने तेलंगाना में राज्यव्यापी साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान चलाया। जिसमें भारतीय स्टेट बैंक ने सप्ताहांत में तेलंगाना में एक विशाल साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान का आयोजन किया, जो भारत के सबसे बड़े बैंक द्वारा अपनी तरह की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। यह अभियान 40 से अधिक सार्वजनिक स्थानों पर आयोजित किया गया- जिसमें पार्क, मेट्रो स्टेशन, इनडोर स्टेडियम, सुपरमार्केट, पंचायत कार्यालय, स्कूल और पेंशनभोगी संघ शामिल थे। साथ ही इसमें सभी क्षेत्रों के नागरिक शामिल हुए।

इस विशाल अभियान में 1,000 से अधिक एसबीआई कर्मचारियों ने साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के महत्व के बारे में जनता को शिक्षित करने के इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस पहल में समाज के विभिन्न वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आज के डिजिटल परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के लिए इसकी व्यापक रूप से सराहना की गई।

जागरूकता सत्रों में कई आकर्षक और सूचनात्मक गतिविधियां शामिल थीं, जिनमें जनता का ध्यान आकर्षित करने और महत्वपूर्ण संदेशों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए बड़ी स्क्रीन पर शैक्षिक ऑडियो और वीडियो सामग्री का प्रदर्शन शामिल था। डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के लिए आसानी से समझ में आने वाले सुझाव और अनुस्मारक प्रदान करने के लिए सूचनात्मक पर्चे वितरित किए गए। लाइव प्रदर्शनों में आम धोखाधड़ी तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित लोगों को संदिग्ध व्यवहार को पहचानने और उस पर प्रतिक्रिया देने में सहायता मिली। इसके अतिरिक्त, लोगों को धोखाधड़ी का शिकार होने से बचने के लिए ज्ञान और उपकरणों से लैस करने के लिए पूरे सत्र में व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। जिसमें उपस्थित लोगों ने धोखाधड़ी वाले संदेशों और कॉल प्राप्त करने के अपने व्यक्तिगत अनुभव खुलकर साझा किए, जिससे सत्र प्रासंगिक और जानकारीपूर्ण बन गए।

इस अभियान का नेतृत्व महाप्रबंधक सतीश कुमार और उप महाप्रबंधक बिपिन के सिंह के साथ-साथ क्षेत्रीय प्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक और शाखा प्रबंधक ने किया। इसके तहत आम जनता के साथ वार्तालाप में, नेतृत्व टीम ने प्रचलित धोखाधड़ी की रणनीतियों के बारे में बताया और ग्राहकों को साइबर खतरों से खुद को बचाने में मदद करने के लिए आवश्यक सुझाव साझा किए। एसबीआई द्वारा आयोजित इस अभियान की आम जनता ने तारीफ की।

गोदावरी-बनकाचेरला लिंक का कोई कानूनी आधार नहीं : श्रीराम वेदिरे

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जल शक्ति मंत्रालय के पूर्व सलाहकार श्रीराम वेदिरे ने प्रस्तावित गोदावरी-बनकाचेरला (जीबी) लिंक परियोजना पर गंभीर चिंताएं जताईं। मंगलवार को यहां 'गोदावरी जल: तथ्य और आंकड़े - तेलुगु राज्यों के लिए आगे का रास्ता' विषय पर 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि गोदावरी बेसिन में तथाकथित 'बाढ़ के पानी' पर आधारित सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण का कोई कानूनी या वैज्ञानिक आधार नहीं है, और इस अवधारणा को काल्पनिक बताया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने गोदावरी बेसिन या भारत में कहीं भी 'बाढ़ के पानी' को उपयोग की एक श्रेणी के रूप में मान्यता या माप नहीं दी है। बाढ़ के पानी के बर्बाद होने की धारणा एक गलत धारणा है।

सीडब्ल्यूसी 75 प्रतिशत निर्भरता के आधार पर पानी का आवंटन करता है, जिससे सह-बेसिन राज्यों के बीच समान वितरण सुनिश्चित होता है।

गोदावरी जल विवाद न्यायाधिकरण (जीडब्ल्यूडीटी) ने भी अपने फैसले में बाढ़ के पानी का कोई ज़िक्र नहीं किया है। उन्होंने आगे बताया कि सीडब्ल्यूसी द्वारा गणना किए गए 1,138 टीएमसी के औसत जल प्रवाह में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे ऊपरी राज्यों से अप्रयुक्त सुनिश्चित जल के साथ-साथ उनकी परियोजनाओं से रिसाव भी शामिल है। यह औसत जल सभी सह-बेसिन राज्यों का है, न कि केवल आंध्र प्रदेश जैसे निचले राज्यों का। वेदिरे के अनुसार, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रस्तावित 200 (100) टीएमसी कथित बाढ़ के पानी के उपयोग हेतु जीबी लिंक परियोजना, वैधता से रहित है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, किसी भी परियोजना की योजना काल्पनिक बाढ़ के पानी पर नहीं बनाई जा सकती। केंद्रीय जल आयोग ने आंध्र प्रदेश को 531.9 टीएमसी आवंटित किया है। 75 प्रतिशत निर्भरता पर, आंध्र प्रदेश केवल 531.9 टीएमसी का ही उपयोग कर सकता है और उसने अपना पूरा हिस्सा पहले ही उपयोग कर लिया है। प्रस्तावित औसत जल के आधार पर परियोजनाओं की योजना बनाना भारत में जल आवंटन को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढांचे का उल्लंघन है।

रामचंदर राव ने भट्टी विक्रमार्क को कानूनी नोटिस भेजा

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को कानूनी नोटिस भेजकर हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रोहित वेमुला की मौत से उन्हें जोड़ने के लिए बिना शर्त माफ़ी मांगने की मांग की है। भाजपा तेलंगाना ने कहा कि अगर उपमुख्यमंत्री माफ़ी नहीं मांगते हैं, तो उन पर 25 करोड़ रुपये की मानहानि का मुकदमा चलाया जाएगा।

12 जुलाई को नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, उपमुख्यमंत्री ने एन रामचंदर राव को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि रामचंदर राव उन लोगों में शामिल थे जिन्होंने पुलिस और विश्वविद्यालय पर दबाव डाला, जिसके बाद रोहित वेमुला को छात्रावास से निकाल दिया गया और अंततः उसे यह आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

मंगलवार को रामचंदर राव के वकील ने नोटिस जारी किया। नोटिस में लिखा था, मेरे मुवक्किल आपके द्वारा उन पर झूठे आरोप लगाने के गैरकानूनी और असंवैधानिक कृत्य के लिए बिना शर्त माफ़ी मांगते हैं।

तेलंगाना भाजपा ने कहा, उपमुख्यमंत्री ने हमारे प्रदेश अध्यक्ष पर दुर्भावनापूर्ण और झूठे आरोप लगाए थे, और उन्हें रोहित वेमुला की दुखद घटना से जोड़ा था। एससी/एसटी विशेष न्यायालय की अंतिम जाँच रिपोर्ट (मार्च 2024) ने उन्हें स्पष्ट रूप से दोषमुक्त कर दिया। कोई सबूत नहीं, कोई उकसावे की बात नहीं, और जाति का दावा कपटपूर्ण साबित हुआ।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत ने लॉर्ड्स टेस्ट कैसे गंवाया, हार के 5 कारण

जडेजा-राहुल पर ज्यादा निर्भर हुए, 63 एक्स्ट्रा रन दिए आर्चर और स्टोक्स की बेहतरीन बॉलिंग

खेल डेस्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने लॉर्ड्स स्टेडियम में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट 22 रन से गंवा दिया। 193 रन के टारगेट के सामने मुकाबले के आखिरी दिन टीम इंडिया 170 रन ही बना सकी। इसी के साथ इंग्लैंड ने 5 टेस्ट की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

भारत की हार में बैटर्स का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ी वजह रहा। कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और करुण नायर दोनों पारियों में फ्लॉप रहे। वहीं टीम के लोअर बैटर्स दोनों ही पारियों में बैट से कमाल नहीं कर सके। गेंदबाजी मजबूत रही, इसके बावजूद टीम पहली पारी में बढ़त नहीं ले सकी। इंग्लिश टीम में जोफ्रा आर्चर की वापसी और लॉर्ड्स की पिच पर टॉस गंवाना भी भारत की हार की वजह बना। भारत ने 63 एक्स्ट्रा रन भी दिए।

कारण-1: राहुल, पंत, जडेजा पर निर्भरता; करुण, यशस्वी, शुभमन नहीं चले

लीड्स और बर्मिंघम टेस्ट में जहां भारत की बैटिंग शानदार रही थी, वहीं लॉर्ड्स टेस्ट में टीम की बैटिंग ने ज्यादा निराश किया। शुरुआती 2 टेस्ट में शुभमन गिल ने 3 और यशस्वी जायसवाल ने 1 शतक लगाया था। इस बार दोनों मिलकर 39 रन ही बना सके। शुरुआती 2 टेस्ट में 1 भी फिफ्टी नहीं लगा सके करुण भी 40 और 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए।

यशस्वी, शुभमन और करुण के खराब प्रदर्शन ने केएल राहुल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा पर निर्भरता बढ़ा दी। राहुल ने 100 और 39 रन की पारियां खेलीं। पहली पारी में पंत ने 74 बनाए। वहीं जडेजा ने 72 और 61 रन की पारियां खेलीं, लेकिन तीनों को बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला। इसलिए टीम मजबूत स्थिति के बावजूद पहली पारी में बढ़त हासिल नहीं कर पाई।

कारण-2: लोअर ऑर्डर की फ्लॉप बैटिंग, दोनों पारियों में कोलैप्स

पहली पारी में गेंदबाजों ने इंग्लैंड को 387 रन के कम स्कोर पर समेट दिया। भारत का स्कोर एक समय 376/6 था, यहां से टीम ने 11 रन बनाने में ही आखिरी 4 विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में राहुल ही 39 रन बना सके। उन्हें छोड़कर जडेजा ने ही थोड़ी फाइट दिखाई, बाकी बैटर्स 15 से कम रन के स्कोर पर ही पवेलियन लौट गए।

दूसरी पारी में मुकाबला जीतने के लिए भारत को 193 रन ही चाहिए थे। यहां यशस्वी और वॉशिंगटन सुंदर खाता भी नहीं खोल सके। नायर ने 14, शुभमन ने 6, पंत ने 9 और नीतीश रेड्डी ने 13 रन बनाए। टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 58 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी 24 रन बनाने में 3 विकेट गंवा दिए। 112 रन पर 8वां विकेट गिरते ही टीम की हार भी कन्फर्म हो गई।

कारण-3: पिच कठिन होते चली गई

लॉर्ड्स की पिच भी मुकाबला खत्म होते-होते बैटर्स के लिए मुश्किल हो गई। पहले दिन 251 रन बने और 4 विकेट गिरे। यानी औसतन 63 रन बनाने में 1 विकेट गिरा। दूसरे दिन औसत गिरकर 31 पर पहुंच गया। मुकाबले के तीसरे दिन औसत हल्का सा बढ़कर 35 पर पहुंचा। वहीं चौथे दिन 18 पर आ गया। चौथे दिन इंग्लैंड ने 10 और भारत ने 4 विकेट गंवा दिए।

फिर पांचवें दिन के पहले सेशन में भी भारत ने 54 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। यानी आखिरी दिन औसत महज 14 रन का हो गया। बल्लेबाजों की परेशानी की बड़ी वजह लॉर्ड्स की बाउंस और स्विंग रही। जो हर दिन के साथ बदलती चली गई। आंकड़ों से भी साफ जाहिर है कि पिच बैटिंग के लिए मुश्किल होती चली गई। इसलिए टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फायदा इंग्लैंड को बखूबी मिला।

कारण-4: जोफ्रा आर्चर की वापसी, स्टोक्स की बॉलिंग

तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 4 साल बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्होंने पहली पारी में अपने पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल को पवेलियन भेज दिया। उन्होंने 23.2 ओवर में 6 मेडन फेंके और महज 2.22 की इकोनॉमी से रन खर्च कर 2 विकेट झटक लिए। सेकेंड इनिंग्स में तो आर्चर ने बेहतरीन रिदम हासिल कर ली। उन्होंने फिर एक बार यशस्वी जायसवाल को कैच कराया। फिर मुकाबले के पांचवें दिन ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेज दिया। पंत को उन्होंने बोल्ड किया, वहीं सुंदर का कैच अपनी ही बॉलिंग पर कर लिया। दूसरी पारी में आर्चर को कप्तान बेन स्टोक्स का बखूबी साथ मिला। जिन्होंने 24 ओवर फेंके और महज 48 रन देकर 3 विकेट झटक लिए। स्टोक्स और आर्चर दोनों ने मैच में 5-5 विकेट लिए।

4 साल बाद टेस्ट खेल रहे जोफ्रा आर्चर ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेजा।

4 साल बाद टेस्ट खेल रहे जोफ्रा आर्चर ने दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और वॉशिंगटन सुंदर को पवेलियन भेजा।

कारण-5: इंग्लैंड का लोअर ऑर्डर; ज्यादा एक्स्ट्रा रन देना

टीम इंडिया के लोअर ऑर्डर बैटर्स जहां पूरी सीरीज में निराश कर रहे हैं, वहीं इंग्लैंड अपने इन्हीं बैटर्स की मदद से ज्यादा स्कोर बना ले रहा है। पहली पारी में टीम ने अपने 7 विकेट 271 रन पर गंवा दिए थे। यहां से ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के साथ पारी संभाली और टीम को 350 के पार पहुंचा दिया। कार्स ने 56 और स्मिथ ने 51 रन बनाए। कार्स ने तो खुलकर शॉट्स खेले और टीम का स्कोर 387 रन तक पहुंचा दिया। दूसरी ओर भारत 6 विकेट गंवाने के बाद भी 11 रन ही बना सका। दूसरी पारी में दोनों टीमों का लोअर ऑर्डर फ्लॉप रहा।

दोनों पारियां मिलाकर भारत ने एक्स्ट्रा रन भी ज्यादा दिए। टीम ने पहली पारी में 13 लेग बाय छोड़कर 18 एक्स्ट्रा रन दिए। दूसरी पारी में यह बढ़कर 26 हो गए। यानी मैच में 44 एक्स्ट्रा रन। जबकि इंग्लैंड ने 18 रन ही एक्स्ट्रा दिए। लेग बाय के भी एक्स्ट्रा गिनें तो भारत ने 63, जबकि इंग्लैंड ने 30 ही एक्स्ट्रा रन खर्च किए। भारत ने महज 22 रन से मैच गंवाया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 का शेड्यूल हुआ जारी

14 जुलाई दिन से शुरू होगा मुकाबला

भारतीय टीम पर होगीं सबकी नजर

खेल डेस्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के कार्यक्रम का ऐलान हो चुका है। खेल की दुनिया के सबसे बड़े इंवेट की शुरुआत 2028 में 14 जुलाई से होगी। वहीं 30 जुलाई को आखिरी दिन होगा। ओलंपिक खेलों में लंबे समय के बाद क्रिकेट की वापसी हो रही है। जिसके कारण ही क्रिकेट फैंस बहुत ज्यादा उत्साहित है। हालांकि क्रिकेट के शेड्यूल में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जिसके मुताबिक 12 जुलाई से ही इस इवेंट में क्रिकेट के मुकाबले खेले जाएंगे।

क्रिकेट के शेड्यूल का हुआ ऐलान

ओलंपिक 2028 में 12 जुलाई से स्टार्ट होगा और मेडल मैच 29 जुलाई को खेला जाएगा। आयोजकों ने 12 जुलाई को 'माइनस 2' और 13 जुलाई को 'माइनस 1' नाम दिया है। पहले स्टेज में मुकाबले 12 जुलाई से 18 जुलाई के बीच खेला जाएगा।

जबकि मेडल मैच 19 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं दूसरे स्टेज की शुरुआत 22 से 28 जुलाई के बीच होगी। जबकि मेडल मैच 29 जुलाई को होगा। हालांकि टीम इंडिया का मुकाबला कब खेला जाएगा। ये अभी पूरी तरह से साफ नहीं हुआ है। इस इवेंट में कुल 6 टीमें ही हिस्सा लेने वाली हैं।

अन्य खेलों की इस दिन होगी शुरुआत

तीरंदाजी के मुकाबले 20 से लेकर 28 जुलाई के बीच खेले जाएंगे। एथलेटिक्स के मुकाबले 15-24 के बीच तो वहीं बैडमिंटन के मैच 15-24 जुलाई को होंगे। मुक्केबाजी के मैच 15-30 के बीच होंगे। जबकि हॉकी के मुकाबले 12-29 के बीच खेले जाएंगे। इस दौरान निशानेबाजी के मुकाबले 15-25 के बीच होगा। स्क्वैश 15-24 के बीच होगा तो वहीं टेबल टेनिस 15-29 के बीच आयोजित होगा। टेनिस के मुकाबले 19-28 के बीच होगा।वेटलिफ्टिंग का इवेंट 25-29 के बीच होगा। जबकि कुश्ती के मुकाबले 24-30 के बीच खेले जाएंगे।

टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे कम स्कोर

ऑस्ट्रेलिया 176 रन से जीता; सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप

किंग्स्टन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज की टीम किंग्स्टन टेस्ट की दूसरी पारी में 27 रन पर ऑलआउट हो गई। यह टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे छोटा स्कोर है। इससे पहले 1955 में न्यूजीलैंड 26 रन पर सिमट गई थी। ऐसे में यह 70 साल का सबसे छोटा स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 176 रन से जीत लिया। साथ ही कंगारू टीम टेस्ट सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली। इस लो स्कोरिंग मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 225 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 121 रन से आगे नहीं बढ़ सकी इस तरह वेस्टइंडीज को 204 रन का टारगेट मिला।

तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 99/6 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से अल्जारी जोसेफ ने 5 और और शमार जोसेफ ने 4 विकेट लिए। जस्टिन ग्रीव्स को एक विकेट मिला। टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज के 7 खिलाड़ी शून्य पर आउट हुए। टीम के लिए जस्टिन ग्रीव्स ही ऐसे रहे, जो दोहरे आंकड़े तक पहुंच सके। उन्होंने 24 गेंद में 11 रन बनाए। ग्रीव्स को स्कॉट बोलैंड ने आउट किया। बोलैंड ने अगली दो गेंदों में शमार जोसेफ और जोमेल वारिकन को आउट कर हैट्रिक ली।

इसके बाद वेस्टइंडीज की पूरी टीम 27 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क

ने 6 और बोलैंड ने 3 विकेट झटके। जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला। वेस्टइंडीज के 7 बैटर खाता नहीं खोल सके। इनमें टीम के ओपनर जॉन कैम्बेल और कप्तान रोस्टन चेज शामिल रहे। इनके अलावा केल्वन एंडरसन, ब्रैंडन किंग, शमार जोसेफ, जोमेल वारिकन और जेडन सील्स भी शून्य पर आउट हुए। 100वां टेस्ट खेल रहे मिचेल स्टार्क ने पहले ही ओवर में वेस्टइंडीज के 3 विकेट लिए। स्टार्क ने 7.3 ओवर में 9 रन देकर 6 विकेट झटके। उन्हें इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्टार्क ने 3 मैचों की सीरीज में कुल 15 विकेट लिए। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। स्टार्क ने इस मैच के दौरान अपने टेस्ट करियर में 400 विकेट भी पूरे कर लिए। वे 400 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियन हैं। उनसे पहले शेन वॉर्न, ग्लेन मैक्ग्रा और नाथन लायन 400 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

दुनिया के सबसे उम्रदराज एथलीट फौजा सिंह की मौत

114 साल की उम्र में सड़क हादसे में गंवाई जान

जालंधर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे उम्रदराज मैराथन धावक फौजा सिंह की सोमवार को पंजाब में जालंधर जिले के अपने पैतृक गांव में एक सड़क हादसे में मौत हो गई. वह 114 साल के थे. फौजा सिंह टहल रहे थे तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी. फौजा सिंह पूरे विश्व में कई मैराथन में शामिल हो चुके थे और उम्रदराज होने के बावजूद अपनी फुर्ती और जिंदादिली के लिए जाने जाते थे.

फौजा सिंह की जीवनी द टर्बन्ड टॉरनेडो के लेखक खुशवंत सिंह ने धावक के परिवार के सदस्यों से बात की और उनके निधन की पुष्टि की. जालंधर के एक पुलिस अधिकारी ने भी फौजा सिंह की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि वह ब्यास गांव में टहलने निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी. उन्होंने बताया कि फौजा सिंह के सिर में चोटें आईं और शाम को उनकी मौत हो गई.

जालंधर में आदमपुर थाने के एसएचओ हरदेवप्रीत सिंह ने बताया कि दुर्घटना के बाद चालक फरार हो गया, जिसकी अभी पहचान नहीं हो पाई है. पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि उन्हें फौजा सिंह की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं महान मैराथन धावक और दृढ़ता के प्रतीक सरदार फौजा सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं. उन्होंने 114 वर्ष की आयु में बेजोड़ उत्साह के साथ नशा मुक्त, रंगला पंजाब मार्च में मेरे साथ भाग लिया था. उन्होंने कहा कि उनकी विरासत पंजाब को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरणा देती रहेगी.

पंजाब के पूर्व राज्य सूचना आयुक्त खुशवंत सिंह ने फौजा सिंह की जीवनी द टर्बन्ड टॉरनेडो लिखी है. खुशवंत ने एक्स पर लिखा, मेरा टर्बन्ड टॉरनेडो अब नहीं रहा. मुझे परम श्रद्धेय फौजा सिंह के निधन की खबर देते हुए बहुत दुख हो रहा है. अज्ञात वाहन ने आज लगभग साढ़े तीन बजे उन्हें उस समय टक्कर मार दी जब वह अपने गांव में सड़क पार कर रहे थे. मेरे प्यारे फौजा, आपकी आत्मा को शांति मिले.

संपर्क किये जाने पर खुशवंत सिंह ने बताया कि उन्होंने फौजा सिंह के परिवार के सदस्यों से बात की है और उन्होंने उनकी मौत की खबर की पुष्टि की है. सड़क दुर्घटना के बाद फौजा सिंह को जालंधर के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनकी मौत हो गई.

सुरेश रैना ने दोबारा शुरू किया अभ्यास

बड़े टूर्नामेंट से मैदान पर कर रहे हैं वापसी

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। साल 2020 में भारतीय टीम के स्टार सुरेश रैना ने 15 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। जिसके बाद वो आईपीएल 2021 में नजर आए। आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड जाने के बाद सुरेश रैना ने संन्यास का फैसला कर लिया। अब भारत के स्टार खिलाड़ी रैना दोबारा मैदान पर वापसी करने की तैयारी में लगे हुए हैं। जुलाई महीने में रैना इस बड़े टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आने वाले हैं। जहां पर उनके साथ कई और सुपरस्टार खिलाड़ी नजर आएंगे।

जुलाई 18 से विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड टूर्नामेंट खेला जाएगा। जिसके लिए इंडिया चैंपियंस टीम का ऐलान हो चुका है। स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना भी इस टीम का हिस्सा हैं। सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें रैना नेट्स पर समय बिता रहे हैं। इंग्लैंड के बर्मिंघम, नॉर्थम्प्टन, लीड्स और लीसेस्टर में ये टूर्नामेंट में खेला जाएगा।18 जुलाई से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 2 अगस्त को खेला जाएगा।

इस टूर्नामेंट में सुरेश रैना के अलावा युवराज सिंह, हरभजन सिंह, शिखर धवन, क्रिस लिन, ऑयन मोर्गन, मोइन अली, सर एलिस्टर कुक, हाशिम अमला, क्रिस मॉरिस, वेन पार्नेल, क्रिस गेल, ब्रावो, कायरन पोलार्ड, एबी डिविलियर्स, ब्रेट ली और शॉन मार्श का नाम शामिल है। अपने फेवरेट खिलाड़ियों को दोबारा मैदान पर देखने के लिए फैंस बहुत ज्यादा उत्साहित हैं। दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण इस टूर्नामेंट की चर्चा बहुत ज्यादा हो रही है।

इंडिया चैंपियंस की टीम

युवराज सिंह (कप्तान), शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, गुरकीरत सिंह मान, यूसुफ पठान, स्टुअर्ट बिन्नी, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा (विकेटकीपर), हरभजन सिंह, पीयूष चावला, विनय कुमार, सिद्धार्थ कौल, अभिमन्यु मिथुन, वरुण एरोन।

गिल बोले- मुझे अपनी टीम पर गर्व

जडेजा की तारीफ की

लंदन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा दूसरी पारी में नाबाद 61 रन बनाए लेकिन भारतीय टीम को जीत नहीं दिला सके। स्पिनर शोएब बशीर ने मोहम्मद सिराज को बोल्ड करके इंग्लैंड को जीत दिलाई। इस तरह इंग्लैंड ने पांच मैच की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच के बाद रवींद्र जडेजा की तारीफ की। साथ ही कहा, पहली पारी में ऋषभ पंत का रन आउट होना मैच का निर्णायक पल था।

मुझे अपनी टीम पर गर्व

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में कहा, मुझे अपनी टीम पर गर्व है। यह मैच उतना ही करीब था जितना हो सकता है। यह पांच दिन

तक चला और आखिरी सीजन में आकर खत्म हुआ। मुझे काफी भरोसा था क्योंकि हमारे पास बल्लेबाजी बची हुई थी। हमें केवल 50-50 रन की दो साझेदारियों की जरूरत थी, लेकिन हम ऐसा कर नहीं सके।

जडेजा बहुत अनुभवी खिलाड़ी

भारत के लिए दूसरी पारी में सबसे ज्यादा 61 रन जडेजा ने बनाए। उनके बारे में गिल ने कहा, वह बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं। हमने उन्हें कोई मैसेज नहीं भेजा। वह लोअर ऑर्डर के साथ शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। हम बस यही चाहते थे कि वह और लोअर ऑर्डर के बल्लेबाजी जितना लंबा खेल सकें, खेलें।

पंत का विकेट टर्निंग प्वाइंट

पंत पहली पारी में 74 पर रन आउट हो गए थे। उनके विकेट पर गिल ने कहा, निश्चित रूप से वह मैच का टर्निंग प्वाइंट था। एक समय पर हमें लगा था कि अगर हम 80-100 रन की बढ़त ले लें, तो वो निर्णायक साबित हो सकती है। हमें पता था कि पांचवें दिन इस विकेट पर 150-200 रन चेज करना आसान नहीं होगा। अगर हमें वो बढ़त मिल जाती, तो हम अच्छी स्थिति में होते।

साउथ अफ्रीका का एडेन मार्करम बना प्लेयर ऑफ द मंथ

आईसीसी ने दिया बड़ा इनाम, हीली ने भी कर दिया कमाल

खेल डेस्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने शानदार प्रदर्शन करके मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के लिए कई खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें से 2 खिलाड़ियों को आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए नॉमिनेट किया था। इस रेस में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा हार गए, लेकिन उनके ही साथी खिलाड़ी को आईसीसी ने बड़ा सम्मान दिया है।

अफ्रीकी प्लेयर बना प्लेयर ऑफ द मंथ

जून महीने में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला गया था। जहां पर तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा गेंद के साथ चमके तो वहीं बल्ले से एडेन मार्करम ने तहलका मचाया था। जिसके कारण ही इन दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी प्लेयर ऑफ मंथ के लिए नॉमिनेट किया था। इस लिस्ट में श्रीलंका के उभरते हुए बल्लेबाज पथुम निसंका का नाम भी शामिल था। निसंका और रबाडा को हराकर अब एडेन मार्करम ने इस इनाम को अपने नाम कर लिया है। एडेन मार्करम ने फाइनल मुकाबले में शतक जड़कर अपनी टीम को जिताया था। इस लिए भी वो इस रेस में फैंस के फेवरेट थे।

हीली मैथ्यूज को भी मिला बड़ा सम्मान

वेस्टइंडीज की सुपरस्टार ऑलराउंडर हीली मैथ्यूज ने महिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार अपने नाम किया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के ताजमिन ब्रिट्स और वेस्टइंडीज की ही एफी फ्लेचर को पीछे छोड़ा है। हीली मैथ्यूज ने गेंद और बल्ले दोनों से बहुत ज्यादा प्रभाव छोड़ा है। मैथ्यूज इस पुरस्कार को 4 बार अपने नाम कर चुकी है। वो ऐसा करने वाली दूसरी महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं। इससे पहले ये कारनामा ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर भी कर चुकी हैं।

सौरव गांगुली का नाम लेकर जीत गया इंग्लैंड!

लॉर्ड्स टेस्ट में भारत की हार के बाद क्यों आया दादा का नाम?

लंदन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया को हार मिली. भारतीय टीम ने महज 22 रनों से ये मुकाबला गंवाया. लॉर्ड्स में हार के बाद बेन स्टोक्स ने गजब खुलासा. उन्होंने बताया की 23 साल पहले लॉर्ड्स की बालकनी में टीशर्ट उतारकर लहराने वाले सौरव गांगुली की याद दिलाकर ही इंग्लैंड की टीम चैंपियन बनी. स्टोक्स ने बताया कि उन्होंने पांचवें दिन के खेल से पहले जोफ्रा आर्चर को लॉर्ड्स की बालकनी पर टीशर्ट लहराने वाला किस्सा सुनाया. उन्होंने आर्चर को बताया कि कैसे गांगुली ने वहां टीशर्ट लहराई थी. वो कहानी आर्चर के लिए प्रेरणा बनी और उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ गेम चेंजिंग स्पेल फेंक मैच का रुख इंग्लैंड की ओर मोड़ दिया.

स्टोक्स ने आर्चर को सुनाई सौरव गांगुली की कहानी

स्टोक्स ने बताया, 'मैंने सुबह आर्चर से कहा, 'तुम्हें पता

है आज का दिन क्या है? भारत ने आज ही के दिन 300 से ज्यादा रन चेज किए और गांगुली ने शर्ट लहराई थी.' आर्चर को लगा कि ये वर्ल्ड कप फाइनल था, जो आज से छह साल पहले हुआ था.' लेकिन आर्चर को 6 साल पहले 2019 में वर्ल्ड कप फाइनल याद था जो इंग्लैंड ने 14 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ जीता था. आर्चर ने इसके बाद कहर बरपाती हुई गेंदबाजी की और वो ऋषभ पंत, वॉशिंगटन सुंदर का विकेट ले उड़े.

जोफ्रा आर्चर पूरे चार सालों के बाद टेस्ट मैच खेल रहे थे और इस खिलाड़ी ने वापसी के साथ ही अपना लोहा मनवा दिया. आर्चर ने लॉर्ड्स टेस्ट में पांच विकेट झटके. दिलचस्प बात ये है कि उनके सभी शिकार बाएं हाथ के बल्लेबाज रहे. पहली पारी में उन्होंने जायसवाल और सुंदर को आउट किया. दूसरी पारी में वो एक बार फिर जायसवाल और सुंदर का विकेट ले गए और ऋषभ पंत को आउट कर उन्होंने इंग्लैंड की जीत तय कर दी. वैसे इंग्लैंड की टीम की जीत के हीरो बेन स्टोक्स रहे जिन्होंने मैच में पांच विकेट लेने के साथ-साथ 77 रनों का योगदान भी दिया. यही नहीं उन्होंने पहली पारी में पंत को रन आउट भी किया जिसने इस मैच की दशा और दिशा बदली. साथ ही उनकी कप्तानी भी कमाल रही.

इंटरमीडिएट कॉलेजों में आधार सेवाओं को सुगम बनाने पर रणनीतिक बैठक

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डाक विभाग और यूआईडीएआई के अधिकारियों ने तेलंगाना के इंटरमीडिएट कॉलेजों के छात्रों के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-2) हेतु आधार शिविर आयोजित करने हेतु इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के आईएएस सचिव कृष्ण आदित्य से मुलाकात की।

आधार के लिए अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू-2) 15-17 वर्ष की आयु के छात्रों के लिए उनके बायोमेट्रिक डेटा की सटीकता सुनिश्चित करने हेतु एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, जो निःशुल्क है। आधार प्रमुख राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं जैसे नीट, जेईई, सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में आवेदन करने के लिए एक अनिवार्य दस्तावेज़ है, इसलिए समय पर नामांकन और अपडेट आवश्यक हैं। अद्यतन प्रक्रिया प्रमाणीकरण संबंधी समस्याओं को रोकती है और आवेदन एवं प्रवेश प्रक्रिया के दौरान निर्बाध डिजिटल सत्यापन सुनिश्चित करती है। डाक विभाग के मुख्यालय क्षेत्र के अंतर्गत 138 डाकघर आधार सेवा केंद्र कार्यरत हैं। डाक विभाग ने यूआईडीएआई के सहयोग से डाकघरों के माध्यम से अपने आस-पास के क्षेत्रों में आम जनता तक आधार सेवाएं पहुंचाने के लिए पीओएएसके स्थापित किए हैं और नागरिकों को नए आधार नामांकन, आधार में जनसांख्यिकी और बायोमेट्रिक अद्यतन जैसी आधार सेवाएं प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय करने से बचाया है। वर्ष 2019 में इसकी स्थापना के बाद से मुख्यालय क्षेत्र, हैदराबाद में 8.5 लाख से अधिक आधार लेनदेन किए जा चुके हैं। मध्यवर्ती शिक्षा बोर्ड के सचिव, श्रीकृष्ण आदित्य ने इस पहल के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया और अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कॉलेजों में शिविरों के आयोजन को सुगम बनाने में बोर्ड की ओर से समन्वय का आश्वासन दिया। उन्होंने डाक आधार संचालकों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने और छात्रों में जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए सभी कॉलेजों को उपयुक्त निर्देश जारी करने पर सहमति व्यक्त की। हैदराबाद मुख्यालय क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल के निर्देशानुसार, हैदराबाद सिटी डिवीजन के वरिष्ठ डाकघर अधीक्षक सी. रामकृष्ण, क्षेत्रीय कार्यालय मुख्यालय क्षेत्र के सहायक निदेशक-II आर. सत्यनारायण और यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक प्रबंधक रत्नाकर ने राज्य भर के इंटरमीडिएट कॉलेजों में आधार शिविर आयोजित करने के लिए तेलंगाना के इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के सचिव कृष्ण आदित्य से मुलाकात की। तेलंगाना सर्कल का डाक विभाग, प्रशिक्षित आधार ऑपरेटरों के अपने नेटवर्क और उपलब्ध आधार किट के माध्यम से, संबंधित कॉलेजों के साथ समन्वय में चरणबद्ध तरीके से इन नामांकन और अद्यतन शिविरों का आयोजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए आवेदन की समय-सीमा शुरू होने से पहले अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय इकाइयों को सक्रिय किया जा रहा है। पीएमजी कार्यालय, मुख्यालय क्षेत्र, हैदराबाद सहायक निदेशक-II, आर. सत्यनारायण ने कहा कि सरकारी/सहायता प्राप्त/निजी जूनियर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, उनके कर्मचारियों और छात्रों से अनुरोध है कि वे सभी आधार सेवाओं के लिए अपने-अपने कॉलेजों में आधार शिविरों के अवसर का उपयोग करें।

आंध्र प्रदेश राजमंड्री की सांसद डॉ.डी. पुरंदेश्वरी ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

इंजीनियरिंग छात्र ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके डुंडीगल में एक इंजीनियरिंग छात्र ने अपने कमरे में ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स में पैसे हारने से कथित तौर पर परेशान होकर आत्महत्या कर ली। पीड़ित की पहचान टी. रमाकांत के रूप में हुई है, जो भूपालपल्ली जिले के कटारम का निवासी था। वह मैसम्मागुडा के एक निजी कॉलेज में बीटेक द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था और पड़ोस में अपने दोस्तों के साथ एक कमरे में रह रहा था। जानकारी के अनुसार, रमाकांत ज़्यादातर अपने मोबाइल फ़ोन पर ऑनलाइन गेम और सट्टा खेलता पाया गया था, और पुलिस को शक है कि उसने लगभग 50,000 रुपये हारे थे। इसके लिए उसने अपने दोस्तों से पैसे भी उधार लिए थे।

भारत में वैक्सीन उत्पादन में जीनोम वैली का योगदान 33 प्रतिशत : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि अकेले जीनोम वैली देश में वैक्सीन उत्पादन में 33 प्रतिशत का योगदान देती है। रेवंत रेड्डी ने उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू के साथ मंगलवार को मेडचल-मलकजगिरी जिले में जीनोम वैली में एक नई आईसीएचओआर बायोलॉजिक्स सुविधा की आधिकारिक आधारशिला रखी।

अपने भाषण के दौरान, मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जीनोम वैली के उद्योगों ने तेलंगाना की एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा, हैदराबाद देश में उत्पादित लगभग 33 प्रतिशत टीकों और 43 प्रतिशत थोक दवाओं के लिए

ज़िम्मेदार है। कोविड महामारी के दौरान, स्थानीय उद्योगपतियों ने जीनोम वैली से विभिन्न देशों को टीकों के निर्यात में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार में बदलाव के बावजूद, नीतियां हमारे औद्योगिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में सहायक रही हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार वैश्विक स्तर पर तेलंगाना की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए शीर्ष उद्योगों को आकर्षित करने पर केंद्रित है।

उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों में, राज्य सरकार ने तेलंगाना के लिए कुल 3.28 लाख करोड़ रुपये का निवेश सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय उद्योगों को आकर्षित करना है ताकि तेलंगाना वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी स्थिति में आ सके। इसके अलावा, हैदराबाद निकट भविष्य में एक प्रमुख डेटा सिटी के रूप में विकसित होने के लिए तैयार है।

तेलंगाना ने दिल्ली में बनकाचेरला परियोजना पर चर्चा करने से इनकार किया

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में होने वाली तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच मुख्यमंत्री स्तर की महत्वपूर्ण बैठक से पहले, तेलंगाना सरकार ने बनकाचेरला परियोजना पर चर्चा करने से इनकार कर दिया है। कृष्णा बेसिन में बनकाचेरला परियोजना को 16 जुलाई की बैठक का एकमात्र एजेंडा बनाने के आंध्र प्रदेश के अनुरोध पर आपत्ति जताते हुए, तेलंगाना सरकार ने मंगलवार सुबह केंद्र को एक पत्र सौंपा। यह पत्र तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू के बीच निर्धारित बैठक से मात्र 24 घंटे पहले था।

तेलंगाना सरकार ने कहा है कि बनकाचेरला परियोजना पर चर्चा अनावश्यक है और इसे अप्रासंगिक और अप्रमाणित बताया है। पत्र में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि इस परियोजना को अभी तक गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) सहित महत्वपूर्ण नियामक प्राधिकरणों से मंज़ूरी नहीं मिली है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने आगाह किया कि ऐसे प्रस्तावों पर विचार करने से केंद्र सरकार के नियामक निकायों के साथ-साथ स्वयं केंद्र की भी विश्वसनीयता ख़तरे में पड़ सकती है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने दोहराया कि केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में होने वाली आगामी बैठक में बनकाचेरला परियोजना पर चर्चा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके बजाय, प्रस्ताव में कृष्णा नदी पर चल रही परियोजनाओं के लिए अनुमोदन का प्रस्ताव रखा गया है। सरकार ने अपने एजेंडे में पलामुरु और डिंडी परियोजनाओं को राष्ट्रीय दर्जा देने का अनुरोध भी शामिल किया है। इसके अतिरिक्त, इसने केंद्र से इच्छामपल्ली परियोजना का नियंत्रण अपने हाथ में लेने और तुम्मादिहेट्टी में प्राणहिता परियोजना के लिए 80 टीएमसी पानी आवंटित करने का अनुरोध किया है। तेलंगाना सरकार ने 200 टीएमसी बाढ़ के पानी के उपयोग के लिए डिज़ाइन की गई एक नई परियोजना का भी सुझाव दिया है। इसने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये मामले लंबे समय से लंबित, वैध और दोनों राज्यों के बीच जल संसाधनों के उचित वितरण के लिए आवश्यक हैं।

खुली खिड़की से कार चलाने की आदत से कांग्रेस नेता की गई जान

मेदक, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिला कांग्रेस एससी सेल के सचिव मारेल्ली अनिल की कुछ अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जो दो अलग-अलग कारों में उनका पीछा कर रहे थे। उन्होंने उसे कार चलाते समय गोली मारी। चूंकि उसे ड्राइवर साइड की खिड़की खुली रखकर कार चलाने की आदत थी, इसलिए पुलिस को शक है कि इससे हत्यारे का काम आसान हो गया होगा, क्योंकि चारों गोलियां उसके दाहिने कंधे और सीने से आर-पार हो गईं। फिर, गोली लगने के बाद, उन्होंने कार पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे कार सड़क से उतर गई और कुलचरम मंडल के वरीगुंथम में सड़क किनारे एक झील के पास जा गिरी। पुलिस को यह भी संदेह है कि यह प्रशिक्षित निशानेबाजों का काम था, क्योंकि दोनों कारें चलती हुई होने के बावजूद उनका निशाना चूक नहीं गया। इस बीच, पुलिस को शक है कि रियल एस्टेट के कारोबार में हुए विवाद के चलते ही हत्या की गई होगी। हालांकि, परिवार वालों का कहना है कि अनिल की किसी से कोई राजनीतिक या व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मेदक सरकारी अस्पताल पहुंचे, जहां शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया गया। जांच जारी है।

हत्या की जांच में अहम सुराग बनी मर्सिडीज कार

मेदक, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मर्सिडीज बेंज कार, जिसमें कांग्रेस नेता मारेल्ली अनिल अपने ऊपर हुए जानलेवा हमले के समय सवार थे, उनकी हत्या के मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण सबूत के रूप में सामने आई है। कार वेंकट श्रीनिवास सागर रावड़ा नाम के एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत थी, जो कथित तौर पर हैदराबाद के एक जाने-माने व्यवसायी हैं। आंध्र प्रदेश के रहने वाले सागर, तेलंगाना की राजधानी में निर्माण और रियल एस्टेट का कारोबार करते थे।

मर्सिडीज-बेंज कार का पंजीकरण नंबर टीएस 08 एफडी 1122 था। पुंजागुट्टा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में कार के खिलाफ 100 रुपये का चालान लंबित था। पुलिस ने इस साल 17 अप्रैल को यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए सर्विस रोड पर कार पार्क करने के लिए जुर्माना लगाया था। इस बीच, पुलिस को शक है कि उसने कार मालिक से लगभग तीन महीने पहले खरीदी थी। बताया जा रहा है कि अनिल का कार मालिक के परिवार के साथ एक रियल एस्टेट डील का मामला था। इस बीच, पुलिस को अनिल की हथेली पर लिखा एक फ़ोन नंबर भी मिला। पुलिस उस फ़ोन नंबर के मालिक का पता लगाने की कोशिश कर रही थी। जांच जारी थी।

पूर्व मुख्य अभियंता मुरलीधर राव आय से अधिक संपत्ति मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता मुरलीधर राव को मंगलवार को जुबली हिल्स में एसीबी अधिकारियों ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक साक्ष्यों के आधार पर, मुरलीधर राव के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अपनी घोषित आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। वह वर्तमान में एसीबी की हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ की जा रही है। हैदराबाद, करीमनगर और ज़हीराबाद में मुरलीधर राव के रिश्तेदारों और करीबी सहयोगियों के आवासों पर एसीबी की छापेमारी जारी है। मुरलीधर 2013 में अविभाजित आंध्र प्रदेश में सेवानिवृत्त हुए थे, लेकिन उन्हें कई बार सेवा विस्तार मिला। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद, मुरलीधर राव की सेवा को 13 साल के लिए और बढ़ा दिया गया। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद भी वे कुछ समय तक सेवा करते रहे। हालांकि, राज्य सरकार ने हाल ही में मेडिगड्डा परियोजना से संबंधित एक सतर्कता रिपोर्ट के बाद मुरलीधर राव को हटा दिया है। हाल ही में, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कालेश्वरम सिंचाई परियोजना से जुड़े अधिकारियों की जांच की है। बताया गया है कि एसीबी ने कालेश्वरम के पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ हरि राम और कार्यकारी अभियंता नुने श्रीधर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। वर्तमान में, एसीबी पूर्व इंजीनियर-इन-चीफ मुरलीधर राव के आवास पर छापेमारी कर रही है, जिन्होंने पिछली बीआरएस सरकार के दौरान परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एसीबी कथित तौर पर मुरलीधर राव के बेटे अभिषेक के कार्यालय की जांच कर रही है, क्योंकि संदेह है कि कालेश्वरम परियोजना से जुड़े लेनदेन से अवैध रूप से प्राप्त धन को उसके व्यवसाय में भी लगाया गया हो सकता है।

भाकपा नेता चंदू नाइक की गोली मारकर हत्या

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाकपा नेता चंदू नाइक (43) की मंगलवार सुबह मलकपेट स्थित शालिवाहन नगर पार्क में सुबह की सैर के दौरान अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मूल रूप से नागरकर्नूल जिले के बालमूर मंडल के नरसाईपल्ली निवासी चंदू, मलकपेट इलाके में रहते थे और अपनी दिनचर्या के तहत पार्क में आते थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलने पर, दक्षिण पूर्व पुलिस उपायुक्त चैतन्य कुमार तुरंत घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंचे। निरीक्षण के बाद, उन्होंने मीडिया को बताया कि गोलीबारी सुबह लगभग 7:30 बजे हुई और मृतक की पहचान चंदू के रूप में हुई। हमले के समय, चंदू कथित तौर पर अपनी पत्नी और बेटी के साथ ट्रैक पर टहल रहे थे, तभी एक सफेद स्विफ्ट डिजायर कार में चार अज्ञात लोग आए। उन्होंने भाकपा नेता से भिड़ंत की और पहले उन पर मिर्च पाउडर फेंका। जैसे ही चंदू नाइक ने इलाके से भागने की कोशिश की, उन्होंने उस पर करीब से छह गोलियां चलाईं। पुलिस के अनुसार, उसे गोली लगने से गंभीर चोटें आईं, वह ज़मीन पर गिर पड़े और उसकी तुरंत मौत हो गई। पुलिस को शक है कि चंदू की हत्या ज़मीन के विवाद से जुड़ी है। पुलिस ने कहा, हमें पता चला है कि वह एलबी नगर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में दर्ज एक हत्या के मामले में शामिल थे। हम फिलहाल उस मामले की बारीकियों की जांच कर रहे हैं। घटनास्थल से सात गोलियां बरामद की गईं। संदिग्धों का पता लगाने के लिए दस टीमें बनाई गई हैं। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए और डीसीपी चैतन्य कुमार ने बताया कि मिली गोलियां एक ही बंदूक से चलाई गई लगती हैं। आगे सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। वे अपराधियों की जल्द से जल्द पहचान करने और उन्हें पकड़ने के प्रयास में घटनास्थल और आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं। पुलिस का मानना है कि संपत्ति के विवाद और वित्तीय लेन-देन से जुड़ी किसी पूर्व प्रतिद्वंद्विता ने हत्या में भूमिका निभाई होगी। चंदू की पत्नी ने दावा किया है कि राजेश नाम के एक व्यक्ति के साथ उनका लंबे समय से झगड़ा चल रहा था। राजेश भी सीपीआई (एमएल) पार्टी से जुड़ा है और देवरुप्पला का रहने वाला है। इसके अलावा, रिपोर्टों से पता चलता है कि इस घटना के संबंध में चार लोगों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, हालांकि अधिकारियों ने अभी तक इस जानकारी की पुष्टि नहीं की है।

तीन दिवसीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत उत्सव कल से शुरू होगा

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) में 17 जुलाई से तीन दिवसीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्सव शुरू होगा।

उत्सव का दूसरा दिन 18 जुलाई को गच्चीबोवली स्थित ड्रॉप आउट स्टार्टअप सेंटर में और तीसरा दिन 19 जुलाई को मेडचल स्थित सीएमआर इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ व्याख्यान देंगे, जिनमें डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सतीश रेड्डी, सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक जे.डी. लक्ष्मीनारायण, फ्यूचर के एमडी डेरिक ज़ोन और भारतीय महिला टीम की क्रिकेटर सुश्री अनुषा रेड्डी शामिल हैं। भारत उत्सव के अध्यक्ष डॉ. सीवी महेश कुमार ने बताया कि भारत में तेज़ी से विकसित हो रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हैदराबाद में तीन दिनों तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत उत्सव आयोजित किया जाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक आधुनिक भारत की जीवन रेखा है और भविष्य में इसका विस्तार सभी क्षेत्रों में होगा। ये उत्सव जल्द ही कर्नूल, तिरुपति और विशाखापट्टनम में आयोजित किए जाएंगे और दुबई में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। पेंटाग्राम के अध्यक्ष और वैज्ञानिक डॉ.ई. जी. राजन ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य यह समझना है कि एआई तकनीक सभी क्षेत्रों में कैसे उपयोगी हो सकती है। उपाध्यक्ष सिरीशा इंतुरू ने कहा कि सफल ऑपरेशन सिंदूर, आई स्टैंड फॉर वॉरियर्स संगठन के साथ मिलकर एक विशेष अभियान चला रहा है। 15 अगस्त को दोपहर 12 बजे, एआई बैठकों में युवाओं को जोश के नाम पर राष्ट्रगान बनाने के उद्देश्य से जागरूक किया जाएगा। इस अवसर पर प्रेस क्लब में एआई भारत उत्सव के लोगो और जोश पोस्टर का अनावरण किया गया।

जीएम ने हैदराबाद डेक्कन और चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

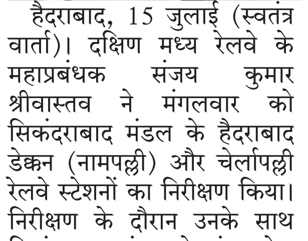

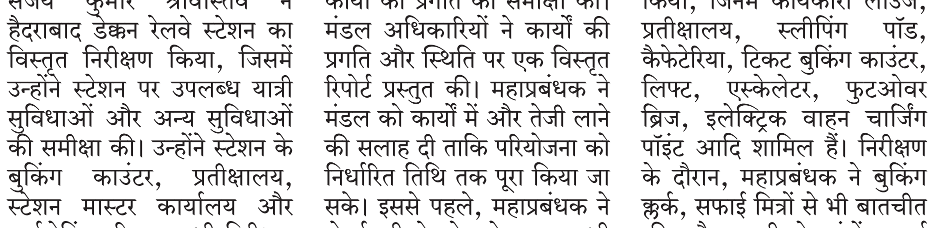

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को सिकंदराबाद मंडल के हैदराबाद डेक्कन (नामपल्ली) और चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। संजय कुमार श्रीवास्तव ने हैदराबाद डेक्कन रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं और अन्य सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन के बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय और सर्कुलेटिंग एरिया का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हैदराबाद स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। मंडल अधिकारियों ने कार्यों की प्रगति और स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। महाप्रबंधक ने मंडल को कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी ताकि परियोजना को निर्धारित तिथि तक पूरा किया जा सके। इससे पहले, महाप्रबंधक ने चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध आधुनिक सुख-सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनमें कार्यकारी लाउंज, प्रतीक्षालय, स्लीपिंग पॉड, कैफेटेरिया, टिकट बुकिंग काउंटर, लिफ्ट, एस्केलेटर, फुटओवर ब्रिज, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट आदि शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने बुकिंग क्लर्क, सफाई मित्रों से भी बातचीत की और ड्यूटी के घंटों, कार्य वातावरण और प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में पूछताछ की।

हत्या के आरोप में उत्तर प्रदेश निवासी गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने बालापुर में शुक्रवार रात निजी कारणों से एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार व्यक्ति, मोहम्मद यूसुफ (18), कंचनबाग निवासी और उत्तर प्रदेश का मूल निवासी, पीड़ित, मोहम्मद अब्दुल अजीज से कई वर्षों से परिचित था। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से अज़ीज़ कथित तौर पर यूसुफ़ को परेशान कर रहा था और पैसे व अन्य चीज़ों की मांग कर रहा था। चंद्रायनगुट्टा के एसीपी ए सुधाकर ने बताया, उत्पीड़न से नाराज़ होकर यूसुफ़ ने अज़ीज़ को सोना देने के बहाने एक सुनसान जगह पर बुलाया और चाकू से उस पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यूसुफ को अदालत में पेश किया गया और रिमांड पर लिया गया।

श्रीवारी मंदिर में कोइल अलवर तिरुमंजनम अनुष्ठान

तिरुमला, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अनिवरा स्थानम के अवसर पर, बुधवार को तिरुमाला श्रीवारी मंदिर में पवित्र कोइल अलवर तिरुमंजनम अनुष्ठान धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। टीटीडी के ईओ जे. श्यामला राव, टीटीडी के अध्यक्ष बी.आर. नायुडू और अतिरिक्त ईओ वेंकैया चौधरी के साथ, इस अवसर पर श्रीवारी मंदिर के बाहर मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि यह पारंपरिक मंदिर शुद्धिकरण वर्ष में चार बार उगादि, अनिवरा स्थानम, वार्षिक ब्रह्मोत्सव और वैकुंठ एकादशी से पहले किया जाता है। इस अनुष्ठान के एक भाग के रूप में, गर्भगृह, उप-मंदिरों, दीवारों, छतों और सभी पूजा सामग्री को जल और एक हर्बल मिश्रण "परिमलम" से अच्छी तरह से साफ किया जाता है। सफाई के दौरान मूल विराट को पूरी तरह से एक आवरण से ढक दिया गया था। शुद्धिकरण के बाद, कस्तूरी हल्दी, पच्चा कर्पूरम, चंदन का लेप, कुमकुम और अन्य सुगंधित चूर्णों से मिश्रित पवित्र सुगंधित जल पूरे मंदिर में छिड़का गया। बाद में, पट हटा दिया गया और पुजारियों ने परंपरा के अनुसार विशेष पूजा और नैवेद्यम किया। इसके बाद भक्तों के लिए दर्शन शुरू हुए। इस अनुष्ठान के कारण अष्टदल पद पद्मराधना सेवा उस दिन के लिए रद्द कर दी गई। टीटीडी बोर्ड के सदस्य, पनबाका लक्ष्मी, भानु प्रकाश रेड्डी, नरेश कुमार, शांता राम, सदाशिव राव, जंगा कृष्णमूर्ति, जानकी देवी, महेंद्र रेड्डी, सीवीएसओ मुरलीकृष्ण, मंदिर के उप ईओ लोकनाथम और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.